करेंट अफेयर्स

उत्तर प्रदेश

(संग्रह)

अगस्त

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश.....4

- पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी.....4
- उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव नियुक्त 5
- उन्नाव में भारत का पहला निजी एआई-संवर्द्धित विश्वविद्यालय परिसर.....6
- लखनऊ भारत का पहला AI शहर 7
- मेधा रूपम: गौतमबुद्ध नगर की पहली महिला डीएम 7
- 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 8
- उत्तर प्रदेश में FDI वृद्धि.....10
- उत्तर प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा का पुनर्गठन.....11
- पिंगली वेंकैया जयंती 12
- ऑपरेशन महाकाल.....13
- पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन 14
- लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूरे.....15
- उत्तर प्रदेश ने छात्रों के लिये भरण-पोषण भत्ता बढ़ाया.....16
- निवेश मित्र पोर्टल 3.0.....17
- क्षमता निर्माण आयोग की नई अध्यक्ष 18
- 11वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस.....18
- WHO-IRCH अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 20
- राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस 2025 21
- विश्व शेर दिवस 2025.....22
- बिजनौर जेल में सचींद्रनाथ बख्शी का सम्मान.....23
- कन्नौज FSL ने ISO 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त किया.....24
- काकोरी ट्रेन कार्रवाई की शताब्दी 25
- विश्व हाथी दिवस 2025.....26
- दीन दयाल स्पर्श योजना.....28
- उत्तर प्रदेश: दूसरी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था 29
- डॉ. विक्रम साराभाई की 106वीं जयंती.....30
- उत्तर प्रदेश की MSME औद्योगिक संपदा प्रबंधन नीति 2025.....32
- मेगा टिंकरिंग दिवस 2025.....34
- उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू अलर्ट 35

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- अजय साहनी को राष्ट्रपति वीरता पदक 36
- यूपी पुलिस का 'ऑपरेशन सवेरा' 36
- उत्तर प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र 37
- इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड 39
- शोधगंगा पोर्टल 39
- श्री अरबिंदो की 153वीं जयंती 41
- कारीकोट गाँव को ICRT पुरस्कार 2025 मिला 43
- भारत की पहली ड्रोन फोरेंसिक प्रयोगशाला 44
- वाराणसी: रेलवे ट्रेक के बीच सौर पैनल लगाने वाला भारत का पहला शहर 45
- चिवनिंग-अटल बिहारी वाजपेई छात्रवृत्ति योजना 46
- विश्व मानवतावादी दिवस 47
- राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कारों की 10वीं वर्षगाँठ 48
- पीएम-सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी 49
- काशी विश्वनाथ धाम प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र 51
- जलालाबाद का नया नाम परशुरामपुरी 52
- उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025 54
- प्रथम खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 55
- IOAA 2025 में भारत का प्रदर्शन 56
- द कुंज का उद्घाटन 57
- उत्तर प्रदेश पुलिस की सवेरा योजना 58
- राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस उत्सव 59
- जीबी नगर और श्रावस्ती शिकायत निवारण में अग्रणी 61
- शुभांशु शुक्ला को लखनऊ में सम्मानित किया गया 61
- लोक संवर्द्धन पर्व 62
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 63
- भारत ने AIBD के कार्यकारी बोर्ड की अध्यक्षता की 64
- अर्थ ओवरशूट डे 2025 65
- सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम 66
- आयुर्वेद दिवस 2025 67
- अटल आवासीय विद्यालयों हेतु आईएमएस 69
- विश्व मुक्केबाज़ी कप की मेज़बानी करेगा उत्तर प्रदेश 70
- प्रोजेक्ट आरोहण 72
- संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती 72
- भारत FIDE विश्व कप 2025 की मेज़बानी करेगा 73
- उत्तर प्रदेश भारत की औद्योगिक वृद्धि में अग्रणी 74
- उत्तर प्रदेश के एनसीआर ज़िलों में पटाखों पर प्रतिबंध 76
- विश्व जल सप्ताह 2025 77
- AI संचालित यूपी स्किल गैप डैशबोर्ड 78

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश

पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने 127 वर्षों के पश्चात् भगवान बुद्ध के **पवित्र पिपरहवा अवशेषों** की **भारत वापसी** का स्वागत करते हुए इसे देश की सांस्कृतिक विरासत के लिये **गौरवपूर्ण** और **हर्ष का क्षण** बताया।

- **गोदरेज इंडस्ट्रीज़** ने सरकार के साथ मिलकर **औपनिवेशिक काल** के दौरान विदेश ले जाए गए इन अवशेषों को **सोथबी नीलामी गृह** से प्राप्त करने और उन्हें भारत वापस लाने में **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई। इसके फलस्वरूप ये अवशेष **नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय** में **प्रदर्शित** किये जा सकेंगे।

मुख्य बिंदु

- **पिपरहवा अवशेषों के बारे में:**
  - **पिपरावा अवशेष**, जिन्हें **भगवान बुद्ध के अवशेष** माना जाता है, वर्ष **1898** में **विलियम क्लैक्सटन पेप्पे** द्वारा **उत्तर प्रदेश के पिपरहवा स्तूप** में खुदाई के दौरान प्राप्त हुए थे। यह स्थान भगवान बुद्ध का जन्मस्थान प्राचीन कपिलवस्तु माना जाता है।
  - इनमें **बुद्ध के अस्थि खंड**, **सोपस्टोन (पाषाण) पात्र**, **क्रिस्टल पात्र**, **रत्न**, **स्वर्णाभूषण** तथा अन्य **अनुष्ठानिक सामग्री** सम्मिलित हैं।।
    - एक पात्र पर **ब्राह्मी लिपि** उत्कीर्ण किया गया लेख, इन अवशेषों को **प्रत्यक्ष रूप से भगवान बुद्ध** से जोड़ता है, जिसमें कहा गया है कि इन्हें **शाक्य वंश** द्वारा समर्पित किया गया था।
- **अवशेषों का कानूनी संरक्षण:**
  - भारत ने इन अवशेषों को **'AA' पुरावशेष** (सबसे उच्चतम कानूनी संरक्षण स्तर) के अंतर्गत वर्गीकृत किया है।
  - भारतीय कानून के अनुसार, इन अवशेषों का **क्रय-विक्रय या निर्यात प्रतिबंधित** है और इन्हें **नीलामी या देश से बाहर ले जाना अवैध** है।
  - वर्ष **1899** में अधिकांश अवशेष **भारतीय संग्रहालय, कोलकाता** को सौंप दिये गए थे, किंतु **ब्रिटिश उत्खननकर्त्ता विलियम क्लैक्सटन पेप्पे के वंशजों** ने कुछ अवशेष जैसे **पिपरावा अवशेष** अपने पास रख लिये थे।

नोट: बुद्ध के अवशेष उनकी मृत्यु के बाद विभिन्न स्थानों पर निर्मित 9 स्तूपों में स्थापित किये गए थे, जिनमें शामिल हैं:

- बिहार में राजगृह, वैशाली, वेथादीपा और **पावा**
- नेपाल में **कपिलवस्तु**, अल्लाकप्पा और रामग्राम
- उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और पिप्पलवीना

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

वरिष्ठ IAS अधिकारी शशि प्रकाश गोयल को **उत्तर प्रदेश के नए** मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति वर्तमान मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के कार्यकाल की समाप्ति के पश्चात् की गई है।

- शशि प्रकाश गोयल का कार्यकाल **जनवरी 2027 में सेवानिवृत्ति** तक रहेगा।

मुख्य बिंदु

मुख्य सचिव के बारे में:

- **कार्यालय:**
  - भारत में मुख्य सचिव का कार्यालय वर्ष 1799 में **ब्रिटिश शासन** के दौरान **लॉर्ड वेलेज़ली** के अधीन अस्तित्व में आया और तब से यह **राज्य प्रशासन** का **अभिन्न अंग** है।
  - **मुख्य सचिव**, राज्य में कार्यरत **सर्वोच्च रैंक का प्रशासनिक अधिकारी** होता है, जो **राज्य सचिवालय** का नेतृत्व करता है तथा राज्य सरकार के विभिन्न कार्यों के समन्वय की ज़िम्मेदारी निभाता है।
- **नियुक्ति और स्थिति:**
  - मुख्य सचिव की नियुक्ति **मुख्यमंत्री** (**राज्यपाल** के नाम पर) द्वारा वरिष्ठ IAS अधिकारियों में से वरिष्ठता, योग्यता और विश्वास जैसे कारकों के आधार पर की जाती है।
  - वर्ष 1973 में इस कार्यालय को **भारत सरकार के सचिव** के पद के **समतुल्य** मानकीकृत किया गया।
- **शक्तियाँ और कार्य:**
  - राज्य प्रशासन के मामलों पर **प्रमुख सलाहकार** के रूप में कार्य करता है और नीतिगत मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करता है।
  - **कैबिनेट बैठक** का **एजेंडा तैयार** करता है, **कार्यवाही रिकॉर्ड** करता है और **निर्णयों के कार्यान्वयन** की देखरेख करता है।
  - राज्य सिविल सेवा में **नियुक्तियों**, **स्थानांतरणों** और **पदोन्नति** की देखरेख करता है तथा सिविल सेवकों का मनोबल बनाए रखता है।
  - अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित करता है, **समन्वय समितियों** की अध्यक्षता करता है और विभागों के बीच विवादों का समाधान करता है।
  - सामान्य प्रशासन, कार्मिक और योजना जैसे प्रमुख विभागों का सीधे प्रबंधन करता है।
  - **बाढ़, सूखा** और **सांप्रदायिक अशांति** जैसे संकट के दौरान राहत कार्यों का नेतृत्व करता है तथा **आपात स्थितियों** के दौरान राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करता है।

नोट:

- प्रोफेसर **अजीत कुमार चतुर्वेदी** को तीन साल के कार्यकाल के लिये **बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU)** के **कुलपति** के रूप में नियुक्त किया गया है। जिसकी घोषणा भारत के **राष्ट्रपति** द्वारा की गई है।
- वर्ष 1989 बैच के **IIT कानपुर स्नातक** प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी को व्यापक शैक्षणिक अनुभव है, उन्होंने पहले IIT रुड़की (2017–2022) के निदेशक के रूप में कार्य किया है।
- उन्होंने IIT कानपुर में भी नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाईं, जिनमें विद्युत अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष, अनुसंधान एवं विकास डीन तथा उप निदेशक के पद शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उन्नाव में भारत का पहला निजी एआई-संवर्द्धित विश्वविद्यालय परिसर

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में **उन्नाव** में भारत के पहले **निजी एआई-संवर्द्धित बहु-विषयक चंडीगढ़ विश्वविद्यालय परिसर** का उद्घाटन करके उच्च शिक्षा में एक अग्रणी कदम उठाया है।

- इसका उद्देश्य आधुनिक शिक्षा को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ मिश्रित करना है, जो उत्तर प्रदेश के शैक्षिक तथा तकनीकी परिदृश्य में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **एआई-संवर्द्धित बहु-विषयक शिक्षा:**
  - नव-उद्घाटित परिसर शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाएगा, जिसमें **अनुसंधान**, **नवाचार** और **समग्र विकास** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहु-विषयक शिक्षा के अनुरूप है।
- **राष्ट्रीय मिशनों के अनुरूप:**
  - मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की स्थापना को स्टार्टअप इंडिया जैसी राष्ट्रीय पहलों के साथ जोड़ते हुए इसे उत्तर प्रदेश की वैश्विक उपस्थिति को मज़बूत करने की दिशा में **उद्यमिता** और **उद्योग सहयोग** को बढ़ावा देने वाली पहल बताया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों के लिये **करियर मार्गदर्शन**, **उद्योग-उन्मुख कौशल विकास** तथा अवसरों के द्वार के रूप में कार्य करना चाहिये।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधार और बुनियादी ढाँचा

- उत्तर प्रदेश में अब तक **23 नए निजी विश्वविद्यालयों** की स्थापना को प्रोत्साहन दिया गया है।
- प्रदेश में देश का पहला आयुष विश्वविद्यालय (महायोगी गुरु गोरक्षनाथ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर) स्थापित किया गया है तथा **एक खेल विश्वविद्यालय** (मेजर ध्यानचंद राज्य खेल विश्वविद्यालय) निर्माणाधीन है।
- नए सुधारों के तहत अब राज्य में **ग्रामीण क्षेत्रों** में 50 एकड़ तथा **शहरी क्षेत्रों** में 20 एकड़ भूमि पर निजी विश्वविद्यालय स्थापित किये जा सकते हैं।
- प्रदेश के विश्वविद्यालय अब **NAAC मूल्यांकन** और **NIRF रैंकिंग** सुधारने हेतु सतत् प्रयासरत हैं। परिणामस्वरूप, राज्य की **6 विश्वविद्यालयों** ने **A++ ग्रेड**, **2 विश्वविद्यालयों** ने **A+ ग्रेड** प्राप्त किया है तथा राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

उत्तर प्रदेश में नवाचार की संभावनाएँ

- उत्तर प्रदेश भारत का **तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब** बनकर उभरा है, जहाँ 7,200 से अधिक सक्रिय स्टार्टअप के माध्यम से **1 लाख से अधिक रोज़गार** सृजित हुए हैं।
- प्रदेश में अब तक 8 यूनिकॉर्न कंपनियाँ स्थापित हो चुकी हैं।
- लखनऊ में एक महत्त्वाकांक्षी **AI सिटी परियोजना** की शुरुआत की गई है, जिसका लक्ष्य 400 से अधिक कंपनियों की भागीदारी से 50,000 रोज़गार सृजित करना है।
- इस AI सेंटर की स्थापना का नेतृत्व IBM द्वारा किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

लखनऊ भारत का पहला AI शहर

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश **10,732 करोड़ रुपये** के निवेश के माध्यम से **लखनऊ** को भारत का पहला AI सिटी बनाने की दिशा में अग्रसर है।

- यह पहल मार्च 2024 में अनुमोदित IndiaAI मिशन के अंतर्गत प्रारंभ की गई है, जिसका उद्देश्य राज्य में सशक्त AI पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

मुख्य बिंदु

- **AI अवसंरचना में व्यापक निवेश:**
  - यह निवेश **10,000** ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (GPUs), **मल्टी-मॉडल भाषा मॉडल्स** तथा लखनऊ में AI नवाचार केंद्र की स्थापना हेतु किया जा रहा है।
  - यह निवेश देश में किसी भी अन्य प्रौद्योगिकी अवसंरचना की तुलना में **67% अधिक** है।
- **AI प्रज्ञा प्रशिक्षण पहल:**
  - इस पहल के अंतर्गत 10 लाख से अधिक लोगों जिनमें युवा, शिक्षक, ग्राम प्रधान, सरकारी कर्मचारी और किसान शामिल हैं, को **AI, मशीन लर्निंग, डाटा एनालिटिक्स** तथा **साइबर सुरक्षा** का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
  - यह प्रशिक्षण Microsoft, Intel, Google और **Guvi** जैसी वैश्विक टेक्नोलॉजी कंपनियों के सहयोग से दिया जा रहा है।
- **AI ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली:**
  - लखनऊ में एक अत्याधुनिक **AI आधारित ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली** लागू की जाएगी, जो **वाराणसी** में विकसित प्रणाली के समान होगी।
- **कृषि और राजस्व प्रबंधन में AI:**
  - **यूपी एग्रीस परियोजना** के माध्यम से 10 लाख किसानों को स्मार्ट सिंचाई, ड्रोन मैपिंग, कीट पहचान और डिजिटल बाज़ार पहुँच जैसी AI-संचालित तकनीकों से जोड़ा जाएगा।
  - **राजस्व विभाग** द्वारा **सैटेलाइट इमेजिंग** और **AI एल्गोरिद्म** का उपयोग **भूमि समेकन** तथा **अभिलेख प्रबंधन** के लिये किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी एवं विवाद कम होंगे।
- **सुरक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में AI का उपयोग:**
  - CCTV निगरानी, चेहरे की पहचान, नंबर प्लेट ट्रैकिंग तथा SOS अलर्ट प्रणाली जैसे AI-सक्षम तंत्र प्रदेश के 17 नगर निगमों और **गौतम बुद्ध नगर** में लागू किये गए हैं।
  - इसके अतिरिक्त, **अवैध खनन रोकथाम** और **खनिज संसाधन संरक्षण** हेतु भी AI का उपयोग किया जा रहा है।
  - स्वास्थ्य क्षेत्र में, देश का पहला **AI आधारित स्तन कैंसर स्क्रीनिंग केंद्र फतेहपुर** में स्थापित किया गया है।

मेधा रूपम: गौतमबुद्ध नगर की पहली महिला डीएम

चर्चा में क्यों ?

वर्ष 2014 बैच की IAS अधिकारी मेधा रूपम को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर की पहली महिला ज़िलाधिकारी (DM) नियुक्त किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उन्होंने मनीष कुमार वर्मा** का स्थान लिया है, जिन्हें **प्रयागराज** स्थानांतरित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **शैक्षणिक पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष 2014 में आयोजित UPSC सिविल सेवा परीक्षा में रूपम ने **अखिल भारतीय रैंक 10** प्राप्त की।
  - वह एक **राष्ट्रीय स्तर की राइफल शूटर** भी हैं और उन्होंने **केरल राज्य शूटिंग चैंपियनशिप** में **तीन स्वर्ण पदक** अर्जित किये हैं।
- **पारिवारिक पृष्ठभूमि:**
  - उनके पिता **ज्ञानेश कुमार**, केरल कैडर के **सेवानिवृत्त IAS अधिकारी** हैं तथा वर्तमान में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

वर्ष 2023 के लिये भारत की सिनेमाई उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की आधिकारिक घोषणा की गई।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - वर्ष 2023 के संस्करण में **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के नियमों** के तहत क्षेत्र का विस्तार करते हुए कुल **31 फीचर फिल्में**, **24 गैर-फीचर फिल्में**, **सिनेमा पर 27 पुस्तकें** तथा **16 फिल्म समीक्षकों** को सम्मिलित किया गया।
  - शाहरुख खान को अपने 30 वर्ष से अधिक के फिल्मी करियर में प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार**
  - राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन भारत सरकार की ओर से **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** के माध्यम से किया जाता है।
  - **पुरस्कार श्रेणियाँ:** ये वार्षिक पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदान किये जाते हैं— **फीचर फिल्म**, **गैर-फीचर फिल्म**, **सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन** तथा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार।

शीर्ष राष्ट्रीय विजेता

वर्ग	विजेता
सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म	*12वीं फेल*
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन	*सुदीप्तो सेन - द केरल स्टोरी*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	*शाहरुख खान (जवान), विक्रांत मैसी (12वीं फेल)*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	*रानी मुखर्जी - मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे*
सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय मनोरंजन फिल्म	*रॉकी और रानी की प्रेम कहानी*
किसी निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ पहली फिल्म	*आत्मापंफलेट*
राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फिल्म	*सैम बहादुर*

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

फीचर फिल्म पुरस्कार

पुरस्कार श्रेणी	फिल्म / कलाकार
सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म	*कटहल (Kathal)*
सर्वश्रेष्ठ बंगाली फिल्म	*डीप फ्रीज*
सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म	*श्यामची आई*
सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि स्कोर	*एनीमल* (हर्षवर्द्धन रामेश्वर)
सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका	*शिल्पा राव - छलिया (जवान)*
सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक	*PVN S रोहित - बेबी (तेलुगु)*
सर्वश्रेष्ठ संपादन	*पूक्कालम* – मिधुन मुरली
सर्वश्रेष्ठ छायांकन	*केरल की कहानी* – प्रशांतु महापात्रा
सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन	*सैम बहादुर* - सचिन, दिव्या, निधि
सर्वश्रेष्ठ मेकअप	*सैम बहादुर* -श्रीकंठ देसाई
सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी	*ढिंढोरा बाजे रे - रॉकी और रानी* (वैभवी मर्चेंट)
सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिज़ाइन	*एनिमल* - सचिन सुधाकरन और हरिहरन

अभिनय पुरस्कार

वर्ग	विजेता
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	*शाहरुख खान (जवान), विक्रांत मैसी (12वीं फेल)*
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	*रानी मुखर्जी (मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे)*
सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता	*विजय राघवन (पुक्कलम), मुथुपेट्टई भास्कर (पार्किंग)*
सर्वश्रेष्ठ सह नायिका	*उर्वशी (उल्लोझुक्कू), जानकी बोडीवाला (वाश)*
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार	सुकृति बांदीरेड्डी (*गांधी थाथा चेट्टू*), कबीर खंडारे (*जिप्सी*), त्रिशा तोशर, श्रीनिवास पोकले, भार्गव (*नाल 2*)

गैर-फीचर फिल्म पुरस्कार

पुरस्कार	प्राप्तकर्त्ता
सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र	*गॉड, वल्चर एंड ह्यूमन*
सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक फिल्म	*फ्लावरिंग मैन*
सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म	*गिद्ध – द स्कैवेंजर*
सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म	*नाल 2*

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

AVGC में सर्वश्रेष्ठ फिल्म	*हनुमान*
सर्वश्रेष्ठ वॉयसओवर	*द सेक्रेड जैक* - हरि कृष्णन एस
सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (गैर-फीचर)	*द स्पिरिट ड्रीम्स ऑफ चेरॉ*
सर्वोत्तम सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य	द साइलेंट पैंडेमिक

उत्तर प्रदेश में FDI वृद्धि

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, वर्ष **2019 से 2023** के दौरान प्रदेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक चुनौतियाँ:** ऐतिहासिक रूप से, उत्तर प्रदेश एक खराब औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र से जूझता रहा है, जिसने विदेशी निवेशकों को हतोत्साहित किया है। इसके लिये कई कारक ज़िम्मेदार थे, जिनमें शामिल हैं:
  - व्यापार सुगमता में निम्न रैंकिंग
  - एकीकृत सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम का अभाव
  - अपर्याप्त **बुनियादी ढाँचा**
  - अस्पष्ट औद्योगिक नीतियाँ
  - अस्थिर कानून-व्यवस्था की स्थिति
- **FDI प्रवृत्तियों में बदलाव:** वर्ष **2000 से 2017** तक उत्तर प्रदेश में FDI मात्र **3,000 करोड़ रुपये** तक सीमित था, किंतु हाल के वर्षों में इसमें तीव्र वृद्धि हुई है।
  - अब उत्तर प्रदेश FDI के लिये भारत का **11वाँ सबसे आकर्षक राज्य** है। **अक्तूबर 2019 से सितंबर 2024** तक राज्य में कुल **1.7 अरब डॉलर** का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है।
- **उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात** में उत्तर प्रदेश भारत में **प्रथम स्थान** पर है। वर्तमान में राज्य में **196** इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (ESDM) कंपनियाँ संचालित हैं।
- **प्रमुख नीतिगत सुधार:**
  - वर्ष **2018 में आयोजित** UP इन्वेस्टर्स समिट ने निवेश-हितैषी पहलों के लिये मंच तैयार किया।
    - इस समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपये मूल्य के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।
  - इस सफलता के आधार पर वर्ष 2023 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) में 33.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।
- **प्रमुख नीतियाँ:**
  - उत्तर प्रदेश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनियों के निवेश संवर्द्धन हेतु नीति-2023
  - उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोज़गार संवर्द्धन नीति 2022

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024
- उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र नीति 2024

- **परियोजना कार्यान्वयन:**
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने **ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनीज़ (GBCs)** की अवधारणा शुरू की।
    - ये आयोजन राज्यव्यापी बड़े निवेश परियोजनाओं के शुभारंभ के मंच होते हैं।
  - अब तक हुई पहली चार GBCs में 16,000 से अधिक परियोजनाओं की शुरुआत हो चुकी है, जिनमें से 8,000 से अधिक परियोजनाएँ क्रियाशील हैं।
  - **आगामी GBC-5** के लिये राज्य सरकार ने 5 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं के ग्राउंडिंग का लक्ष्य रखा है, जिसे बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये तक किया जा सकता है।
  - कुल निवेश का अधिकांश भाग विनिर्माण, सेवा **और अवसंरचना क्षेत्रों** में गया है, जिसमें **विनिर्माण क्षेत्र** को सर्वाधिक **62.25%** का हिस्सा प्राप्त हुआ है।

उत्तर प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा का पुनर्गठन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) से प्रेरणा लेते हुए उत्तर प्रदेश आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिये **पुनर्गठन** किया है।

- नए उपायों में उन्नत प्रौद्योगिकी उपकरणों को अपनाने, **तीव्र अन्वेषण और वित्तीय अपराधों की रिपोर्ट** करने के लिये सार्वजनिक पहुँच में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्य बिंदु

प्रमुख सुधार और उपाय

- **उन्नत सार्वजनिक पहुँच:**
  - एक प्रमुख सुधार के तहत नागरिकों को **आर्थिक अपराधों** की रिपोर्ट करने के लिये आसान पहुँच प्रदान की गई है।
  - राज्य की आपातकालीन हेल्पलाइन 112 को **EOW** के साथ एकीकृत किया गया है, ताकि जनता पोंजी स्कीम धोखाधड़ी, **स्टांप धोखाधड़ी**, **मल्टी-मार्केटिंग धोखाधड़ी** आदि जैसे मामलों की रिपोर्ट कर सके।
- **व्यावसायिक विशेषज्ञता और प्रशिक्षण:**
  - EOW का लक्ष्य प्रवर्तन तथा सार्वजनिक पहुँच दोनों के संदर्भ में एक **मज़बूत और विश्वसनीय संस्थान** बनना है।
  - अपने अधिकारियों की **व्यावसायिकता** बढ़ाने के लिये CBI, प्रवर्तन निदेशालय तथा अन्य केंद्रीय एजेंसियों के विशेषज्ञों के साथ एक दिवसीय **कार्यशाला** का आयोजन किया गया।
    - कार्यशाला का उद्देश्य **वित्तीय अपराधों के विभिन्न स्वरूपों** के बारे में शिक्षित करना, **जाँच की बारीकियों** पर ध्यान देना तथा वित्तीय अपराध प्रवर्तन में **उभरती चुनौतियों** से निपटना था।
- **जन जागरूकता और शिक्षा:**
  - EOW की रणनीति का एक मुख्य भाग **जन जागरूकता** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- एजेंसी ने नागरिकों को विभिन्न आर्थिक अपराधों के बारे में **शिक्षित करने** तथा उन्हें **सतर्क और सुरक्षित** रहने के लिये जागरूक करने हेतु **डिजिटल और प्रिंट** दोनों प्रारूपों में आठ **एनिमेटेड पुस्तिकाएँ** तैयार की हैं।
- जनता को शामिल करने के लिये वित्तीय अपराध रोकथाम पर एक **लघु फिल्म** भी लॉन्च की गई, साथ ही एक नया **EOW लोगो** भी जारी किया गया।

तकनीकी उन्नयन:

- EOW अब परिचालन को **सुव्यवस्थित** करने के लिये **अत्याधुनिक उपकरणों** से सुसज्जित है, जिसमें **वास्तविक समय पर केस की निगरानी** और **तीव्र समाधान** हेतु 24x7 केस प्रबंधन सॉफ्टवेयर (CMS) भी शामिल है।

आर्थिक अपराध शाखा (EOW)

- **आर्थिक अपराधों से निपटने** के लिये **CID** के अंतर्गत वर्ष 1970 में **आर्थिक अपराध शाखा (EOW)** की स्थापना की गई थी, जिसका विस्तार वर्ष 1972 में 10 **सरकारी विभागों** से संबंधित अपराधों को शामिल करने हेतु किया गया।
- वर्ष 1977 में EOW को उत्तर प्रदेश पुलिस की एक **अलग और विशेष जाँच शाखा** के रूप में **पुनर्गठित** किया गया।
- वर्ष 2006 में EOW के **अधिकार क्षेत्र** को और अधिक विस्तृत कर दिया गया तथा इसमें सभी सरकारी विभागों में **आर्थिक अपराधों की जाँच एवं पूछताछ** को शामिल कर लिया गया।
- वर्ष 2018 में सरकार ने **लखनऊ, वाराणसी, मेरठ** और **कानपुर** में EOW क्षेत्रों के अंतर्गत **चार पुलिस स्टेशन** स्थापित किये।
- EOW का नेतृत्व **महानिदेशक, EOW** द्वारा किया जाता है, जिसका **मुख्यालय लखनऊ** में स्थित है। इसे **पाँच सेक्टरों** में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक का प्रबंधन **एसपी रैंक** के अधिकारी द्वारा किया जाता है।

पिंगली वेंकैया जयंती

चर्चा में क्यों ?

2 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री ने पिंगली वेंकैया की 149वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत के राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया, जो राष्ट्र की **एकता**, **विविधता** तथा **स्वतंत्रता** का प्रतीक है।

- प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान का समर्थन करने का भी आग्रह किया।

मुख्य बिंदु

पिंगली वेंकैया के बारे में:

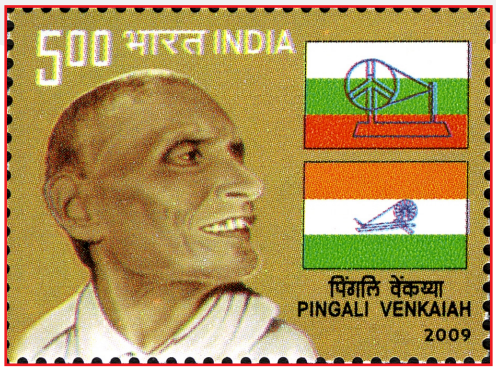

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- उनका जन्म 2 अगस्त, 1876 को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के पास भटलापेनुमरु **गाँव** में हुआ था और 4 जुलाई,1963 को 86 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।
- उन्होंने 1899-1902 के दौरान द्वितीय बोअर युद्ध में भाग लिया।
- वर्ष 1913 में उन्होंने आंध्र प्रदेश के **बापटला** में जापानी भाषा में '**जापान वेंकैया**' नामक व्याख्यान दिया।
- **कंबोडिया कपास** पर अनुसंधान के कारण वे '**पट्टी वेंकय्या**' नाम से भी प्रसिद्ध थे।
- वर्ष 2009 में उनके योगदान के सम्मान में एक **डाक टिकट** जारी किया गया।

ध्वज का विकास

- वर्ष 1916 में पिंगली वेंकैया ने **भारत के लिये एक राष्ट्रीय ध्वज** शीर्षक से एक पुस्तिका प्रकाशित की, जिसमें भारत के संभावित ध्वज के लिये लगभग **30 डिज़ाइन** प्रस्तुत किये गए, जो अन्य देशों के ध्वजों से प्रेरित थे।
- राष्ट्रीय ध्वज के लिये **वेंकैया के डिज़ाइन को अंततः वर्ष** 1921 में **विजयवाड़ा** में कॉन्ग्रेस की बैठक में **महात्मा गांधी द्वारा अनुमोदित किया गया था।**
- प्रारंभिक ध्वज, जिसे **स्वराज ध्वज** कहा जाता था, में दो लाल और हरे रंग की पट्टियाँ थीं (जो हिंदू तथा मुस्लिम धार्मिक समुदायों का प्रतिनिधित्व करती थीं)। ध्वज में एक **चरखा** भी था, जो **स्वराज** का प्रतिनिधित्व करता था।
  - महात्मा गांधी ने **वेंकैया** को इसमें **शांति** का प्रतीक दर्शाने हेतु **सफेद पट्टी** जोड़ने की सलाह दी।
- **ध्वज समिति (1931)** ने लाल रंग को बदलकर **केसरिया** किया और रंगों को क्रमशः **केसरिया (ऊपर)**, **सफेद (मध्य)** तथा **हरा (नीचे)** निर्धारित किया। सफेद पट्टी के मध्य में चरखा अंकित किया गया।
  - इन रंगों का समुदायों से नहीं, बल्कि **गुणों** से संबंध था, **केसरिया** साहस और बलिदान, **सफेद** सत्य और शांति तथा **हरा** विश्वास और शक्ति का प्रतीक था। चरखा **जनकल्याण** का प्रतीक था।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, राष्ट्रपति **डॉ. राजेंद्र प्रसाद** की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय ध्वज समिति ने चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को ध्वज में सम्मिलित किया।

ऑपरेशन महाकाल

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने '**ऑपरेशन महाकाल**' के माध्यम से भू-माफिया और जबरन वसूली गिरोहों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - यह अभियान **5 अगस्त 2025 को प्रारंभ किया गया**, जिसका उद्देश्य **अवैध भूमि कब्ज़ा** गतिविधियों की पहचान करना, उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई करना तथा इन गतिविधियों को संचालित करने वाले न केवल अपराधियों, बल्कि उन्हें सहयोग देने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों को भी चिह्नित कर **सख्ती से कार्रवाई करना** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **ऑपरेशन के चरण:** ऑपरेशन दो चरणों में संचालित किया जा रहा है:
  - **प्रथम चरण (5 सितंबर 2025 तक):** इसमें भूमि कब्ज़ा और जबरन वसूली में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों की सूची तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - **द्वितीय चरण (15 सितंबर 2025 से प्रारंभ):** इस चरण में कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें संपत्ति ज़ब्ती तथा आरोप दर्ज करने की प्रक्रिया शामिल होगी।
- **सहयोगियों के विरुद्ध कार्रवाई:**
  - भूमि माफिया का संबंध अनेक **श्वेतपोश पेशेवरों** से है, जिनमें **सरकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि** तथा **पत्रकार** शामिल हैं।
  - इन समूहों के बीच हुई मिलीभगत की गहराई से जाँच की जाएगी और उनके विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

चर्चा में क्यों ?

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद 5 अगस्त 2025 को 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- उन्होंने **जम्मू-कश्मीर** सहित पाँच राज्यों के राज्यपाल के रूप में कार्य किया और वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 के निरसन के दौरान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्य बिंदु

- **प्रारंभिक जीवन:** सत्यपाल मलिक का जन्म 24 जुलाई 1946 को उत्तर प्रदेश के हिसावड़ा गाँव में हुआ था।
- **राजनीतिक यात्रा:**
  - वर्ष 1965 में मेरठ कॉलेज से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया।
  - विधानसभा **सदस्य:** वर्ष 1974 में **बागपत से विधायक** निर्वाचित हुए।
  - **राज्यसभा:** वर्ष 1980 में राज्यसभा में प्रवेश किया।
    - एक संक्षिप्त अंतराल के बाद वर्ष **1984 में पुन:** राज्यसभा के सदस्य बने।
  - **लोकसभा:** वर्ष 1989 में **अलीगढ़ से** लोकसभा **सदस्य** निर्वाचित हुए।
  - **राज्यपाल पद:**
    - बिहार (2017–2018)
    - ओडिशा (2018 में अतिरिक्त प्रभार)
    - जम्मू-कश्मीर (2018–2019)
    - गोवा (2019–2020)
    - मेघालय (2020–2022)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूरे

चर्चा में क्यों ?

1 अगस्त 2025 को लखनऊ स्थित चारबाग रेलवे स्टेशन ने अपने **100 वर्ष** पूरे कर लिये। इसकी **विशिष्ट** वास्तुकला और **ऐतिहासिक विरासत** लखनऊ की **अलग पहचान** का प्रतीक हैं।

मुख्य बिंदु

- **इतिहास और वास्तुकला:**
  - चारबाग रेलवे स्टेशन का निर्माण **मुगल, राजस्थानी और** अंग्रेज़ी स्थापत्य का सुंदर संगम है।
  - इसकी आधारशिला वर्ष **1914 में बिशप जॉर्ज हर्बर्ट** द्वारा रखी गई थी तथा निर्माण कार्य वर्ष **1923 में पूर्ण** हुआ।
  - इस भवन को **J.H. हॉर्निमैन** द्वारा **भारतीय-अंग्रेज़ स्थापत्य शैली** के समन्वय से निर्मित किया गया था।
  - 1 अगस्त 1925 को ईस्ट इंडिया रेलवे के एजेंट सी.एल. कॉल्विन ने इसी भवन के बुर्ज के भीतर एक **स्मृति-पेटिका** (casket) स्थापित की, जिसमें उस **समय का एक सिक्का और एक समाचार-पत्र रखा गया।** यह भवन की नींव पूर्ण होने की स्मृति के रूप में किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:**
  - चारबाग स्टेशन स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और मौलाना आज़ाद जैसे प्रमुख नेताओं के आगमन का साक्षी रहा है।
  - ऐसा माना जाता है कि **गांधी जी और नेहरू के बीच पहली औपचारिक मुलाकात (26 दिसंबर 1916)** इसी स्टेशन पर हुई थी, जिससे यह एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल बन गया।

उत्तर प्रदेश ने छात्रों के लिये भरण-पोषण भत्ता बढ़ाया

चर्चा में क्यों ?

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत, उत्तर प्रदेश सरकार ने **दिव्यांग छात्रों** के लिये भरण-पोषण भत्ते को **2,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये प्रति माह** कर दिया है, जिससे राज्य के 28 आवासीय विद्यालयों में नामांकित 2,650 छात्रों को लाभ मिलेगा।

- उत्तर प्रदेश सरकार के आँकड़ों के अनुसार, **हर वर्ष 50 लाख से अधिक छात्र** राज्य की **छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं** से लाभान्वित होते हैं, जिनमें से लगभग **14 से 15 लाख छात्र** अनुसूचित जाति से संबंधित होते हैं।

मुख्य बिंदु

- **अयोग्यता मानदंड:**
  - अब **40 वर्ष से अधिक आयु के छात्र** छात्रवृत्ति के पात्र नहीं होंगे, जबकि पहले आवेदन के लिये कोई अधिकतम आयु सीमा नहीं थी।
  - जो छात्र **उत्तर प्रदेश से बाहर के राज्य बोर्डों** से हाईस्कूल परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, उन्हें अब छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी; हालाँकि, CBSE और ICSE **जैसे केंद्रीय बोर्डों** से उत्तीर्ण छात्रों को यह लाभ मिलता रहेगा।
  - **उत्तर प्रदेश से बाहर स्थित विश्वविद्यालयों** द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश के परिसरों में पढ़ने वाले छात्रों को भी संशोधित योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति से वंचित कर दिया गया है।
- **अनिवार्य डिजिलॉकर:**
  - **छात्रवृत्ति आवेदकों** के लिये अब डिजिलॉकर **पंजीकरण अनिवार्य** होगा, जिससे **स्वचालित आधार-आधारित डाटा सत्यापन** संभव हो सकेगा और **धोखाधड़ी की घटनाएँ** रोकी जा सकेंगी।
- **अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये राशि में वृद्धि:**
  - अनुसूचित जाति (SC) के छात्रों के लिये **वार्षिक छात्रवृत्ति राशि** में **500 रुपये** की वृद्धि की जाएगी, जिससे कुल राशि **3,500 रुपये प्रति वर्ष** हो जाएगी।
- **विशेष छूट:**
  - **प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना** के अंतर्गत **अस्वच्छ पेशों** (जैसे, मैला ढोने, कच्चे चमड़े से संबंधित कार्य आदि) से जुड़े परिवारों के बच्चों के लिये **आय सीमा की बाध्यता समाप्त** कर दी गई है, जिससे उन्हें **छात्रवृत्ति योजना** का लाभ मिल सके।

नोट:

- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार, **21 प्रकार की दिव्यांगताएँ** मान्यता प्राप्त हैं, जिनमें **दृष्टि बाधिता, श्रवण बाधिता, वाणी एवं भाषा विकार, बौद्धिक दिव्यांगता, बहु दिव्यांगता, सेरेब्रल पाल्सी और बौनापन** आदि शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

निवेश मित्र पोर्टल 3.0

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के निवेश मित्र पोर्टल 3.0 **प्रक्रियात्मक विलंब** तथा लालफीताशाही को कम करके व्यापार करने में **सुगमता** को बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **निवेश मित्र 3.0 के बारे में:**
  - **निवेश मित्र 3.0** एक **उन्नत, डिजिटल सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म** है जिसे **उत्तर प्रदेश सरकार** द्वारा **निवेश प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित** करने, **अनुमोदन में तीव्रता** लाने और **एकीकरण, स्वचालन** तथा AI-संचालित उपकरणों के माध्यम से व्यापार सुगमता बढ़ाने के लिये लॉन्च किया गया है।
- **विशेषताएँ:**
  - **एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र:** यह केंद्र और राज्य सरकार के पोर्टलों के साथ बेहतर **अंतर-संचालन** प्रदान करता है तथा सभी विभागों में निवेशक सेवाओं के लिये एक **समन्वित और एकीकृत इंटरफ़ेस** उपलब्ध कराता है।
  - **संशोधित सामान्य आवेदन प्रपत्र (CAF):** गतिशील आवेदन प्रपत्र अब **कई भाषाओं** में उपलब्ध है और **उपयोगकर्त्ता प्रोफाइल** के अनुकूल है, जिससे निवेशकों के लिये आवश्यक अनुमोदनों की पहचान करना तथा कुशलतापूर्वक आवेदन करना आसान हो जाता है।
  - **GIS-सक्षम भूमि बैंक:** निवेशक भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके केंद्रीकृत, वास्तविक समय भूमि डाटा तक पहुँच सकते हैं, जिससे कुशल भूमि चयन और नोडल एजेंसियों के साथ सहयोग संभव हो सकेगा।
  - **स्मार्ट डैशबोर्ड और रियल-टाइम एनालिटिक्स:** यह पोर्टल ज़िलावार **KPI रैंकिंग,** औद्योगिक पार्क रेटिंग और कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करता है, जिससे निवेशकों तथा प्रशासन दोनों को प्रगति की निगरानी एवं निर्णय लेने में सहायता मिलती है।
  - **AI-संचालित बहुभाषी चैटबॉट:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित चैटबॉट त्वरित, बहुभाषी समर्थन और **शिकायत निवारण** प्रदान करते हैं, जिससे **प्रतिक्रिया समय** एवं **उपयोगकर्त्ता अनुभव** में काफी सुधार होता है।
  - **उन्नत शिकायत निवारण:** संपूर्ण शिकायत और फीडबैक प्रक्रिया स्वचालित है तथा पारदर्शिता तथा **तीव्र समाधान** के लिये **डिजिटल चैनलों** के माध्यम से संचालित की जाती है।
  - **सेवा वितरण समयसीमा में कमी:** इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य सेवा वितरण की समय सीमा में 30–50% तक की कटौती करना, **प्रक्रियागत देरी को न्यूनतम** करना तथा **भौतिक दस्तावेज़ीकरण** और **सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने** की आवश्यकता को कम करना है।
  - **अनुपालन में कमी और विनियमन में ढील:** 45 विभागों में 4,600 से अधिक सुधारों को एकीकृत करके, जिसमें **फॉर्मों का सरलीकरण** और **कानूनी आवश्यकताओं का विनियमन** शामिल है, **निवेश मित्र 3.0** का लक्ष्य एक अधिक **व्यापार-अनुकूल वातावरण** बनाना है।
  - **व्यापक विभागीय कवरेज:** यह प्रणाली श्रम, अग्निशमन, आवास, शहरी नियोजन और पर्यावरण मंज़ूरी सहित 44 से अधिक विभागों की **525 से अधिक सेवाओं** को कवर करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

क्षमता निर्माण आयोग की नई अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

श्रीमती **एस. राधा चौहान** ने नई दिल्ली में क्षमता निर्माण आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने श्री **आदिल जैनुल भाई** का स्थान लिया, जो अप्रैल 2021 से इस पद पर थे।

- श्रीमती चौहान **उत्तर प्रदेश कैडर** (1988 बैच) की सेवानिवृत्त IAS अधिकारी हैं और उन्होंने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) की सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

मुख्य बिंदु

क्षमता निर्माण आयोग के बारे में:

- क्षमता निर्माण आयोग (CBC) पूर्ण कार्यकारी प्राधिकार वाला एक स्वायत्त निकाय **है, जो अप्रैल 2021 से कार्यरत है।**
- यह एक **तीन सदस्यीय आयोग है, जिसे** एक सचिव की अध्यक्षता वाले आंतरिक सचिवालय द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
- आयोग के सदस्य निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, सार्वजनिक क्षेत्र और **नागरिक समाज** जैसी विविध पृष्ठभूमियों से नियुक्त किये जाते हैं।
- आयोग का दायित्व भारत की नागरिक सेवाओं के परिदृश्य में **मानकीकरण** और **सामंजस्य** को आगे बढ़ाना है।
- **नागरिक सेवाओं के क्षमता निर्माण सुधारों** के संरक्षक के रूप में यह आयोग मिशन कर्मयोगी के संस्थागत ढाँचे में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

मिशन कर्मयोगी

- **मिशन कर्मयोगी** को भारत सरकार द्वारा सितंबर 2020 में राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम (NPCSCB) के रूप में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य भारतीय **सिविल सेवकों** को अधिक **रचनात्मक**, **सक्रिय**, **पेशेवर**, **ऊर्जावान**, **पारदर्शी** और **प्रौद्योगिकी सक्षम** बनाकर भविष्य के लिये तैयार करना है।

11वाँ राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

चर्चा में क्यों ?

7 अगस्त 2025 को वस्त्र मंत्रालय ने भारत के हथकरघा क्षेत्र का उत्सव मनाते हुए 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (NHD) का आयोजन किया, जिसका विषय था- **"वीविंग इनोवेशन इन्टू ट्रडिशन"**।

- 11वें NHD के अवसर पर **भारत मंडपम** में भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2024 के लिये प्रतिष्ठित **5 संत कबीर हथकरघा पुरस्कार** तथा **19 राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार** प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के बारे में:**
  - 7 अगस्त 2015 को स्थापित NHD, 7 अगस्त 1905 से प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन की ऐतिहासिक स्मृति में मनाया जाता है, जिसने स्वदेशी **हथकरघा बुनाई उद्योगों** को प्रोत्साहन दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- NHD भारतीय हथकरघा के पीछे के कुशल **शिल्प कौशल** और **रचनात्मकता** का उत्सव मनाता है तथा एक समृद्ध **सांस्कृतिक विरासत** के रूप में उनके महत्त्व को मान्यता देता है।
- **राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (NHDC)** के साथ साझेदारी में मंत्रालय ने **एक्सक्लूसिव हैंडलूम एक्सपो** और **"हाट ऑन व्हील्स" मोबाइल रिटेल** पहल भी शुरू की।
- राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 7 अगस्त 2025 तक एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम के रूप में वस्त्र मंत्रालय द्वारा **"अपने बुनकरों को जानें अभियान 2025"** भी शुरू किया गया।

हथकरघा पुरस्कार

- इन पुरस्कारों का उद्देश्य हथकरघा उद्योग में **उत्कृष्टता** को सम्मानित करना तथा ऐसे व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देना है जिन्होंने **शिल्प कौशल**, **नवाचार** तथा **विकास** में योगदान के मानक स्थापित किये हैं।

पुरस्कारों की श्रेणियाँ:

आयाम	संत कबीर हथकरघा पुरस्कार	राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार
उद्देश्य	क्षेत्र के विकास और परंपरा में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये उत्कृष्ट हथकरघा बुनकरों को सम्मानित किया जाता है।	असाधारण शिल्प कौशल, समर्पण और नवाचार के लिये बुनकरों का सम्मान किया जाता है।
पात्रता	उत्कृष्ट हथकरघा बुनकर; इसमें राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कार विजेता, योग्यता प्रमाण-पत्र धारक या असाधारण योगदानकर्त्ता शामिल हो सकते हैं।	अनुकरणीय शिल्प कौशल, नवाचार और समर्पण वाले बुनकर।
नकद राशि	3.5 लाख रुपये	2 लाख रुपये

हथकरघा क्षेत्र

परिचय:

- **हथकरघा क्षेत्र** भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और **सांस्कृतिक विरासत** का आधार बना हुआ है, जो 35 लाख से अधिक लोगों को **रोज़गार** प्रदान करता है जिसमें 70% महिलाएँ हैं।

वैश्विक उपस्थिति:

- भारत विश्व का एकमात्र प्रमुख देश है जो **व्यावसायिक स्तर** पर हथकरघा कपड़ों का उत्पादन करता है और यह वैश्विक हस्त-बुने कपड़ों के उत्पादन का लगभग **95%** हिस्सा है।
- भारत के **हथकरघा निर्यात** की वैश्विक बाज़ारों में मजबूत मांग बनी हुई है, जो 20 से अधिक देशों तक पहुँच रही है।
  - वित्त वर्ष 2024-25 में **संयुक्त राज्य अमेरिका** सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य रहा, जहाँ 331.56 करोड़ रुपये के हथकरघा उत्पादों का निर्यात किया गया।

प्रमुख योजनाएँ:

- **राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (NHDP):** आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्द्धी इकाइयों का गठन करके मान्यता प्राप्त समूहों के भीतर तथा बाहर **हथकरघा बुनकरों** के सतत् विकास को बढ़ावा देना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कच्चा माल आपूर्ति योजना (RMSS):** सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता वाले **धागे** की उपलब्धता सुनिश्चित करके **हथकरघा बुनकरों** को समर्थन देना।
- **मुद्रा ऋण:** बुनकरों को बैंकों के माध्यम से 6% की कम ब्याज दर पर सब्सिडी युक्त ऋण प्रदान करना।

WHO-IRCH अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

आयुष मंत्रालय के भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी फार्माकोपिया आयोग (PCIM&H) ने गाज़ियाबाद स्थित अपने मुख्यालय में **"हर्बल औषधियों की सुरक्षा और विनियमन"** (कार्य समूह-1) तथा **"हर्बल औषधियों की प्रभावकारिता** तथा **इच्छित उपयोग"** (कार्य समूह-3) पर WHO–हर्बल औषधियों के लिये अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग (IRCH) कार्यशालाओं के उद्घाटन सत्र की मेज़बानी की।

- कार्य समूह 1 और 3 के लिये अग्रणी देश के रूप में भारत, **WHO-IRCH** मंच के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय **नियामक सहयोग** को मज़बूत करने के लिये प्रतिबद्ध है।

मुख्य बिंदु

- **कार्यशाला के बारे में:**
  - आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह वैश्विक तकनीकी कार्यशाला 6 से 8 अगस्त 2025 तक आयोजित हुई, जिसमें **WHO** के सदस्य देशों, **नियामक प्राधिकरणों**, **शिक्षाविदों**, **अनुसंधान निकायों** और हर्बल औषधि उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
  - इसका उद्देश्य **नियामक अभिसरण**, **गुणवत्ता आश्वासन** और स्वास्थ्य देखभाल की **पारंपरिक प्रणालियों** में **हर्बल औषधियों** की नैदानिक प्रासंगिकता जैसे प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श करना था।
  - एजेंडा में हर्बल औषधि **मानकीकरण तकनीकों** जैसे **फार्माकोग्नोस्टिक**, **रासायनिक** और **तत्त्व विश्लेषण** में व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र शामिल थे।
  - अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को **नैदानिक**, **शैक्षणिक** और **विनिर्माण पद्धतियों** का प्रत्यक्ष अनुभव देने के लिये प्रमुख **आयुष संस्थानों** का दौरा भी कराया गया।
  - कार्यशालाओं में **WHO-IRCH** के अंतर्गत कई देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें पोलैंड, **नेपाल**, **भूटान**, ब्रुनेई दारुस्सलाम, **जापान**, **इंडोनेशिया**, **श्रीलंका**, पैराग्वे आदि शामिल हैं।

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिये फार्माकोपिया आयोग (PCIM&H)

- **PCIM&H**, **आयुष मंत्रालय**, भारत सरकार के अधीन एक अधीनस्थ कार्यालय है।
- फार्माकोपिया और फार्मूलरी का विकास तथा भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी प्रणालियों के लिये केंद्रीय **औषधि परीक्षण सह अपीलीय प्रयोगशाला** के रूप में कार्य करना इसके प्रमुख कार्यक्षेत्र हैं।

हर्बल औषधियों के लिये अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग (IRCH)

- **IRCH** की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी। यह हर्बल औषधियों के विनियमन के लिये ज़िम्मेदार **नियामक प्राधिकरणों** का एक वैश्विक नेटवर्क है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मिशन:**
  - WHO की सिफारिशों में सहायता हेतु **सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान और सहयोग**।
  - हर्बल औषधियों के **सुरक्षित उपयोग** के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण में इनके योगदान को प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत की खाद्य सुरक्षा को **मज़बूत** करने, **मछली-आधारित प्रोटीन** की मांग को पूरा करने और ग्रामीण **रोज़गार** को बढ़ावा देने में **मत्स्यपालकों** के अथक प्रयास का सम्मान करने के लिये ICAR-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (CIFA) में 10 जुलाई, **2025** को राष्ट्रीय मत्स्यपालक दिवस मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **विरासत का सम्मान:**
  - राष्ट्रीय मत्स्यपलक दिवस वर्ष 1957 में **प्रोफेसर डॉ. हीरालाल चौधरी और डॉ. के.एच. अलीकुन्ही** द्वारा किये गए कार्यों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने **हाइपोफिसेशन तकनीक** के माध्यम से भारतीय मत्स्य पालन में क्रांतिकारी परिवर्तन किया।
  - इस तकनीक ने **भारतीय मेजर कार्प्स** में कृत्रिम प्रजनन और प्रजनन को संभव बनाया। यह वैज्ञानिक उपलब्धि भारत में अंतर्देशीय जलीय कृषि (Inland Aquaculture) के विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाली सिद्ध हुई।
- **प्रमुख पहल और निवेश:**
  - वर्ष 2015 से अब तक भारत सरकार ने मत्स्य क्षेत्र में 38,572 करोड़ रुपये का निवेश किया है।
  - मत्स्य उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 में 95.79 लाख टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 195 लाख टन हो गया है।
  - भारत झींगा निर्यात में वैश्विक अग्रणी बन चुका है, जो 60,500 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है तथा पिछले एक दशक में झींगा उत्पादन में 270% की वृद्धि हुई है।

भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र की स्थिति

- भारत, **चीन** के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा **मछली उत्पादक** तथा दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि देश है।
- भारत समुद्री उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा **निर्यातक** बन गया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 के आठवें स्थान से उल्लेखनीय सुधार दर्शाता है।
  - **अंतर्देशीय मत्स्य पालन** कुल उत्पादन का 75% से अधिक है।
- **शीर्ष मछली उत्पादक राज्य:** आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक।

केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (CIFA)

- **स्थापना:** 1949 में ओडिशा के कटक स्थित CIFRI के तालाब संस्कृति प्रभाग (Pond Culture Division) से उत्पत्ति।
- यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अधीन कार्य करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य:**
  - **यह सतत् एवं विविधीकृत मीठे पानी की जलीय कृषि** प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - उत्पादकता, गुणवत्ता, **जल उपयोग दक्षता** और **कृषि** आय को बढ़ाना इसका मुख्य उद्देश्य है।

विश्व शेर दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

10 अगस्त 2025 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने **गुजरात वन एवं पर्यावरण विभाग** के सहयोग से गुजरात के **द्वारका ज़िले** स्थित **बरदा वन्यजीव अभयारण्य** में विश्व शेर दिवस का आयोजन किया।

- यह कार्यक्रम एशियाई सिंह (Panthera leo persica) के संरक्षण हेतु चलाये जा रहे प्रोजेक्ट लायन के अंतर्गत प्राप्त उपलब्धियों के उत्सव के रूप में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **शेर गणना**
  - मई 2025 के **शेर** गणना अनुमान (16वीं जनगणना) के अनुसार गुजरात में शेरों की संख्या वर्ष 2020 से 32% बढ़ी है, जो 674 से बढ़कर 891 हो गई है।
  - **बर्दा वन्यजीव अभयारण्य** जो बड़े गिर शेर परिदृश्य का हिस्सा है, 17 **एशियाई शेरों** का आवास है।
- **प्रोजेक्ट लायन के बारे में**
  - यह गुजरात के **गिर परिदृश्य** में **एशियाई शेरों** के भविष्य को सुरक्षित करने के लिये वर्ष 2020 में लॉन्च किया गया।
  - **लक्षित क्षेत्र:** आवास सुधार, पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य और मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन।
- **प्रयुक्त प्रौद्योगिकियाँ:**
  - **रेडियो कॉलर** और **कैमरा ट्रैप:** शेर की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिये।
  - **GPS ट्रैकिंग:** शेरों और वाहनों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने हेतु।
  - **स्वचालित सेंसर ग्रिड:** इसमें वन्यजीव ट्रैकिंग के लिये चुंबकीय, गति और अवरक्त ताप सेंसर शामिल हैं।
  - **GIS-आधारित वास्तविक समय निगरानी:** समयबद्ध विश्लेषण और संरक्षण प्रबंधन को सक्षम बनाने हेतु।

शेरों के बारे में मुख्य तथ्य

- **शेर** को दो उप-प्रजातियों में विभाजित किया गया है: **अफ्रीकी शेर** (*Panthera leo leo*) और **एशियाई शेर** (*Panthera leo persica*)।
  - **एशियाई शेर** अफ्रीकी शेरों से थोड़े छोटे होते हैं।
- **विशेषताएँ:**
  - शेर अपनी विशिष्ट विशेषताओं के लिये जाने जाते हैं, जिसमें नर शेरों में गहरे भूरे रंग का **फर**, गुच्छेदार **पूँछ** और **अयाल** शामिल हैं।
  - ये सामाजिक प्राणी हैं और **प्राइड** नामक समूहों में रहते हैं। एक प्राइड में सामान्यत: कई मादाएँ, उनके शावक तथा कुछ वयस्क नर शामिल होते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **वितरण और आवास:**
  - शेर उप-सहारा अफ्रीका में पाये जाते हैं, जबकि एक छोटी आबादी भारत के गिर राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट:
    - अफ्रीकी सिंह — **सुभेद्य** (वैश्विक स्तर पर)
    - एशियाई सिंह — **सुभेद्य**
  - **IUCN ग्रीन स्टेटस ऑफ स्पीशीज़ असेसमेंट:** शेर: **लार्जली डिप्लीटेड** श्रेणी
  - **CITES:** भारत की आबादी- परिशिष्ट-I; अन्य सभी आबादियाँ- परिशिष्ट-II
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची-I और IV
- **भारत में संरक्षण प्रयास:**
  - प्रोजेक्ट लायन
  - एशियाई सिंह संरक्षण परियोजना

बिजनौर जेल में सचींद्रनाथ बख्शी का सम्मान

चर्चा में क्यों ?

काकोरी ट्रेन एक्शन के गुमनाम नायक **सचींद्रनाथ बख्शी को बिजनौर जेल में उनके स्मारक पर सम्मानित किया** गया है, जहाँ आजीवन कारावास की सज़ा सुनाए जाने के बाद उन्हें कैद किया गया था।

- 11 अगस्त, 2023 को **'स्मृतिका'** नामक स्मारक का उद्घाटन किया गया, जिसमें **बख्शी** की **प्रतिमा** के साथ-साथ ब्रिटिश काल के दौरान जेल में बंद 419 स्वतंत्रता सेनानियों **के** उत्कीर्ण नाम भी शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- **काकोरी ट्रेन एक्शन में भूमिका (9 अगस्त, 1925):**
  - बख्शी ने क्रांतिकारियों अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आज़ाद और **राजेंद्र लाहिड़ी** के साथ मिलकर **1925 के काकोरी ट्रेन एक्शन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहाँ उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिये ब्रिटिश खजाने को लूटा (अस्त्र-शस्त्र की प्राप्ति हेतु)।
  - उन्होंने ट्रेन के गार्ड डिब्बे पर हमला कर धन से भरा संदूक अपने कब्ज़े में लिया।
- **बख्शी का योगदान:**
  - टिकट की खरीद और इमरजेंसी चेन खींचने का कार्य बक्शी ने किया, जिससे यह क्रांतिकारी घटना संभव हो पाई।
- **बख्शी की विरासत:**
  - गिरफ्तारी के बाद बख्शी को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई गई, जबकि उनके अन्य साथियों को फाँसी दी गई।
  - उनका संस्मरण, **'क्रांति के पथ पर'**, उनके भाग्य में असमानता के बारे में उनकी भावनात्मक व्यथा को दर्शाता है।
  - बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया और भारत की स्वतंत्रता के बाद **भी वे राजनीति में भाग लेते** रहे।
  - उन्होंने **स्वतंत्रता सेनानियों को राजनीतिक कैदी के रूप में मान्यता देने की मांग** के लिये विरोध प्रदर्शन और भूख हड़ताल (53 दिन) का नेतृत्व किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सचींद्रनाथ बख्शी

- **जन्म:** 25 दिसंबर, 1904 (वाराणसी, उत्तर प्रदेश)
- **मृत्यु:** 23 नवंबर, 1984 (सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश)
- **भूमिका:** प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी (HRA) के **संस्थापक**
- **HRA का गठन:** वर्ष 1924 में, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष करना था।
- **प्रारंभिक योगदान:**
  - वाराणसी में HRA के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया।
  - संगठन के विस्तार हेतु **झाँसी** स्थानांतरित होकर कार्य किया।

कन्नौज FSL ने ISO 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश में कन्नौज फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (FSL), ISO 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन प्राप्त करने वाली **राज्य की पहली प्रयोगशाला** बन गई है।

मुख्य बिंदु

- **प्रमाणन के बारे में:**
  - 8 अगस्त, 2025 को **तकनीकी सेवा मुख्यालय** के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नवीन अरोरा ने यह प्रमाण-पत्र उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक **राजीव कृष्ण** को औपचारिक रूप से प्रदान किया।
  - यह प्रमाणन प्रयोगशाला की फॉरेंसिक जाँच और विश्लेषण में उच्च मानकों की मान्यता देता है, जो क्षेत्र की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान करती है।
  - प्रयोगशाला ने ISO 9001:2015 मानकों को पूरा करने के लिये विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में **महत्त्वपूर्ण सुधार किये,** जैसे उन्नत उपकरण, भंडारण, स्टाफ सेवाएँ, नमूना संग्रह और ऑडिट।
- **महत्त्व:**
  - यह प्रमाणन न केवल कन्नौज प्रयोगशाला के परिचालन ढाँचे को मज़बूत बनाता है, बल्कि न्यायिक कार्यवाही में प्रस्तुत किये जाने वाले फॉरेंसिक साक्ष्यों की **विश्वसनीयता** भी बढ़ाता है।

उत्तर प्रदेश में फोरेंसिक प्रयोगशालाएँ

- वर्ष 2025 के मध्य तक, उत्तर प्रदेश में **कुल 12** (लखनऊ, वाराणसी, आगरा और गाज़ियाबाद, झाँसी, कन्नौज, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली, गोंडा, अलीगढ़ तथा मुरादाबाद) **परिचालन फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं** तथा 6 (अयोध्या, बस्ती, बाँदा, आज़मगढ़, मिर्ज़ापुर एवं सहारनपुर) और **प्रयोगशालाएँ स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है**, जिससे राज्य में **कुल फोरेंसिक प्रयोगशालाओं की संख्या 18** हो जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

ISO 9001:2015 प्रमाणन

- ISO 9001:2015 प्रमाणन गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (QMS) के लिये एक **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर** मान्यता प्राप्त मानक है, **जिसे** अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) **द्वारा प्रकाशित** किया जाता है।
- **ISO** एक स्वतंत्र, गैर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन **है,** जो सर्वोत्तम प्रथाओं को स्थापित करने के लिये वैश्विक विशेषज्ञों को एकजुट करता है।
- किसी भी आकार या क्षेत्र के संगठन ग्राहक और **नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उत्पाद** तथा **सेवाएँ** लगातार प्रदान करने की अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिये इस प्रमाणन का प्रयास कर सकते हैं।
- इसके लाभों में **ग्राहकों का विश्वास बढ़ना**, कार्यकुशलता में सुधार, बाज़ार तक आसान पहुँच तथा निरंतर व्यावसायिक सुधार के लिये एक संरचित दृष्टिकोण शामिल हैं।

काकोरी ट्रेन कार्रवाई की शताब्दी

चर्चा में क्यों ?

सौ वर्ष पहले, **9 अगस्त, 1925** को, **राम प्रसाद बिस्मिल** और **सचींद्रनाथ बक्शी** सहित दस युवा क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश रेलवे खजाने पर एक साहसिक लूट को अंजाम दिया, जिसे काकोरी ट्रेन एक्शन के नाम से जाना जाता है।

- काकोरी ट्रेन एक्शन के क्रांतिकारियों को सम्मानित करने के लिये उत्तर प्रदेश ने काकोरी-मलिहाबाद क्षेत्र के अपने प्रसिद्ध दशहरी आमों को नए नाम '**काकोरी ब्रांड**' के तहत पुनः ब्रांड किया है।

मुख्य बिंदु

काकोरी कांड के बारे में:

- **घटना:**
  - यह घटना शाहजहाँपुर से लखनऊ जाने वाली **नंबर 8 डाउन पैसेंजर ट्रेन** की लूट से संबंधित थी।
  - ट्रेन में ब्रिटिश सरकार की **आधिकारिक नकदी (रेलवे संग्रह)** ले जाई जा रही थी, जिसका उपयोग ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को कमज़ोर करने हेतु क्रांतिकारी गतिविधियों में किया जाना था।
- **प्रमुख व्यक्ति:**
  - **राम प्रसाद बिस्मिल**, अशफाकुल्लाह **खाँ**, **चंद्रशेखर आज़ाद**, **मन्मथनाथ गुप्ता** और राजेंद्र **नाथ लाहिड़ी**, सभी हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के प्रमुख सदस्य थे।
  - इस घटना में 17 लोगों को जेल हुई, 4 को आजीवन कारावास और **4 (राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह, रोशन सिंह** तथा **राजेंद्र लाहिड़ी)** को फाँसी दी गई।
- **स्वतंत्रता संग्राम पर प्रभाव:**
  - काकोरी ट्रेन एक्शन ने HRA को आवश्यक आर्थिक मज़बूती प्रदान की, जिससे इसका विस्तार हुआ और बाद में यह चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में **हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)** में परिवर्तित हो गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA)

- HRA की स्थापना **अक्तूबर, 1924** में कानपुर में **राम प्रसाद बिस्मिल**, **जोगेश चंद्र चटर्जी** और **सचिन सान्याल** द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य औपनिवेशिक सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये एक सशस्त्र क्रांति का आयोजन करना था तथा इसके स्थान पर **संयुक्त राज्य भारत के संघीय** गणराज्य की स्थापना करना था, जिसका मूल तत्त्व वयस्क मताधिकार था।

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)

- काकोरी घटना की प्रतिकूलता को पार करने के लिये, समाजवादी विचारों से प्रेरित युवा क्रांतिकारियों ने **सितंबर 1928** में **दिल्ली** स्थित **फिरोज़शाह कोटला** के खंडहरों में आयोजित एक ऐतिहासिक बैठक में **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन** के पुनर्गठन का संकल्प लिया।
- चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में HRA का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) कर दिया गया।
- प्रतिभागियों में **पंजाब से** भगत सिंह, सुखदेव थापर, **भगवती चरण वोहरा** और संयुक्त प्रांत से **बिजॉय कुमार सिन्हा, शिव वर्मा** तथा **जयदेव कपूर** शामिल थे।
- HSRA ने सामूहिक नेतृत्व के तहत काम करने का निर्णय लिया और समाजवाद को अपना आधिकारिक **लक्ष्य बनाया**।

विश्व हाथी दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

12 अगस्त, 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने तमिलनाडु वन विभाग के सहयोग से कोयंबटूर में विश्व हाथी दिवस समारोह की मेज़बानी की।

- मानव-हाथी संघर्ष (HEC) पर एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिससे हाथी क्षेत्र वाले राज्यों को चुनौतियाँ साझा करने और शमन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिये एक मंच प्रदान किया गया। यह प्रोजेक्ट एलीफेंट के उस लक्ष्य के अनुरूप था, जो मानव-हाथी संघर्षों को दूर करने के लिये सामुदायिक भागीदारी तथा वैज्ञानिक समाधानों पर ज़ोर देता है।
- राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के 5,000 स्कूलों के लगभग **12 लाख** बच्चों को शामिल करना था।

मुख्य बिंदु

विश्व हाथी दिवस के बारे में:

- विश्व हाथी दिवस की स्थापना **12 अगस्त, 2012** को कनाडा की **पैट्रिशिया सिम्स** और थाईलैंड के **एलिफेंट रीइंट्रोडक्शन फाउंडेशन** द्वारा की गई थी।
- वैश्विक जागरूकता निर्माण के अपने आरंभ से ही इसने विश्व भर में 100 हाथी संरक्षण संगठनों के साथ साझेदारी की है तथा असंख्य व्यक्तियों तक अपनी पहुँच बनाई है।
- **वर्ष 2025** का विषय है- **"हाथियों की मदद के लिये विश्व को एक साथ लाना"।**
- **नवंबर 2015** में एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में स्थापित **विश्व हाथी सोसायटी** का उद्देश्य वार्षिक विश्व हाथी दिवस अभियान का समर्थन करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह संगठन वैश्विक हाथी संरक्षण प्रयासों के बारे में जनता को शिक्षित करता है, विशेष रूप से विश्व हाथी दिवस के अवसर पर।

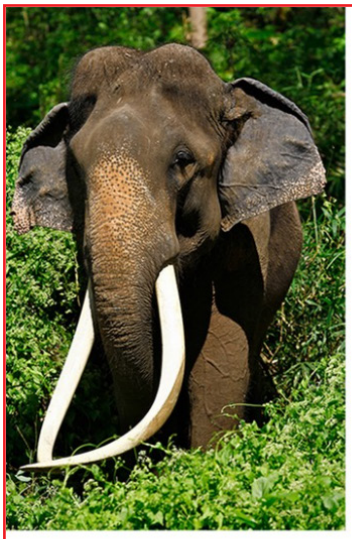

Asian Elephant

African Savanna Elephant

African Forest Elephant

हाथियों के बारे में तथ्य

- **प्रजातियाँ: तीन**- अफ्रीकी सवाना हाथी, अफ्रीकी वन हाथी और एशियाई हाथी।
- **आकार:** अफ्रीकी सवाना हाथी सबसे बड़े होते हैं (4 मीटर तक लंबे तथा 6,800 किलोग्राम वज़न तक)।
- **जीवनकाल:** जंगली हाथी आमतौर पर 60 से 70 वर्ष तक जीवित रहते हैं।
- **आहार:** हाथी शाकाहारी होते हैं।
- **सूंड:** सूंड एक बहुउपयोगी अंग है, जिसका प्रयोग **साँस लेने, सूँघने, स्पर्श करने, पकड़ने और ध्वनि** उत्पन्न करने के लिये किया जाता है।
- **दाँत (दंत):** हाथी के दाँत वास्तव में बड़े आकार के **कृंतक दाँत (incisors) होते हैं**, जो लगभग 2 वर्ष की आयु में विकसित हो जाते हैं।
  - हाथियों को उनके **दाँत (ivory)** के कारण निशाना बनाया जाता रहा है, जिसके कारण अवैध वन्यजीव व्यापार को बढ़ावा मिला है और उनकी आबादी में भारी गिरावट आई है।
- **बुद्धि:** हाथियों का मस्तिष्क किसी भी स्थलीय प्राणी की तुलना में सबसे बड़ा होता है।
- **सामाजिक संरचना:** मादा हाथी परिवार समूहों में रहती हैं जिन्हें झुंड कहा जाता है, जिनका नेतृत्व एक मादा करती है।
- **प्रजनन:** हथिनी का गर्भधारण लगभग 22 महीने तक रहता है तथा नवजात शिशु का वज़न 200-300 पाउंड होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- संरक्षण स्थिति (IUCN रेड लिस्ट):
  - **एशियाई हाथी:** संकटग्रस्त (Endangered – EN)
  - **सवाना हाथी:** संकटग्रस्त (Endangered – EN)
  - **वन हाथी:** अति संकटग्रस्त (Critically Endangered – CR)

हाथियों के संरक्षण में भारत की भूमिका

- भारत में विश्व के लगभग **60% जंगली हाथियों** की आबादी पाई जाती है।
- भारत में **33 हाथी अभयारण्य** और **150 हाथी गलियारे** (Elephant Corridors) चिह्नित किये गए हैं (भारतीय हाथी गलियारा रिपोर्ट, 2023 के अनुसार)।
- भारत ने हाथी को **राष्ट्रीय धरोहर पशु** का दर्जा प्रदान किया है।
- भारत में एशियाई हाथियों को **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** की **अनुसूची**-I में रखा गया है।

दीन दयाल स्पर्श योजना

चर्चा में क्यों ?

डाक विभाग ने **वर्ष 2025-26** के लिये **दीन दयाल स्पर्श** (शौक के रूप में डाक टिकटों में योग्यता और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिये छात्रवृत्ति) **योजना** की घोषणा की है, जिसके तहत **कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों** को **छात्रवृत्ति** प्रदान की जाएगी।

- चयनित छात्रों को डाक टिकट संग्रह में रुचि बढ़ाने के लिये **500 रुपये** की मासिक छात्रवृत्ति मिलेगी।

मुख्य बिंदु

योजना के बारे में:

- **पात्रता:**
  - छात्रवृत्ति **अकादमिक प्रदर्शन**, डाक विभाग द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी के परिणाम और एक **फिलैटली** परियोजना (फिलैटली डाक टिकटों का संग्रह तथा अध्ययन है) के आधार पर प्रदान की जाएगी।
  - जिन छात्रों ने पिछले वर्ष की परीक्षा में **न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष ग्रेड** प्राप्त किये हैं, वे आवेदन करने के पात्र हैं।
    - अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को 5% की छूट दी जाएगी।
  - आवेदन करने के लिये, छात्रों को अपने स्कूल के फिलैटली क्लब का सदस्य होना चाहिये, या यदि ऐसा कोई क्लब मौजूद नहीं है, तो उनके पास व्यक्तिगत फिलैटली जमा खाता होना चाहिये।
  - छात्र अपना **आवेदन जनरल पोस्ट ऑफिस (GPO) स्थित फिलैटली ब्यूरो में** जमा कर सकते हैं।
- **उद्देश्य:**
  - छात्रवृत्ति का उद्देश्य युवा आयु के **बच्चों में स्थायी तरीके से डाक टिकट संग्रह को बढ़ावा देना** है, जो शैक्षणिक पाठ्यक्रम को सुदृढ़ और पूरक बना सके, साथ ही उन्हें एक ऐसा शौक प्रदान कर सके जो उन्हें तनावमुक्त करने में मदद कर सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **महत्त्व:**
  - डाक टिकट संग्रह अपने समय के **सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संदर्भ** में शैक्षिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, तनाव से राहत देने वाला शौक है, सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देता है तथा सूचना को व्यवस्थित तथा सूचीबद्ध करने के माध्यम से स्मृति कौशल को बढ़ाता है।

भारतीय डाक

- **स्थापना:** वर्ष 1 अक्तूबर 1854 को लॉर्ड डलहौज़ी (ब्रिटिश भारत के गवर्नर-जनरल) द्वारा
- **ऐतिहासिक समयरेखा**
  - **1766:** रॉबर्ट क्लाइव ने ईस्ट इंडिया कंपनी के तहत डाक प्रणाली स्थापित की (जिसे "कंपनी मेल" कहा जाता है)
  - **1774:** वॉरेन हेस्टिंग्स ने कलकत्ता जनरल पोस्ट ऑफिस खोला- पहला सार्वजनिक डाकघर
  - **1854:** लॉर्ड डलहौज़ी ने डाक सेवा को ब्रिटिश क्राउन के अधीन लाया
- **वर्तमान नेटवर्क**
  - **कुल डाकघर:** 1,64,999 डाकघर (ग्रामीण: 1,49,164 (कुल का 90%) और शहरी: 15,823)
  - **वैश्विक स्थिति:** दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क
- **संगठनात्मक संरचना**
  - **मंत्रालय:** संचार मंत्रालय, भारत सरकार
  - **सर्किल:** भारत में 23 डाक सर्किल
- **सेवाएँ:**
  - बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ
  - डाक जीवन बीमा (PLI)
  - इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक
  - ई-कॉमर्स और खुदरा सेवाएँ
  - सरकारी योजना संवितरण (पेंशन, मनरेगा)

उत्तर प्रदेश: दूसरी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

चर्चा में क्यों ?

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के मामले में भारत में **दूसरा सबसे तेज़ी से वृद्धि करने वाला राज्य** बन गया है, जिसकी विकास दर 5.5% से बढ़कर **8.9%** हो गई है।

- **तमिलनाडु** 11.19% की GSDP वृद्धि दर के साथ **शीर्ष स्थान** पर है। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय जैसे छोटे राज्यों ने भी 9.66% की उल्लेखनीय वृद्धि दर दर्ज की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

उत्तर प्रदेश की आर्थिक स्थिति के बारे में:

- नीति आयोग के अनुसार महाराष्ट्र और तमिलनाडु के बाद उत्तर प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी **अर्थव्यवस्था** है।
- उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।
  - इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये 10 प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिनमें कानून और व्यवस्था, कृषि, बुनियादी ढाँचा, औद्योगिक विकास, **सामाजिक सुरक्षा** आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- वित्त वर्ष 2023-24 में उत्तर प्रदेश का GSDP 25.48 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 22.58 लाख करोड़ रुपये था।
- राज्य में वित्त वर्ष 2016-17 से वित्त वर्ष 2019-20 तक प्रति व्यक्ति आय में 23% की वृद्धि दर्ज की गई।
- वित्त वर्ष 2023-24 में GSDP में कृषि क्षेत्र का योगदान 13.7% से बढ़कर 16.8% हो गया।
  - इस बीच द्वितीयक क्षेत्र का योगदान GSDP में 23% है, जबकि तृतीयक क्षेत्र का योगदान 45% है।
- उत्तर प्रदेश भारत के राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद **में 8% का योगदान** देता है।

डॉ. विक्रम साराभाई की 106वीं जयंती

चर्चा में क्यों ?

डॉ. विक्रम साराभाई (12 अगस्त 1919 – 30 दिसंबर 1971), जिन्हें व्यापक रूप से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक के रूप में जाना जाता है, की **106वीं जयंती 12 अगस्त, 2025 को** श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

मुख्य बिंदु

डॉ. विक्रम साराभाई के बारे में:

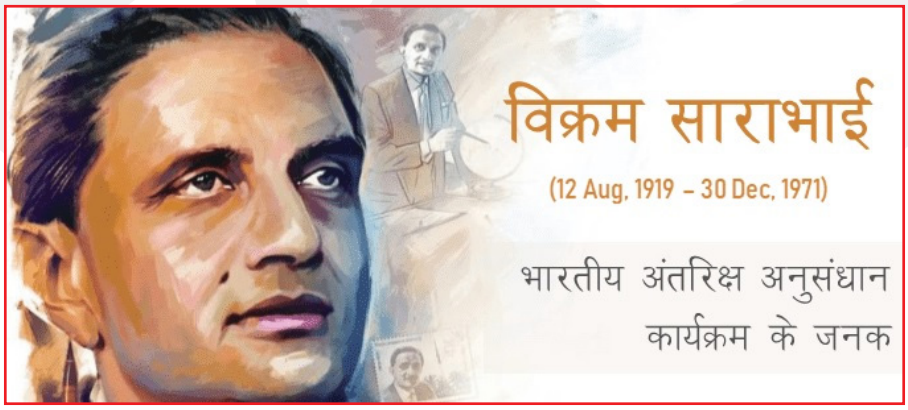

- **प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:**
  - 12 अगस्त 1919 को अहमदाबाद, गुजरात में एक संपन्न जैन परिवार में जन्मे साराभाई अंबालाल और सरला देवी की आठ संतानों में से एक थे।
  - इन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से **भौतिकी एवं गणित में स्नातक उपाधि** प्राप्त की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) बंगलूरू** में नोबेल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन के निर्देशन में पीएचडी पूरी की, जिसका शोध प्रबंध "कॉस्मिक किरणों का समय वितरण" शीर्षक से वर्ष 1942 में प्रकाशित हुआ।

- **संस्थानिक धरोहर:** डॉ. साराभाई ने कई संस्थानों की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई है जो भारत के वैज्ञानिक और औद्योगिक परिदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण रही हैं जैसे:
  - **भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL), अहमदाबाद: वर्ष 1947** में स्थापित, PRL के साथ ही संस्थाओं के निर्माण की दिशा में साराभाई की यात्रा की शुरुआत हुई।
  - **भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), अहमदाबाद:** इसके निर्माण में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।
  - **सामुदायिक विज्ञान केंद्र, अहमदाबाद:** इसे विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 1966 में स्थापित किया गया।
  - **दर्पण एकेडमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, अहमदाबाद:** इसे इन्होंने अपनी पत्नी मृणालिनी स्वामीनाथन के साथ मिलकर स्थापित किया।
  - **विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC), तिरुवनंतपुरम:** भारत के अंतरिक्ष अभियानों का प्रमुख केंद्र।
- **भारतीय अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रमों में योगदान:**
  - **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO):** उन्होंने सामाजिक विकास के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए ISRO की स्थापना में भूमिका निभाई।
  - **सैटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीविज़न एक्सपेरीमेंट (SITE):** NASA के साथ मिलकर तैयार किये गए SITE से ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण होने के साथ दूरदर्शन के कृषि दर्शन जैसे कार्यक्रमों का आधार तैयार हुआ।
  - **आर्यभट्ट उपग्रह:** इनके नेतृत्व में भारत के पहले उपग्रह, आर्यभट्ट का निर्माण आरंभ किया गया, जिसे वर्ष 1975 में रूसी कॉस्मोड्रोम से प्रक्षेपित किया गया।
  - **परमाणु ऊर्जा आयोग:** होमी भाभा की मृत्यु के बाद इसके अध्यक्ष बने तथा **परमाणु विज्ञान** को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - **पुरस्कार:**
    - शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1962)
    - पद्म भूषण (1966)
    - **पद्म विभूषण (मरणोपरांत, 1972)**
  - **प्रतिष्ठित पद:**
    - भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस के भौतिकी अनुभाग के अध्यक्ष (1962)
    - अध्यक्ष, IAEA का महासम्मेलन, वियना (1970)
    - परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर चौथे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के उपाध्यक्ष (1971)
  - **शीर्षक:**
    - भारतीय विज्ञान के **महात्मा गांधी** (पूर्व राष्ट्रपति **ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** द्वारा)।
  - **विरासत:**
    - विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) का नाम उनके सम्मान में रखा गया।
    - एक चंद्र क्रेटर, "साराभाई क्रेटर" का नाम उनके नाम पर रखा गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश की MSME औद्योगिक संपदा प्रबंधन नीति 2025

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) **औद्योगिक संपदा प्रबंधन नीति 2025** को अपनी मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य **भूमि आवंटन को सरल बनाकर** तथा उद्योगों के लिये सुविधाओं में सुधार कर **औद्योगिक विकास** को प्रोत्साहित करना है।

- यह नई नीति वर्ष 1978 से जारी 19 पुराने सरकारी आदेशों का स्थान लेगी।

मुख्य बिंदु

नीति की मुख्य विशेषताएँ

- **भूमि आवंटन:**
  - औद्योगिक संपदाओं में भूमि, शेड और **भूखंडों का आवंटन** लीज़/किराये के आधार पर **नीलामी या ई-नीलामी** के माध्यम से किया जाएगा।
  - सफल बोलीदाता आरक्षित मूल्य का **10% बयाना राशि** के रूप में जमा करेंगे, शेष राशि एकमुश्त या एक से तीन वर्षों की किस्तों में चुकानी होगी। तत्काल भुगतान करने पर **2% की छूट** मिलेगी।
- **SC/ST उद्यमियों के लिये आरक्षण:**
  - सभी भूखंडों और शेड का 10% अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के लिये आरक्षित रहेगा।
  - यदि कोई पात्र आवेदक आगे नहीं आता है, तो निरंतर विकास सुनिश्चित करने के लिये भूखंडों को अन्य श्रेणियों में **पुन: आवंटित किया जा सकता** है।
- **मूल्य संरचना:**
  - यह नीति वित्त वर्ष 2025-26 के लिये **मध्यांचल, पश्चिमांचल,** बुंदेलखंड **और** पूर्वांचल सहित विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक भूखंडों के लिये निश्चित आरक्षित मूल्य प्रस्तुत करती है।
  - प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से दरों में **5% की वार्षिक वृद्धि** होगी।
- **एंकर इकाइयों के लिये अधिमान्य दरें:**
  - उन एंकर इकाइयों को विशेष दरों पर भूमि मिल सकती है, जिनसे औद्योगिक संपदाओं में MSME की महत्त्वपूर्ण वृद्धि होने की उम्मीद है।
- **बुनियादी सुविधाएँ:**
  - औद्योगिक संपदाओं को आवश्यक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा, जिनमें सामान्य सुविधा केंद्र, विद्युत उपकेंद्र, **अग्निशमन केंद्र, महिला छात्रावास, शयनगृह, शिशुगृह, पर्यावरण अनुकूल पार्क, प्रशिक्षण संस्थान और** स्वास्थ्य सेवाएँ शामिल होंगी।
- **मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs):**
  - भूमि आवंटन, संपत्ति हस्तांतरण, पुनरोद्धार,उप-पट्टे और सरेंडर के लिये SOPs का क्रियान्वयन **उद्योग आयुक्त एवं निदेशक** की देखरेख में किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

वर्गीकरण	सूक्ष्म	लघु	मध्यम
विनिर्माण और सेवा उद्यम	**निवेश:** 2.5 करोड़ रुपये तक **वार्षिक कारोबार:** 10 करोड़ रुपये तक	**निवेश:** 25 करोड़ रुपये तक **वार्षिक कारोबार:** 100 करोड़ रुपये तक	**निवेश:** 125 करोड़ रुपये तक **वार्षिक कारोबार:** 500 करोड़ रुपये तक

भारत का MSME क्षेत्र

(MSME- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम)

विनिर्माण उद्यम और सेवाएँ प्रदान करने वाले उद्यम

वर्गीकरण	सूक्ष्म	लघु	मध्यम
संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश	≤ ₹1 करोड़	≤ ₹10 करोड़	≤ ₹50 करोड़
वार्षिक कारोबार	≤₹5 करोड़	≤ ₹50 करोड़	≤ ₹250 करोड़

MSME का विनियमन

- **नोडल मंत्रालय:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
- **अधिनियम:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006

प्रमुख MSME राज्य- महाराष्ट्र (17.74%), तमिलनाडु (10.20%), उत्तर प्रदेश (9.34%), गुजरात (7.43%) और राजस्थान (7.38%)

भारतीय अर्थव्यवस्था में MSME की भागीदारी

- भारत का कुल निर्यात: 45%
- भारत का सकल घरेलू उत्पाद: 30%
- कुल विनिर्माण उत्पादन: 38.4%
- लगभग 11 करोड़ लोगों को रोज़गार प्रदान करता है

चुनौतियाँ

- केवल 16% SME को समय पर वित्त मिल पाता है
- भारत में 86% विनिर्माण MSME अपंजीकृत हैं
- पुरानी तकनीक, न्यून उत्पादकता स्तर, आवश्यक कौशल और ब्रांडिंग विशेषज्ञता की कमी
- बड़े उद्यमों या सरकारी अभिकरणों से भुगतान में विलंब

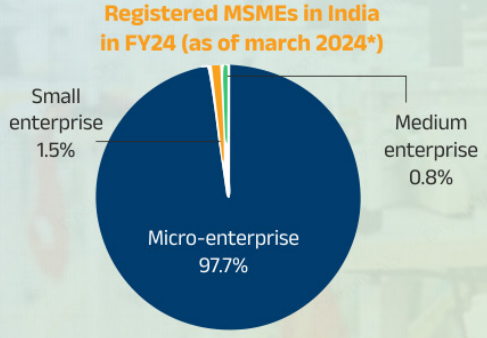

सरकारी पहल और समर्थन

प्रशासनिक सहायता

- चैंपियंस 2.0 पोर्टल
- क्लस्टर परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी केंद्रों की जियो-टैगिंग हेतु मोबाइल ऐप
- उद्यम असिस्ट प्लेटफॉर्म
- ASPIRE योजना
- जीरो डिफेक्ट और जीरो इफेक्ट (ZED)

वित्तीय सहायता

- MSME निष्पादन को बढ़ाने और तेज़ करने (RAMP) की योजना
- व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली (TReDS)
- प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY)
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिये ऋण गारंटी ट्रस्ट फंड (CGTMSE)
- ब्याज सब्सिडी पात्रता प्रमाण-पत्र (ISEC)

अंतर्राष्ट्रीय MSME दिवस 27 जून

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मेगा टिंकरिंग दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रव्यापी नवाचार अभियान के अंतर्गत नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन (AIM), ने **'मेगा टिंकरिंग दिवस 2025'** का आयोजन किया, जो भारत के **नवाचार परिदृश्य** में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - इस राष्ट्रव्यापी आयोजन में भारत के सभी 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs) को जोड़ा गया।
  - इस कार्यक्रम में 9,467 ATL-युक्त विद्यालयों के 4,73,350 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रयोगशालाओं में उपलब्ध सामान्य सामग्रियों का उपयोग कर एक **'डू-इट-योरसेल्फ'** (DIY) **वैक्यूम क्लीनर** बनाने की व्यवहारिक गतिविधि में भाग लिया।

अटल नवाचार मिशन

- **परिचय:** वर्ष 2016 में नीति आयोग द्वारा प्रारम्भ किया गया, AIM का उद्देश्य विद्यार्थियों में **समस्या-समाधान की सोच विकसित कर नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना** तथा विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में **उद्यमिता पारितंत्र को सशक्त बनाना** है।
- **AIM 2.0:** इसका उद्देश्य AIM की सफलता के आधार पर भारत के नवाचार और उद्यमिता पारितंत्र को विस्तारित तथा मज़बूत करने के लिये नई पहलों को आगे बढ़ाना एवं उनका संचालन करना है।

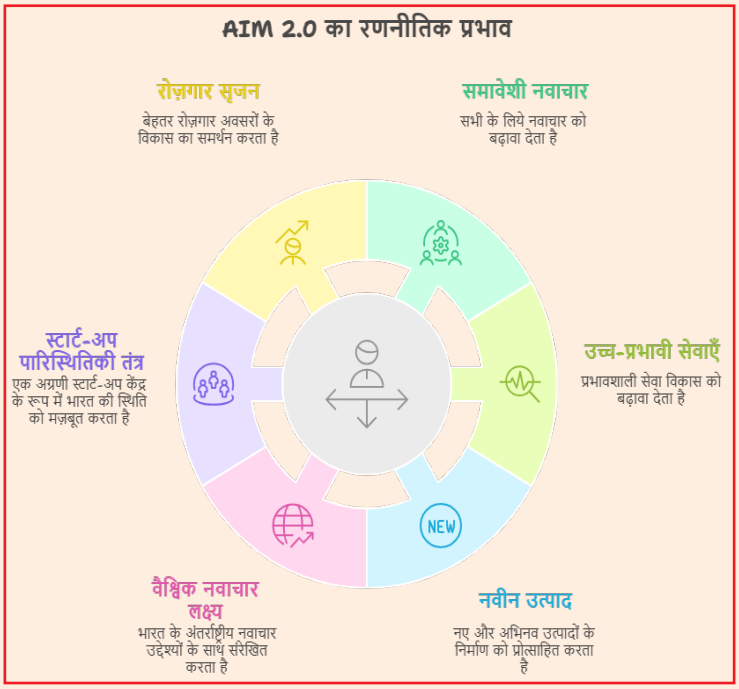

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कार्यक्रम प्रारूप:**
  - **वर्चुअल एवं सामूहिक आयोजन:** यह आयोजन पूरे भारत में विद्यालयों में वर्चुअल रूप से और एक साथ किया गया, जिसमें उत्तर (लेह, लद्दाख, कारगिल, कश्मीर), दक्षिण (कन्याकुमारी), पश्चिम (भुज, कच्छ), पूर्व (मणिपुर, मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश) और आकांक्षी ज़िले (विरुधुनगर) शामिल थे।
  - **सहयोगात्मक शिक्षण:** ऑनलाइन प्रारूप ने छात्रों को भौगोलिक दूरियों के बावजूद वास्तविक समय में सहयोग करने में सक्षम बनाया।

उत्तर प्रदेश में बर्ड फ्लू अलर्ट

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बर्ड फ्लू (H5N1) के बढ़ते खतरे के कारण राज्यव्यापी अलर्ट जारी किया है, जिसमें संबंधित विभागों को जानवरों और पक्षियों, विशेष रूप से **चिड़ियाघरों** और वन्यजीव अभयारण्यों **में सुरक्षा हेतु** सख्त **सुरक्षा प्रोटोकॉल** लागू करने के निर्देश दिये गए हैं।

मुख्य बिंदु

बर्ड फ्लू के बारे में

- **परिचय:** बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) एक अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग है, जो **एवियन इन्फ्लूएंजा ए वायरस,** विशेष रूप से उपप्रकार **H5N1 और H5N8** के कारण होता है तथा जंगली तथा घरेलू दोनों प्रकार के पक्षियों को प्रभावित करता है।
- **मानव पर इसके प्रभाव के मामले:** मानव पर इसका पहला संक्रमण **वर्ष 1997 (हांगकांग)** में दर्ज किया गया था। इसके अधिकांश मामले एशिया में दर्ज किये गए और इसका कारण संक्रमित पक्षियों के साथ निकट संपर्क था।
- **संचरण:** H5N1 मुख्य रूप से **संक्रमित जीवित अथवा मृत पक्षियों** अथवा **दूषित वातावरण** (जैसे, जीवित पक्षियों का बाज़ार) के साथ प्रत्यक्ष संपर्क होने के माध्यम से संचरित होता है।
  - इसलिये, H5N1 को विश्व स्वास्थ्य संगठन **के अनुसंधान एवं विकास ब्लूप्रिंट के तहत प्राथमिकता वाली बीमारी के रूप में** सूचीबद्ध किया गया है।
  - H5N1 का मानव संक्रमण दुर्लभ है, किंतु इसकी मृत्यु दर (~60%) बहुत अधिक है, जो कोविड-19 (~3%) से कहीं अधिक है।
  - स्तनधारियों से मनुष्यों में संचरण देखा गया है, परंतु वायु जनित एवं निरंतर मानव-से-मानव संचरण की पुष्टि नहीं हुई है।
  - विश्व स्वास्थ्य संगठन के **अनुसंधान एवं विकास ब्लूप्रिंट** के अंतर्गत H5N1 को प्राथमिकता वाली बीमारी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- **लक्षण:** सामान्य लक्षणों में तेज़ बुखार, खाँसी, गले में खराश तथा मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं।
  - गंभीर मामलों में श्वसन विफलता या तंत्रिका संबंधी जटिलताएँ हो सकती हैं।
    - कुछ व्यक्ति संक्रमण के बावजूद लक्षणहीन भी रह सकते हैं।
- **उपचार:** वर्तमान मौसमी फ्लू के टीके H5N1 से सुरक्षा प्रदान नहीं करते।
  - **ओसेल्टामिविर** जैसी **एंटीवायरल दवाएँ** प्रभावी होती हैं, विशेषकर जब उच्च जोखिम वाले या गंभीर मामलों में इन्हें प्रारंभ में ही दिया जाए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अजय साहनी को राष्ट्रपति वीरता पदक

चर्चा में क्यों ?

52 मुठभेड़ों का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ IPS अधिकारी **अजय कुमार साहनी** को उनके करियर में तीसरी बार वीरता के लिये राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया है।

- उत्तर प्रदेश कैडर के वर्ष 2009 बैच के अधिकारी साहनी को गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2020) पर मेरठ में एक उच्च-जोखिम वाले ऑपरेशन के दौरान उनके असाधारण साहस के लिये **राष्ट्रपति पदक** से सम्मानित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **वीरता पुरस्कार के बारे में:**
  - ये पुरस्कार कार्मिकों को कर्त्तव्य के दौरान **अदम्य साहस, अद्वितीय बहादुरी तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की पूर्ण उपेक्षा के लिये दिये जाते हैं।**
  - इन वीरता पुरस्कारों की घोषणा वर्ष में दो बार की जाती है, पहले गणतंत्र दिवस के अवसर पर और फिर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर।
- **प्रकार:**
  - **शत्रु के विरुद्ध कार्रवाई संबंधी वीरता पुरस्कार:**
    - **परम वीर चक्र (PVC):** विशिष्ट वीरता के लिये
    - **महावीर चक्र (MVC):** वीरता के कार्यों के लिये
    - **वीर चक्र:** साहसिक कार्यों के लिये
  - **शत्रु के विरुद्ध कार्रवाई के अलावा अन्य वीरता पुरस्कार:**
    - इसमें अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र शामिल हैं।
- **पुरस्कारों का वरीयता क्रम:**
  - परमवीर चक्र
  - अशोक चक्र
  - महावीर चक्र
  - कीर्ति चक्र
  - वीर चक्र
  - शौर्य चक्र

यूपी पुलिस का 'ऑपरेशन सवेरा'

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और नशा-मुक्त समाज को बढ़ावा देने के लिये सहारनपुर क्षेत्र में '**ऑपरेशन सवेरा**' शुरू किया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और DGP राजीव कृष्ण के निर्देशानुसार संचालित किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य अवैध नशीले पदार्थों की पूरी शृंखला; निर्माताओं से लेकर तस्करों तक को समाप्त करना है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - यह अभियान सहारनपुर रेंज के तीन ज़िलों में **अवैध नशीले पदार्थों के निर्माता, बिचौलिये, आपूर्तिकर्त्ता और विक्रेताओं** पर केंद्रित है।
  - पुलिस नशीली दवाओं के व्यापार के अग्रिम और पश्चवर्ती दोनों संपर्कों को लक्षित करते हुए तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करेगी।
- **कानूनी अधिदेश:**
  - स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (NDPS) अधिनियम, 1985 तथा **स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (PIT-NDPS) अधिनियम, 1988** के अवैध व्यापार की रोकथाम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें अवैध दवा गतिविधियों के माध्यम से अर्जित संपत्तियों को ज़ब्त करना भी शामिल है।
    - दोषी व्यक्तियों की दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिये चल रहे NDPS मामलों की समीक्षा की जाएगी।
- **जागरूकता:**
  - जागरूकता अभियान समाज, विशेषकर छात्रों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करेंगे।
  - **नशामुक्ति केंद्रों** का निरीक्षण कर उनकी सुविधाओं और चुनौतियों का आकलन किया जाएगा तथा पुनर्वास सहयोग के लिये विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा।

नोट: इससे पहले कानपुर पुलिस ने भू-माफिया, जबरन वसूली करने वाले गिरोहों और उनका समर्थन करने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों के विरुद्ध 5 अगस्त, 2025 को 'ऑपरेशन महाकाल' शुरू किया था।

उत्तर प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गोरखपुर ज़िले के खानिमपुर गाँव में राज्य के पहले और देश में अपनी तरह के दूसरे ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र का उद्घाटन किया।

भारत की ग्रीन हाइड्रोजन उपलब्धियाँ

- गुजरात में कांडला बंदरगाह भारत के पहले मेक-इन-इंडिया ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का स्थल है, जो देश के नेट-ज़ीरो लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है।
- हिसार स्थित **जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड** भारत का पहला **ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र** है, जो स्टेनलेस स्टील उद्योग को समर्पित है, जिससे यह इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर पहला संयंत्र बन गया है।
- अडानी समूह ने गुजरात के कच्छ में भारत का पहला ऑफ-ग्रिड **5 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लां**ट चालू किया, जो नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन उत्पादन में अग्रणी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - टॉरेंट गैस और टॉरेंट पावर द्वारा स्थापित यह संयंत्र **भारत की स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण यात्रा** में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।
  - पायलट परियोजना के अंतर्गत संयंत्र **प्राकृतिक गैस (CNG और PNG)** के साथ अधिकतम 2% ग्रीन हाइड्रोजन का मिश्रण करेगा।
    - यह मिश्रित गैस घरेलू उपभोक्ताओं, CNG स्टेशनों और उद्योगों को स्थानीय गैस ग्रिड के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।
- **महत्त्व:**
  - यह परियोजना देश के *शहरी गैस वितरण क्षेत्र* में **ग्रीन हाइड्रोजन और प्राकृतिक गैस मिश्रण** की अब तक की सबसे बड़ी पहल है।
    - इससे प्रतिवर्ष 500 टन **कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी** और प्रचुर जल संसाधनों के कारण उत्तर प्रदेश को ग्रीन हाइड्रोजन का प्रमुख केंद्र स्थापित किया जा सकेगा।
- **ग्रीन हाइड्रोजन नीति:**
  - उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2024 निवेश को बढ़ावा देकर और ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया उत्पादन सुविधाओं तथा ग्रीन हाइड्रोजन-आधारित उत्पाद विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करके सुगम **व्यापार करने में** सक्षम बनाती है।
- उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2028 तक ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया की उत्पादन क्षमता को **1 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष** तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।
- नीति में **30% पूंजीगत सब्सिडी** शामिल है, जो राज्य में पहली चार परियोजनाओं के लिये **40%** तक जा सकती है।

ग्रीन हाइड्रोजन

- ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन जल (H_2O) को **इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया** से **हाइड्रोजन (H_2) और ऑक्सीजन (O_2) में विभाजित** करके किया जाता है। इस प्रक्रिया को **सौर ऊर्जा या बायोमास गैसीकरण जैसे नवीकरणीय स्रोतों** से संचालित किया जाता है।
- इसके उपयोगों में फ्यूल **सेल इलेक्ट्रिक वाहन (FCEVs)**, उर्वरक एवं रिफाइनरी जैसे औद्योगिक क्षेत्र तथा सड़क एवं रेल परिवहन क्षेत्र सम्मिलित हैं।
- **हाइड्रोजन के अन्य प्रकार:**

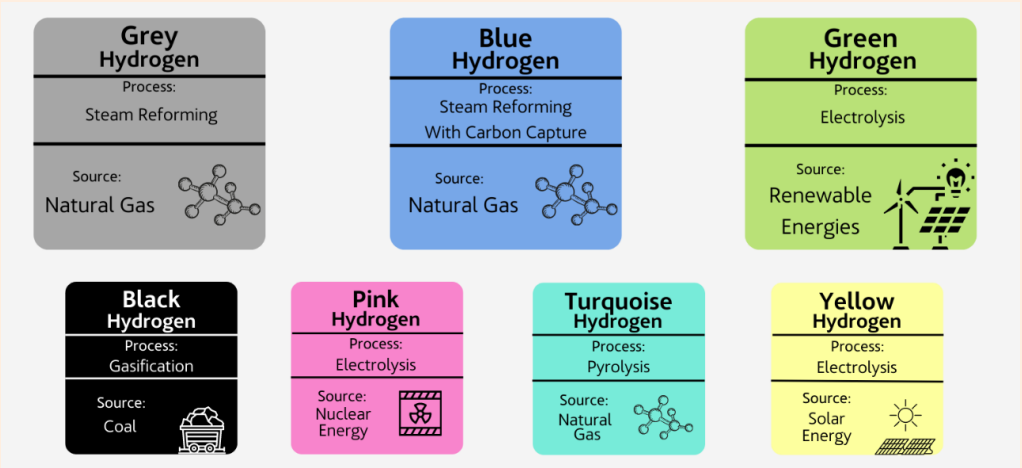

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

लखनऊ के वरिष्ठ **होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. पी.के. शुक्ला** को होम्योपैथी में उनके **उत्कृष्ट योगदान** के लिये **इटरनल फ्लेम ऑफ होम्योपैथी अवार्ड** से सम्मानित किया गया।

- यह पुरस्कार क्रिकेट के दिग्गज **सुनील गावस्कर** द्वारा चौथे **अखिल भारतीय होम्योपैथी अनुसंधान शिखर सम्मेलन 2025** में प्रदान किया गया, जो 16 अगस्त 2025 को **JW मैरियट, गोवा** में **बर्नेट होम्योपैथी प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा आयोजित किया गया था।

होम्योपैथी

- होम्योपैथी एक **चिकित्सा प्रणाली** है, जो शरीर की **प्राकृतिक उपचार क्षमता** को सक्रिय करती है तथा इसके प्रभावों को बढ़ाने और दुष्प्रभावों को कम करने के लिये अत्यधिक **तनुकृत पदार्थों** का उपयोग करती है।
- भारत में इसका प्रवेश 18वीं शताब्दी में हुआ। प्रत्येक वर्ष **10 अप्रैल को** 'विश्व होम्योपैथी दिवस' इसके संस्थापक **डॉ. हैनिमैन** के सम्मान में मनाया जाता है।

नोट: क्रॉसपैथी वह स्थिति है, जहाँ स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर अपनी मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता से परे उपचार प्रदान करते हैं या दवाएँ लिखते हैं, जैसे **आयुष चिकित्सक** (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी) यदि ऐसी चिकित्सीय प्रक्रियाएँ करें या दवाएँ लिखें जो सामान्यत: **एलोपैथिक** (आधुनिक) चिकित्सा के लिये आरक्षित होती हैं।

शोधगंगा पोर्टल

चर्चा में क्यों ?

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के **शोधगंगा पोर्टल** पर अपलोड किये गए शोध प्रबंधों के मामले में उत्तर प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों ने देश के **शीर्ष 10 संस्थानों** में स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- शोधगंगा पोर्टल, जो देशभर के 840 विश्वविद्यालयों से 6,20,000 से अधिक प्रबंधों (Theses) का भंडार है, में उत्तर प्रदेश के संस्थान महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ताओं के रूप में उभरे हैं।
- इसमें **अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU), कानपुर विश्वविद्यालय और** बनारस हिंदू विश्वविद्यालय **(BHU)** ने प्रमुख स्थान प्राप्त किये हैं। यह उपलब्धि राज्य में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और शैक्षणिक उत्कृष्टता पर बढ़ते ध्यान को रेखांकित करती है।
- **शीर्ष 10 राष्ट्रीय विश्वविद्यालय:**
  - अन्ना विश्वविद्यालय (17,028 शोध प्रबंध)
  - मद्रास विश्वविद्यालय (15,396)
  - कलकत्ता विश्वविद्यालय (14,837)
  - सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय (13,403)
  - मुंबई विश्वविद्यालय (12,527)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- आंध्र विश्वविद्यालय (10,736)
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (10,709): शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में 7वाँ स्थान (UP में प्रथम)
- छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय (10,279): शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में 8वाँ स्थान (UP में दूसरा स्थान)
- पंजाब विश्वविद्यालय (9,890)
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (9,600): (UP में तीसरा स्थान)

अन्य UP विश्वविद्यालयों का योगदान:

- लखनऊ विश्वविद्यालय: 8,683 शोध प्रबंध
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ: 3,645 शोध प्रबंध
- बुंदेलखंड विश्वविद्यालय: 2,335 शोध प्रबंध
- पं. दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय: 1,161 थीसिस
- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ: 462 शोध प्रबंध

शोधगंगा: भारतीय शोध-प्रबंधों का एक डिजिटल भंडार

परिचय:

- **शोधगंगा** भारतीय **इलेक्ट्रॉनिक शोध-प्रबंधों** और शोध-प्रबंधों का एक **डिजिटल संग्रह** है, जिसे **INFLIBNET केंद्र** द्वारा होस्ट तथा अनुरक्षित किया जाता है।
- यह **एम.फिल.** और **पीएच.डी. अनुसंधान** के लिये खुला मंच प्रदान करता है, जिससे व्यापक **दृश्यता** सुनिश्चित होती है, दोहराव कम होता है तथा भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुसंधान की **गुणवत्ता** बढ़ती है।

अधिदेश:

- **UGC (एम.फिल./पीएच.डी. डिग्री प्रदान करने के लिये न्यूनतम मानक और प्रक्रिया) विनियमन, 2009 (संशोधित 2016)** के तहत, सभी शोधकर्त्ताओं को वैश्विक **पहुँच** तथा **संरक्षण** की सुविधा के लिये अपने शोध प्रबंधों के **इलेक्ट्रॉनिक संस्करण** प्रस्तुत करना आवश्यक है।

महत्त्व:

- "शोध" का अर्थ है **अनुसंधान**; "गंगा" भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।
- दोनों मिलकर, **शोधगंगा** भारतीय **बौद्धिक उत्पादन** के भंडार का प्रतिनिधित्व करती है।
- यह शोध के **दोहराव** को रोकता है, **गुणवत्ता** को बढ़ावा देता है तथा शोधकार्य को **डिजिटल रूप** में संरक्षित करता है।

विश्वविद्यालय एकीकरण:

- विश्वविद्यालय **शोधगंगा** को केंद्रीय **बैकअप** के रूप में उपयोग करते हुए अपने स्वयं के **संस्थागत भंडार** बनाए रख सकते हैं।
- सभी शोध-प्रबंधों तक **एकीकृत पहुँच** प्रदान करने के लिये वितरित रिपॉजिटरी से **मेटा डाटा** को केंद्रीय रूप से एकत्र किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

श्री अरबिंदो की 153वीं जयंती

चर्चा में क्यों ?

15 अगस्त, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दार्शनिक और स्वतंत्रता सेनानी श्री अरबिंदो को उनकी **153वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की** तथा भारत की **राष्ट्र निर्माण यात्रा में उनके योगदान** को स्वीकार किया।

मुख्य बिंदु

श्री अरबिंदो के बारे में:

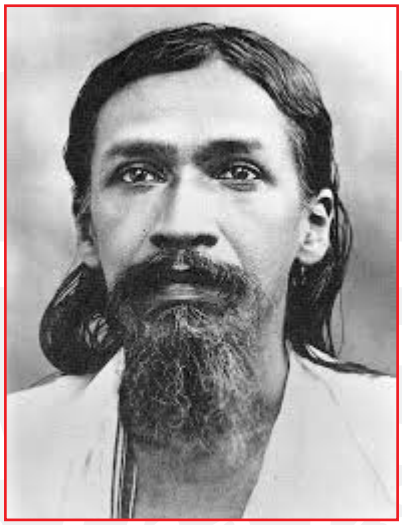

- **परिचय:**
  - अरबिंदो घोष का **जन्म 15 अगस्त, 1872 को कलकत्ता में हुआ था।** वह एक योगी, द्रष्टा, दार्शनिक, कवि और **भारतीय राष्ट्रवादी** थे जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के माध्यम से संसार को ईश्वरीय अभिव्यक्ति के रूप में स्वीकार किया अर्थात् नव्य वेदांत दर्शन को प्रतिपादित किया।
  - 5 दिसंबर, 1950 को पुदुचेरी में उनका निधन हो गया।
- **शिक्षा:**
  - उनकी शिक्षा **दार्जिलिंग के एक क्रिश्चियन कॉन्वेंट स्कूल में शुरू हुई।**
  - उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ वे दो शास्त्रीय और कई आधुनिक यूरोपीय भाषाओं में कुशल हो गए।
  - वर्ष 1892 में उन्होंने बड़ौदा (वडोदरा) और कलकत्ता (कोलकाता) में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया।
  - उन्होंने शास्त्रीय संस्कृत सहित योग और भारतीय भाषाओं का अध्ययन शुरू किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन:**
  - वर्ष 1902 से 1910 तक उन्होंने **भारत को अंग्रेज़ो से मुक्त कराने के संघर्ष** में भाग लिया।
  - अपनी राजनीतिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप, उन्हें **1908 में अलीपुर बम कांड** में जेल में डाल दिया गया।
- **आध्यात्मिक यात्रा:**
  - पुदुचेरी में उन्होंने आध्यात्मिक साधकों के एक समुदाय की स्थापना की, जिसने वर्ष 1926 में श्री अरबिंदो आश्रम के रूप में आकार लिया।
  - उनका मानना था कि **पदार्थ, जीवन और मन के मूल सिद्धांतों को स्थलीय विकास के माध्यम से सुपरमाइंड के सिद्धांत द्वारा अनंत एवं परिमित दो क्षेत्रों के बीच एक मध्यवर्ती शक्ति के रूप में सफल किया जाएगा।**
- **साहित्यिक कृतियाँ:**
  - वर्ष 1906 में वे अंग्रेज़ी समाचार-पत्र **बंदे मातरम (जिसकी स्थापना 1905 में बिपिन चंद्र पाल ने की थी) के संपादक बने।**
  - योग के आधार
  - भगवद्गीता और उसका संदेश
  - मनुष्य का भविष्य विकास
  - पुनर्जन्म और कर्म
  - सावित्री: एक किंवदंती और एक प्रतीक
  - आवर ऑफ गॉड
- **श्री अरबिंदो के पाँच स्वप्न:**
  - वर्ष 1947 में, **भारत की स्वतंत्रता के बाद**, अरबिंदो ने अपने पाँच स्वप्न व्यक्त किये, जिनमें **स्वतंत्र और एकजुट भारत, एशिया का पुनरुत्थान, बेहतर जीवन के लिये एक वैश्विक संघ, विश्व को भारत का आध्यात्मिक उपहार तथा उच्चतर चेतना एवं सामाजिक पूर्णता की ओर मानव विकास में एक परिवर्तनकारी प्रयास** शामिल थे।
- **ऑरोविले (Auroville):**
  - इसकी स्थापना वर्ष 1968 में **मिर्रा अल्फासा (The Mother)** द्वारा पुदुचेरी में की गई।
  - यह एक प्रायोगिक नगर है, जो अरबिंदो की उस दृष्टि को मूर्त रूप देता है जिसमें वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक रूप से एकीकृत समुदाय की परिकल्पना की गई है।
  - वर्ष 1966 में यूनेस्को द्वारा अनुमोदित यह सतत् जीवनशैली पर ज़ोर देता है और मानवता की भावी **सांस्कृतिक, पर्यावरणीय, सामाजिक** तथा **आध्यात्मिक आवश्यकताओं** को संबोधित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

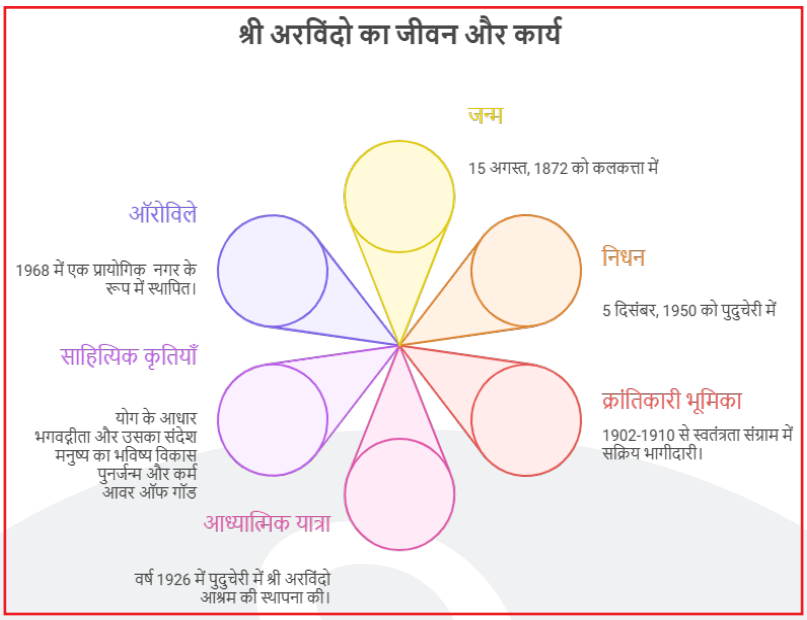

कारीकोट गाँव को ICRT पुरस्कार 2025 मिला

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले में स्थित कारीकोट गाँव को प्रतिष्ठित **भारतीय उपमहाद्वीपीय** उत्तरदायी पर्यटन **(ICRT) पुरस्कार 2025** के लिये चुना गया है।

- यह पुरस्कार **ICRT इंडिया फाउंडेशन** द्वारा प्रदान किया जाता है और पर्यटन मंत्रालय द्वारा समर्थित है।

मुख्य बिंदु

- **ICRT पुरस्कार 2025:**
  - यह पुरस्कार **सतत् पर्यटन** में अग्रणी लोगों को सम्मानित करता है। इसका उद्देश्य नकारात्मक प्रभावों को घटाना और सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाना है।
  - यह पुरस्कार 13 सितंबर वर्ष 2025 को नई दिल्ली में प्रदान किया जाएगा।
- **श्रेणियाँ:**
  - पुरस्कार समारोह में विभिन्न श्रेणियों जैसे **वन टू वॉच, सिल्वर और गोल्ड** के अंतर्गत संस्थानों को सम्मानित किया जाएगा।
- **मानदंड:**
  - पैनल ने प्रामाणिकता, प्रतिकृति, सामुदायिक भागीदारी और दीर्घकालिक प्रभाव के आधार पर प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया है।
  - इस प्रक्रिया में कारीकोट अपनी नवोन्मेषी और समुदाय-आधारित ग्रामीण पर्यटन दृष्टि के कारण विशेष रूप से उभरकर सामने आया, जो **स्थायित्व** तथा **प्रभाव** का उत्कृष्ट उदाहरण है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कारीकोट गाँव मॉडल:**
  - भारत-नेपाल सीमा और कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य के निकट स्थित कारीकोट में पर्यटन पहल मुख्य रूप से **थारू जनजातीय समुदाय** द्वारा संचालित है। इसमें **होमस्टे, इको-टूरिज्म और सांस्कृतिक अनुभवों** पर विशेष ज़ोर दिया जाता है।
  - इन पहलों ने पारंपरिक थारू शिल्प, व्यंजन और लोककलाओं को पुनर्जीवित करने में मदद की है, जिससे कारीकोट थारू विरासत का एक **जीवंत संग्रहालय** के रूप में उभरा है।
  - कारीकोट का समुदाय-आधारित और सतत् पर्यटन मॉडल विशेषकर **महिलाओं** तथा **युवाओं** के लिये नए रोज़गार के अवसर एवं दीर्घकालिक लाभ प्रदान करता है।
- **उत्तर प्रदेश की ग्रामीण पर्यटन रणनीति:**
  - कारीकोट को मिली यह मान्यता राज्य के **ग्रामीण पर्यटन** को विकास का प्रमुख केंद्र बनाने के प्रयास को रेखांकित करती है, जिसे उत्तर प्रदेश **बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति 2025** और **इको-पर्यटन प्रोत्साहन** जैसी पहलों का समर्थन प्राप्त है।

थारू जनजाति

- **थारू का शाब्दिक अर्थ:** ऐसा माना जाता है कि 'थारू' शब्द की उत्पत्ति **'स्थविर' (Sthavir)** से हुई है जिसका अर्थ होता है बौद्ध धर्म की **थेरवाद** शाखा/परंपरा को मानने वाला।
- **निवास स्थान:** थारू समुदाय **शिवालिक या निम्न हिमालय** की पर्वत श्रृंखला के बीच तराई क्षेत्र से संबंधित है।
  - तराई उत्तरी भारत और नेपाल के बीच हिमालय की निचली श्रेणियों के सामानांतर स्थित क्षेत्र है।
  - थारू समुदाय के लोग भारत और नेपाल दोनों देशों में पाए जाते हैं, भारतीय तराई क्षेत्र में ये अधिकांशत: उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार में रहते हैं।
- **अनुसूचित जनजाति:** थारू समुदाय को उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में एक अनुसूचित जनजाति के रूप में चिह्नित किया गया है।
- **आजीविका:** इस समुदाय के अधिकांश लोग अपनी आजीविका के लिये वनों पर आश्रित रहते हैं, हालाँकि समुदाय के कुछ लोग कृषि भी करते हैं।
- **भाषा:** इस समुदाय के लोग **थारू भाषा** (हिंद-आर्य उपसमूह की एक भाषा) की अलग-अलग बोलियाँ और हिंदी, उर्दू तथा **अवधी भाषा** के विभिन्न रूपों का प्रयोग बोलचाल के लिये करते हैं।

ICRT इंडिया फाउंडेशन

- ICRT इंडिया फाउंडेशन की स्थापना वर्ष 2017 में भारत में **उत्तरदायी पर्यटन** को समर्थन और विस्तार देने के लिये की गई थी।
- यह **केप टाउन उत्तरदायी पर्यटन घोषणा-पत्र 2002** का समर्थन करता है और इसके सिद्धांतों को बढ़ावा देता है।
- फाउंडेशन ने मैग्नाकार्टा द्वीप पर हस्ताक्षरित **उत्तरदायी पर्यटन चार्टर 2022** पर हस्ताक्षर किये और उसका समर्थन करता है।

भारत की पहली ड्रोन फोरेंसिक प्रयोगशाला

चर्चा में क्यों ?

देश में पहली बार एक **ड्रोन फॉरेंसिक प्रयोगशाला** उत्तर प्रदेश राज्य फॉरेंसिक विज्ञान संस्थान (UPSIFS), **लखनऊ** में स्थापित की गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **प्रयोगशाला के बारे में:**
  - इस प्रयोगशाला का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था और इसकी संकल्पना तथा स्थापना रोबोटिक्स और ड्रोन प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ **मिलिंद राज** द्वारा की गई है, जिन्हें '**भारत के ड्रोन मैन**' के रूप में भी जाना जाता है।
- **कार्य:**
  - यह प्रयोगशाला पुलिस को वास्तविक समय में ड्रोन को ट्रैक करने, डिकोड करने और जाँच करने में सक्षम बनाएगी, जिससे फोरेंसिक विशेषज्ञों को **ड्रोन के उड़ान पथ, टेक-ऑफ स्थान, पेलोड क्षमता एवं विस्फोटक** जैसे संभावित खतरों का पता लगाने में मदद मिलेगी।
  - इससे ड्रोनों के फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम में सहायता मिलेगी, जिससे उनके उद्देश्य और खतरे की संभावना का आकलन किया जा सकेगा तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों को गैर कानूनी गतिविधियों में प्रयुक्त ड्रोनों को समझने में मदद मिलेगी।
- **प्रशिक्षण:**
  - यह प्रयोगशाला पुलिस कर्मियों और फोरेंसिक विशेषज्ञों के लिये एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करेगी, जहाँ उन्हें मानव रहित हवाई वाहनों (UAV) का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा।
  - इसके माध्यम से UP पुलिस में एक **समर्पित ड्रोन बल** तैयार किया जाएगा, जो सुरक्षा निगरानी, भीड़ नियंत्रण और आपराधिक घटनाओं में ड्रोन से जुड़े मामलों पर शीघ्र प्रतिक्रिया दे सकेगा।
- **तकनीकी नवाचार और भावी प्रभाव:**
  - प्रयोगशाला में उन्नत डाटा अधिग्रहण उपकरण, **रिवर्स-इंजीनियरिंग सिस्टम, कस्टमाइज्ड किट्स** और **हाई-टेक कंप्यूटिंग सिस्टम** उपलब्ध कराए गए हैं।
  - इनकी सहायता से अवैध गतिविधियों में प्रयुक्त ड्रोन को ट्रेस और विश्लेषित करना संभव होगा।
- **अनुप्रयोग:**
  - यह प्रयोगशाला **सीमा क्षेत्रों, कारागारों और हवाई अड्डों** जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा में सहायक होगी। साथ ही, यह आपदा प्रबंधन और **खोज एवं बचाव अभियानों** में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

वाराणसी: रेलवे ट्रैक के बीच सौर पैनल लगाने वाला भारत का पहला शहर

चर्चा में क्यों ?

वाराणसी भारत का पहला शहर बन गया है, जहाँ रेलवे ट्रैक के बीच पोर्टेबल सोलर पैनल स्थापित किये गये हैं, जो **सतत् ऊर्जा** को बढ़ावा देते हैं।

- **बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (BLW)** में संचालित यह पायलट परियोजना भारतीय रेलवे के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और नेट-जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लक्ष्य का समर्थन करती है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - इस स्थापना में 70 मीटर लंबाई के रेलवे ट्रैक पर फैली **सौर पैनल प्रणाली** शामिल है, जिसमें 15 kWp क्षमता के 28 पैनल लगे हैं, जो प्रतिदिन प्रति किमी 880 यूनिट बिजली उत्पन्न करते हैं और प्रति किमी 220 kWp का **ऊर्जा घनत्व** प्रदान करते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पैनल डिज़ाइन:**
  - सौर पैनल **हटाने योग्य** हैं, जिससे **रखरखाव** और मौसमी अनुकूलन आसान होता है।
  - इन्हें **स्वदेशी रूप से डिज़ाइन** की गई स्थापना प्रक्रिया के साथ स्लीपरों पर लगाया गया है, ताकि **रेल यातायात** को बाधित किये बिना सुरक्षित और मज़बूत स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।
    - रबर माउंटिंग पैड गुजरती ट्रेनों से होने वाले कंपन को कम करते हैं, **इपॉक्सी** चिपकाने वाला पदार्थ पैनलों को सुरक्षित रखता है तथा पटरियों के बीच की जगह **अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण** की आवश्यकता को समाप्त कर देती है।
- पर्यावरणीय एवं परिचालन प्रभाव:
  - **ऊर्जा उत्पादन क्षमता:** इस योजना से प्रति किमी प्रतिवर्ष लगभग 3.21 लाख यूनिट बिजली उत्पादन की संभावना है।
  - **भारतीय रेलवे नेटवर्क:** 1.2 लाख किमी लंबाई वाले रेलवे ट्रैक पर इस तकनीक को व्यापक रूप से लागू किया जा सकता है, विशेषकर **यार्ड लाइन्स** पर।
  - BLW परिसरों में पहले से स्थापित **रूफटॉप सौर विद्युत संयंत्रों** के साथ ये पैनल भारतीय रेलवे की **नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिबद्धता** को और मज़बूत करते हैं।

चिवनिंग-अटल बिहारी वाजपेई छात्रवृत्ति योजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **चिवनिंग-अटल बिहारी वाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना** के लिये **ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (FCDO)** के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - इस समझौता ज्ञापन पर भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त **लिंडी कैमरून** ने लखनऊ में मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।
  - उत्तर प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) में इसके लिये **2 करोड़ रुपये** आवंटित किये हैं।
  - योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के **पाँच मेधावी छात्रों** को प्रतिवर्ष ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री करने का अवसर मिलेगा।
- **उद्देश्य:**
  - इस छात्रवृत्ति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के **मेधावी छात्रों को** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है।
    - साथ ही इसका उद्देश्य **राज्य की शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन लाना** तथा छात्रों को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका के लिये तैयार करना है।
- **समय-सीमा:**
  - कार्यक्रम वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक सत्र से प्रारम्भ होगा और तीन वर्षों तक चलेगा। वर्ष 2028-29 से इसे पुन: नवीनीकृत करने की संभावना है।
- **वित्तीय प्रावधान:**
  - छात्रवृत्ति के अंतर्गत **ट्यूशन फीस, परीक्षा एवं अनुसंधान शुल्क, जीवन-यापन भत्ता** तथा ब्रिटेन आने-जाने का **हवाई किराया** शामिल है।
- **लागत:**
  - प्रति छात्र अनुमानित कुल व्यय 38,048 पाउंड से 42,076 पाउंड (लगभग 45–48 लाख रुपये) होगा।
- **राज्य सरकार का योगदान:** लगभग 19,800 पाउंड (23 लाख रुपये)। शेष राशि का वहन FCDO द्वारा किया जाएगा।
- **छात्र चयन:**
  - प्रत्येक वर्ष पाँच छात्रों को प्रतिष्ठित ब्रिटिश विश्वविद्यालयों, **ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय** तथा **लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस** में अध्ययन हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।
- **सामरिक महत्त्व:**
  - यह योजना भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाती है, विशेष रूप से प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी की** हाल की ब्रिटेन यात्रा के बाद, जहाँ उन्होंने व्यापार समझौते तथा **विज़न 35** पर हस्ताक्षर किये, जिससे व्यापार एवं शिक्षा के लिये नए रास्ते खुले।

विश्व मानवतावादी दिवस

चर्चा में क्यों ?

हर साल **19 अगस्त** को मनाया जाने वाला विश्व मानवतावादी दिवस का उद्देश्य उन समर्पित व्यक्तियों के प्रयासों को मान्यता देना है, जो संकट की घड़ी में दूसरों की सहायता करने के लिये अपने प्राणों को जोखिम में डालते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह दिवस उन लाखों लोगों के प्रति समर्थन व्यक्त करने का भी अवसर है, जिनका **जीवन संघर्ष** और आपदाओं के कारण संकटग्रस्त हो जाता है।

मुख्य बिंदु

विश्व मानवतावादी दिवस के बारे में:

- **परिचय**
  - यह दिवस **मानवीय मामलों के समन्वय हेतु संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA)** के नेतृत्व में मनाया जाता है।
  - इसका उद्देश्य संकटों से प्रभावित लोगों की कल्याण, गरिमा **और अस्तित्व** सुनिश्चित करना तथा मानवीय कार्यकर्त्ताओं की सुरक्षा का समर्थन करना है।
- **इतिहास**
  - **19 अगस्त, 2003** को बगदाद स्थित कैनाल होटल पर हुए बम हमले में 22 मानवीय सहयोगी मारे गए थे, जिनमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के इराक हेतु विशेष प्रतिनिधि **सर्जियो विएरा डी मेलो** भी शामिल थे।
  - उनके सम्मान में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर इस दिन को विश्व मानवतावादी दिवस (WHD) के रूप में घोषित किया।
- **विषय (Theme)**
  - इस वर्ष का विषय मानवतावादियों और नागरिकों पर हो रहे हमलों को समाप्त करने तथा **अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** के तहत दंड-मुक्ति की प्रवृत्ति को रोकने का आह्वान करता है।
  - यह सत्ता में बैठे लोगों से **#ActForHumanity** का आग्रह करता है।
- **#ActForHumanity अभियान का आह्वान:**
  - मानवीय कार्यकर्त्ताओं और उनके द्वारा सेवा प्राप्त करने वाले नागरिकों की **सुरक्षा**।
  - **अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून** को बनाए रखना।
  - मानवीय सहायता द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले महत्त्वपूर्ण जीवन-रेखीय (Vital Lifelines) संसाधनों हेतु वित्तपोषण।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कारों की 10वीं वर्षगाँठ

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विज्ञान भवन में आयोजित समारोह के दौरान 57वीं सेवानिवृत्ति-पूर्व परामर्श कार्यशाला के साथ 8वें "राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार" प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार 2025 के बारे में:**
  - वर्ष 2025 में **अनुभव पुरस्कार** की 10वीं वर्षगाँठ पर शासन और विविधता में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया।
  - इस वर्ष पुरस्कार प्राप्त करने वालों में **एक-तिहाई महिलाएँ थीं**, जो शासन में महिला अधिकारियों की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है।
  - **11 मंत्रालयों और विभागों** के कुल 15 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिनमें पहली बार एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक तथा एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के अधिकारी भी शामिल थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उल्लेखनीय पुरस्कार विजेता:**
  - **एम. वेंकटेशन:** वर्ष 2014 की **कश्मीर बाढ़ और वर्ष 2022 में यूक्रेन से निकासी अभियान** सहित संकट काल में उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित।
  - **हुकुम सिंह मीणा:** 6.4 लाख से अधिक गाँवों में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण का नेतृत्व किया।
  - **शालिनी कक्कड़ (SBI): प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण,** पेंशन सुधार और डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - **ओ. विरुपाक्षप्पा (डाक विभाग):** ग्रामीण क्षेत्रों में डाक बचत और बीमा योजनाओं का विस्तार किया।
  - **साजू पी.के. (CRPF):** असम और पुलवामा जैसे संवेदनशील परिचालन क्षेत्रों में सेवा प्रदान की।
- **नई पहलों का शुभारंभ:**
  - कार्यक्रम में कई पहलें प्रारम्भ की गईं, जिनमें प्रमुख हैं–
    - **डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 4.0** के लिये दिशानिर्देश जारी किये गए।
    - विशेष अभियान 2.0 की सफलता की कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल ई-बुक का विमोचन।
    - अनुभव पोर्टल पर प्रस्तुत संस्मरणों के विश्लेषण के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग करने की घोषणा की गई।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार

- **परिचय:** अनुभव पुरस्कार की शुरुआत पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (DoPPW) द्वारा की गई है। इसका उद्देश्य सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्त होने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के अनुभवों को **सम्मानित एवं प्रलेखित** करना है।
- **प्रारंभ:** इस पहल की शुरुआत भारत के प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार **मार्च 2015 में** अनुभव पोर्टल के माध्यम से की गई। इसका लक्ष्य अनुभव साझा करने की संस्कृति विकसित करना, सुशासन को बढ़ावा देना और प्रशासनिक सुधारों को प्रोत्साहित करना है।
- **पात्रता:** सेवानिवृत्त होने वाले **केंद्रीय सरकारी कर्मचारी/पेंशनभोगी** इसके पात्र हैं। DoPPW द्वारा अधिसूचित समयावधि के अंतर्गत अनुभव पोर्टल पर प्रकाशित लेखन को इन पुरस्कारों के लिये विचारार्थ लिया जाता है।

पीएम-सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी

चर्चा में क्यों ?

जुलाई 2025 में उत्तर प्रदेश पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रतिदिन सौर इकाइयाँ स्थापित करने में देश का अग्रणी राज्य बन गया।

मुख्य बिंदु

- **सौर इकाइयाँ**
  - जुलाई में उत्तर प्रदेश ने **प्रतिदिन 891 सौर इकाइयाँ स्थापित करके** गुजरात (830 प्रतिदिन) और महाराष्ट्र (781 प्रतिदिन) को पीछे छोड़ दिया, जबकि अप्रैल वर्ष 2025 में यह उनसे पीछे था।
  - राज्य ने प्रयासों को और आगे बढ़ाने के लिये प्रतिदिन 1,300 सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना का नया लक्ष्य निर्धारित किया है।
- **प्रमुख रणनीतियाँ:**
  - उत्तर प्रदेश अपनी विकास रणनीति में सौर ऊर्जा इकाइयों को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें **सूर्य मित्रों** (सौर श्रमिकों) को प्रशिक्षित एवं सशक्त बनाने पर विशेष ज़ोर दिया जा रहा है तथा **उद्यमिता एवं उपभोक्ता संतुष्टि को प्रमुख लक्ष्य बनाया गया है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस प्रयास के अंतर्गत सौर ऊर्जा दिवस' पर आयोजित आंतरिक कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले **पाँच सूर्य मित्रों को सम्मानित किया गया।**

- **प्रभाव:**
  - राज्य के प्रयासों से **सौर ऊर्जा विक्रेता नेटवर्क** का विस्तार हुआ है, जो पीएम-सूर्य घर योजना के शुभारंभ के समय 86 विक्रेताओं से बढ़कर वर्तमान में 3,000 से अधिक विक्रेताओं तक पहुँच गया है।
  - यह वृद्धि सौर क्षेत्र में **रोज़गार** को बढ़ावा दे रही है और वर्ष 2029 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के उत्तर प्रदेश के लक्ष्य का समर्थन कर रही है।
- **दीर्घकालिक लक्ष्य:**
  - उत्तर प्रदेश की योजना वर्ष 2027 तक 22 गीगावाट की स्थापित सौर क्षमता हासिल करने की है। इसे अनुकूल नीतिगत ढाँचे और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के माध्यम से गति दी जाएगी।

श्रेणी	विवरण
राज्य की सौर क्षमता	23 गीगावाट
स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता	2,632 मेगावाट
PM-KUSUM योजना के अंतर्गत जोड़ी जाने वाली सौर क्षमता	2,000 मेगावाट
कुल विद्युत उत्पादन क्षमता (वित्त वर्ष 2028 तक)	40,191 मेगावाट (30,003 मेगावाट क्रियाशील)
उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति 2022	वित्त वर्ष 2028 तक 14 गीगावाट यूटिलिटी स्केल सौर ऊर्जा परियोजनाएँ प्रस्तावित
हरित विद्युत शुल्क	0.54 रुपये प्रति kWh (अतिरिक्त लागत का 50%)
नेट बिलिंग / नेट फीड-इन	UPERC द्वारा रूफटॉप सौर PV ग्रिड-इंटरएक्टिव प्रणाली (ग्रॉस/नेट मीटरिंग) हेतु लागू

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

- **शुरुआत: नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** द्वारा **फरवरी 2024** में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य छत पर सौर पैनल लगाकर एक करोड़ घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है।
- **बजट:** कुल 75,021 करोड़ रुपये के बजट के साथ, इस योजना को **वित्त वर्ष 2026-27** तक लागू करने की योजना है।
- **लाभ:** यह **प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान** करती है तथा स्थापना लागत का 40% तक सब्सिडी देती है, जिससे पूरे देश में **सौर ऊर्जा** को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा मिलता है।
- **पात्रता:** भारतीय नागरिक, मकान मालिक, **वैध बिजली कनेक्शन** रखने वाले तथा जिन्होंने पूर्व में कोई सौर सब्सिडी प्राप्त न की हो।
- **कार्यान्वयन:**
  - राष्ट्रीय स्तर पर – **राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी (NPIA)**
  - राज्य स्तर पर – **राज्य कार्यान्वयन एजेंसियाँ (SIA)**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मुख्य भाग:**
  - **केंद्रीय वित्तीय सहायता (CFA):** राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से छत पर सौर पैनल स्थापित करने वाले आवासीय उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
  - **आदर्श सौर ग्राम:** प्रत्येक ज़िले में एक आदर्श सौर ग्राम का निर्माण, ताकि सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा मिले।

काशी विश्वनाथ धाम प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र

चर्चा में क्यों ?

11 अगस्त, 2025 से काशी विश्वनाथ धाम को आधिकारिक तौर पर प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - मंदिर परिसर में प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने के लिये कई उपाय लागू किये गये, जिससे यह सतत् विकास और पर्यावरण-मित्रता का आदर्श उदाहरण बन गया।
- **पहल और प्रतिबंध:**
  - श्रावण मास से पूर्व एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध के बाद, काशी विश्वनाथ धाम प्रशासन ने जल ले जाने हेतु प्रयुक्त प्लास्टिक बर्तनों, प्रसाद के लिये दूध, फूल और अन्य पूजा सामग्री ले जाने हेतु प्रयुक्त प्लास्टिक की टोकरियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।
- **पर्यावरण अनुकूल विकल्प:**
  - इस पहल को समर्थन देने के लिये विक्रेताओं को धातु के बर्तनों के साथ-साथ बाँस की पट्टियों और स्टेनलेस स्टील से बनी **पर्यावरण-अनुकूल टोकरियाँ** उपलब्ध कराई गईं।

काशी विश्वनाथ मंदिर

- **स्थान:** वाराणसी, **गंगा नदी** (भारत की सबसे पवित्र नदी) के पश्चिमी तट पर।
- **महत्त्व:**
  - भारत के सबसे प्राचीन नगर और **सांस्कृतिक राजधानी** का प्रतीक।
  - यहाँ भगवान शिव का ज्योतिर्लिंग 'विश्वेश्वर' (विश्वनाथ) विराजमान है, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।
  - यह मंदिर आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, गोस्वामी तुलसीदास, महर्षि दयानंद सरस्वती, गुरु नानक आदि महान संतों का **आध्यात्मिक केंद्र** रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मंदिर निर्माण:**
  - वर्ष 1780 में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा निर्मित।
  - वर्ष 1785 में **मोहम्मद इब्राहीम खाँ** ने (गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के आदेश पर) 'नौबतखाना' (नक्कारखाना) का निर्माण कराया।
  - वर्ष 1839 में महाराजा रणजीत सिंह ने दो गुंबदों को स्वर्ण मंडित करने हेतु स्वर्ण दान दिया; तीसरा गुंबद आज भी आच्छादित नहीं है।

जलालाबाद का नया नाम परशुरामपुरी

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले स्थित **जलालाबाद** नगर का नाम बदलकर आधिकारिक रूप से **"परशुरामपुरी"** करने की स्वीकृति दे दी है।

मुख्य बिंदु

- केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार को नया नाम **परशुरामपुरी** अधिसूचित करने और इसे सभी क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ देवनागरी (हिंदी) तथा **रोमन (अंग्रेज़ी)** दोनों लिपियों में पंजीकृत करने का निर्देश दिया है।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने गृह मंत्रालय (MHA) को भेजे अपने अनुरोध में इस बात पर ज़ोर दिया था कि जलालाबाद को **परशुराम की जन्मस्थली** माना जाता है और यहाँ उनको समर्पित एक **प्राचीन मंदिर** भी है।
- **इतिहास:** जलालाबाद की स्थापना वर्ष **1560 के आसपास हुई थी** और इसका नाम मुगल सम्राट जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर (हुमायूँ के पुत्र) के नाम पर रखा गया था, जिन्हें अकबर महान के नाम से जाना जाता था। राज्य सरकार ने वर्ष 2016 में जलालाबाद को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना शुरू किया था।
- **ज़िले का नाम बदलने की प्रक्रिया:** ज़िलों के नाम बदलने या गठन में **केंद्र की कोई भूमिका नहीं** होती है, क्योंकि यह अधिकार राज्यों के पास होता है, लेकिन जब कोई राज्य किसी ज़िले या रेलवे स्टेशन का नाम बदलना चाहता है तो **गृह मंत्रालय की सहमति** आवश्यक होती है।
  - राज्य सरकार का प्रस्ताव अन्य विभागों एवं एजेंसियों जैसे **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, इंटेलिजेंस ब्यूरो, डाक विभाग,** भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग **तथा** रेलवे मंत्रालय को भेजा जाता है ताकि उनसे अनुमोदन प्राप्त किया जा सके।
  - उनकी प्रतिक्रियाओं की जाँच के बाद ***अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC)*** जारी किया जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

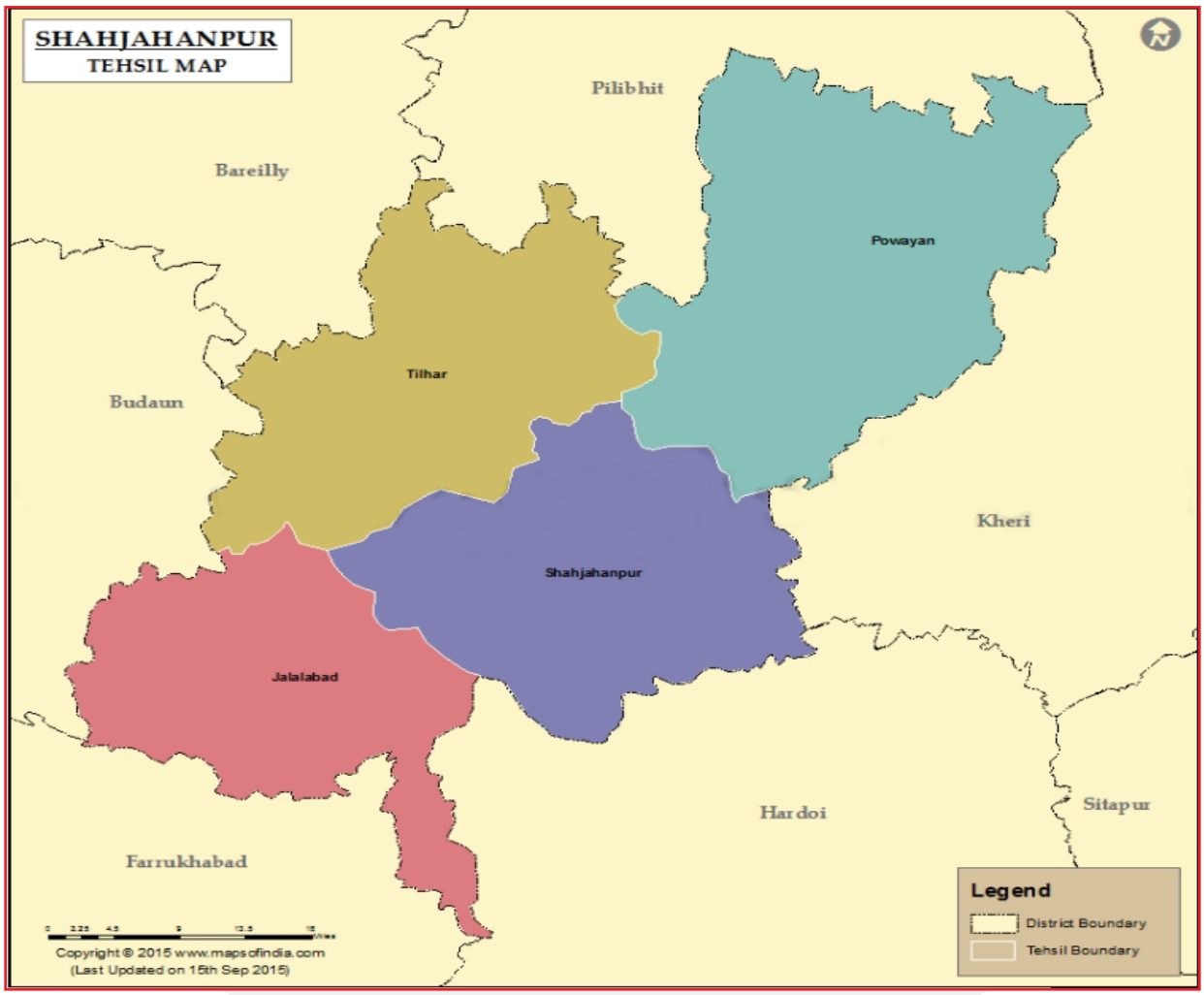

उत्तर प्रदेश में पूर्व में बदले गए स्थानों के नाम

पुराना नाम	नया नाम
इलाहाबाद	प्रयागराज
फैज़ाबाद	अयोध्या
मुगलसराय रेलवे स्टेशन	पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर
झाँसी रेलवे स्टेशन	वीरांगना लक्ष्मी बाई
बनारस	वाराणसी

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025

चर्चा में क्यों ?

राज्य में वैश्विक फुटवियर एवं चमड़ा क्षेत्र की स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार ने **'उत्तर प्रदेश फुटवियर, चमड़ा एवं गैर-चमड़ा क्षेत्र विकास नीति 2025'** को मंज़ूरी दे दी है।

मुख्य बिंदु

नीति की मुख्य विशेषताएँ

- **निर्यात को बढ़ावा:**
  - इस नीति का उद्देश्य **अंतर्राष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करके चमड़ा और गैर-चमड़ा निर्यात में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी को बढ़ाना है,** जिसके लिये **चीन तथा जापान** जैसे देशों में समर्पित निवेश अभियान चलाए जाएंगे।
- **आधुनिकीकरण:**
  - उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा रोज़गार सृजन के लिये **प्रौद्योगिकी को उन्नत करने,** उत्पादन सुविधाओं को आधुनिक बनाने तथा **प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने** पर ज़ोर दिया जाएगा।
    - चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किये जाएंगे।
  - IPR (बौद्धिक संपदा अधिकार) विकास को समर्थन देने के लिये अनुदान प्रदान किये जाएंगे, जिसमें प्रति इकाई **1 करोड़ रुपये** तक का प्रावधान है।
- **कौशल विकास:**
  - प्रशिक्षण केंद्र युवाओं के **कौशल उन्नयन** पर ध्यान केंद्रित करेंगे तथा शैक्षिक संस्थानों के साथ साझेदारी में विशेष **पाठ्यक्रम** तैयार किये जाएंगे।
  - अगले पाँच वर्षों में इस क्षेत्र में लगभग 22 लाख **नौकरियाँ** सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें महिलाओं और दिव्यांग लोगों को रोज़गार देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- **समर्पित चमड़ा पार्क:**
  - सरकार बड़े भूखंडों का निर्माण करेगी और **प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं**, अपशिष्ट उपचार संयंत्रों तथा अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे के साथ समर्पित चमड़ा पार्क स्थापित करेगी।
  - बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये कानपुर, आगरा और उन्नाव में **मेगा-लेदर पार्क** की स्थापना की जाएगी।
    - बुंदेलखंड और पूर्वांचल जैसे वंचित क्षेत्रों में परिचालन स्थापित करने के लिये विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।
- **वित्तीय प्रोत्साहन:**
  - इस नीति में नए चमड़ा पार्क और क्लस्टर स्थापित करने के लिये **प्रोत्साहन** तथा **सब्सिडी प्रदान** करके नए एवं मौजूदा दोनों व्यवसायों को समर्थन देने के प्रावधान शामिल हैं।
    - 50 एकड़ से अधिक भूमि पर चमड़ा पार्क या क्लस्टर स्थापित करने के लिये **25% पूंजीगत सब्सिडी।**
    - परियोजना से संबंधित भूमि खरीद के लिये **स्टांप ड्यूटी पर 100% छूट।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पहले तीन वर्षों** के लिये नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के बाहर के बाज़ारों में उत्पादों के निर्यात के लिये **50% परिवहन लागत** की प्रतिपूर्ति।

- **सतत् विकास पर ध्यान:**
  - कार्बन क्रेडिट प्रमाणन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणन और **ऊर्जा ऑडिट** अपनाने पर 50% प्रतिपूर्ति।
  - अंतर्राष्ट्रीय सतत् प्रमाणन प्राप्त करने पर 75% सब्सिडी।
  - **बायोडिग्रेडेबल टैनिंग एजेंट और वाटरलेस डाईंग तकनीक** अपनाने का समर्थन।

उद्योग अंतर्दृष्टि

- **बाजार स्थिति:** उत्तर प्रदेश भारत के प्रमुख चमड़ा और फुटवियर हब में से एक है, जो भारत के **कुल चमड़ा निर्यात का लगभग 46% योगदान** देता है।
- **मुख्य स्थान: आगरा 'भारत की फुटवियर राजधानी'** के रूप में प्रसिद्ध है, जबकि कानपुर चमड़े के सामान और काठी के सामान में प्रमुख है।
- **अनुमानित बाज़ार आकार:** उत्तर प्रदेश के चमड़ा उद्योग का बाज़ार आकार लगभग 3.5 अरब डॉलर है, जिसमें फुटवियर खंड का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

प्रथम खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रथम खेलो इंडिया **वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल** (KIWSF) 21 से 23 अगस्त 2025 तक डल झील में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 400 से अधिक प्रतिभागी **रोइंग, कैनोइंग और कयाकिंग** में प्रतिस्पर्द्धा करेंगे।

- गुलमर्ग में खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के बाद यह जम्मू-कश्मीर में दूसरा खेलो इंडिया आयोजन होगा, जिससे यह क्षेत्र भारत के शीतकालीन खेल केंद्र के रूप में स्थापित हो जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **स्पोर्ट्स फेस्टिवल के बारे में:**
  - KIWSF 2025 का आयोजन सरकार की **खेलो भारत** पहल के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और **जम्मू-कश्मीर खेल परिषद** द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **ज़मीनी स्तर** पर खेलों का विस्तार करना, **स्थानीय रोजगार सृजित** करना और **अवसंरचना का आधुनिकीकरण** करना है।
- **प्रतियोगिताएँ:**
  - यह पहली समेकित ओपन-एज श्रेणी चैंपियनशिप होगी, जिसमें सभी 14 कयाकिंग और कैनोइंग प्रतियोगिताएँ तथा 10 रोइंग प्रतियोगिताएँ ओलंपिक **प्रतियोगिताएँ** होंगी।
  - इसके अलावा तीन प्रदर्शन कार्यक्रम भी होंगे - वाटर स्कीइंग, शिखर बोट स्प्रिंग और ड्रैगन बोट रेस।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **योग्यता:**
  - टिहरी (उत्तराखंड) में नवंबर 2024 में आयोजित कयाकिंग और कैनोइंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता क्वालीफायर के रूप में आयोजित की गई थी, जिसमें एकल तथा युगल में शीर्ष 15 तथा चतुर्थ वर्ग में शीर्ष आठ खिलाड़ी KIWSF में पहुँचे थे।
  - नौकायन में, मार्च 2025 में भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के शीर्ष आठ खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे।
- **प्रतिभागी:**
  - KIWSF में **36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एथलीट शामिल होंगे,** जिसमें सेवा टीम शामिल नहीं होगी।
  - खेलों में **लगभग समान प्रतिनिधित्व होगा,** जिसमें 409 एथलीट पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करेंगे, जिनमें 202 महिलाएँ शामिल होंगी।
  - **मध्य प्रदेश (44),** हरियाणा (37), ओडिशा (34) और केरल (33) का KIWSF 2025 में सबसे बड़ा दल होगा।
  - **गुजरात,** पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल की टीमें सबसे छोटे दल होंगे।

खेलो इंडिया

- भारत सरकार द्वारा **वर्ष 2017** में शुरू किये गए खेलो इंडिया का उद्देश्य ज़मीनी स्तर पर बच्चों को शामिल करके और विभिन्न खेलों के लिये बुनियादी ढाँचे तथा अकादमियों को बढ़ाकर देश की खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करना है।
  - इस पहल की शुरुआत वर्ष 2018 में नई दिल्ली में **खेलो इंडिया स्कूल गेम्स** के साथ हुई थी और **वर्ष 2018 में** भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) के शामिल होने के बाद, खेलों का नाम बदलकर **खेलो इंडिया यूथ गेम्स** कर दिया गया, जिसका पहला संस्करण वर्ष 2019 में पुणे में आयोजित किया गया था।
- **खेलो इंडिया आंदोलन** ने **खेलो इंडिया युवा खेल (KIYG), खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल (KIUG)** और **खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (KIWG)** को वार्षिक राष्ट्रीय खेल आयोजनों के रूप में पेश किया, जहाँ विभिन्न राज्यों तथा विश्वविद्यालयों के युवा अपने कौशल का प्रदर्शन करते हैं एवं पदक के लिये प्रतिस्पर्द्धा करते हैं।
- **खेलो इंडिया कैलेंडर** में एक नया शामिल, **खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल** और **खेलो इंडिया बीच गेम्स**, जो मई 2025 में दीव में आयोजित किये गए, इस पहल के तहत आयोजनों के विस्तार पर प्रकाश डालते हैं।
- **खेलो इंडिया यूथ गेम्स**, जो वर्ष 2018 में 18 खेलों के साथ शुरू हुआ था, वर्ष 2025 में बिहार में आयोजित होने पर 27 खेलों तक विस्तारित हो गया, जिसमें पुरुष और महिलाओं दोनों के लिये अंडर-17 तथा अंडर-21 श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।
- **खेलो इंडिया सेंटर** पहल, **खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (KISCE)** योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत में ज़मीनी स्तर पर खेल बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना है।

IOAA 2025 में भारत का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों ?

भारत की राष्ट्रीय टीम ने 15 से 21 अगस्त तक **मुंबई** में आयोजित **18वें** अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड **(IOAA) 2025** में चार स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीते।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

पदक विजेताओं के बारे में:

- **स्वर्ण पदक विजेता:**
  - आरुष मिश्रा (बंगलूरू)
  - बनीब्रत माजी (दिल्ली)
  - पाणिनि (पटना)
  - अक्षत श्रीवास्तव (कोलकाता)
- **रजत पदक विजेता:**
  - **गुरुग्राम** के **सुमंत गुप्ता ने रजत पदक** जीता।
- **प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताएँ:**
  - इस वर्ष IOAA में विश्व के **288 विद्यार्थियों** ने भाग लिया, जहाँ व्यावहारिक और सैद्धांतिक परीक्षाओं की श्रृंखला आयोजित की गई।
  - **ईरान ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया** और उसके सभी पाँच प्रतिभागियों ने स्वर्ण पदक जीते।
- **समापन समारोह और पुरस्कार:**
  - IOAA का समापन 21 अगस्त, 2025 को भव्य समारोह के साथ हुआ। इस दौरान कुल 145 पदक प्रदान किये गए, जिनमें 50 स्वर्ण, 44 रजत और 51 कांस्य पदक शामिल थे।
  - होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट के कुलपति ने विजेताओं को बधाई दी और उनके वैज्ञानिक उत्कृष्टता के प्रयासों की सराहना की।
  - साथ ही, उन्होंने खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत के बढ़ते निवेशों को भी रेखांकित किया।
- **वैश्विक भागीदारी:**
  - **ऑस्ट्रेलिया** और **हांगकांग** ने इस बार पहली बार सफलता हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने रजत पदक जीता जबकि हांगकांग ने भी रजत पदक अर्जित किया।
  - इटली ने तीन कांस्य पदक प्राप्त किये, जो अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षा के प्रति वैश्विक रुचि को दर्शाता है।
- **IOAA के बारे में:**
  - वर्ष 2007 में स्थापित **IOAA** खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी में रुचि रखने वाले हाई स्कूल के छात्रों के लिये एक प्रमुख वैश्विक कार्यक्रम है।
  - इस वर्ष इसका आयोजन **होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र** (HBCSE) द्वारा किया गया, जो टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) का एक अंग है।

द कुंज का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा की विविध विरासत के उत्सव तथा उसके प्रोत्साहन हेतु समर्पित एक **खुदरा एवं सांस्कृतिक गंतव्य "द कुंज"** का उद्घाटन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **द कुंज के बारे में:**
  - **द कुंज** एक अभिनव पहल है, जो कारीगरों को सशक्त बनाने, बाज़ार पहुँच में सुधार लाने और **डिज़ाइन-संचालित** अनुभवात्मक दृष्टिकोण के साथ शिल्प क्षेत्र की पुनर्कल्पना करने पर केंद्रित है।
  - **विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा** परिकल्पित और विकसित इस पहल का उद्देश्य अपने अद्वितीय डिज़ाइन-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से हस्तशिल्प क्षेत्र में परिवर्तन लाना है।
  - यह भारत की अपनी तरह की पहली पहल है, जिसे बड़े पैमाने पर **शिल्पों को बढ़ावा देने** और कारीगरों को *"गाँव से ग्लोबल"* तक पहुँचाने की केंद्र सरकार की परिकल्पना के अनुरूप तैयार किया गया है।
  - **द कुंज** तीन महीने के उद्घाटन समारोह की शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें **शोरूम**, **लाइव शिल्प प्रदर्शननी**, कारीगरों के नेतृत्व वाली कार्यशालाएँ, खाद्य-कला अनुभव तथा आकर्षक प्रदर्शनियों का सुव्यवस्थित संयोजन प्रस्तुत किया गया है।
  - इस पहल की सफलता से यह अपेक्षा है कि यह भारत में इसी प्रकार की अन्य परियोजनाओं के लिये एक आदर्श के रूप में कार्य करेगी तथा पारंपरिक शिल्पकला तथा हस्तनिर्मित उत्कृष्टता के **वैश्विक केंद्र** के रूप में भारत की भूमिका को और अधिक **मज़बूत** बनाएगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस की सवेरा योजना

चर्चा में क्यों ?

21 अगस्त, 2025 को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश पुलिस की आपातकालीन इकाई **UP-112** ने 'सवेरा योजना' में पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों से पुनः जुड़ने के लिये एक विशेष पहल की शुरुआत की।

- इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य की जाँच (wellness checks) करके तथा प्रारंभिक स्तर पर सहायता प्रदान करके वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, **कल्याण** और **सम्मान** सुनिश्चित करना है।

मुख्य बिंदु

सवेरा योजना के बारे में:

- **शुभारंभ:** इस पहल का शुभारंभ **26 अक्तूबर, 2019** को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य नागरिकों के साथ नियमित **सामुदायिक संपर्क स्थापित करना** तथा उनकी व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं का प्रारंभिक स्तर पर ही समाधान करना है, ताकि नागरिकों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न की जा सके।
- **पंजीकरण:** वरिष्ठ नागरिक पंजीकरण के लिये UP-112 पर कॉल कर सकते हैं और पंजीकरण के बाद, यदि आवश्यक हो तो उन्हें निकटतम पुलिस स्टेशन या पुलिस प्रतिक्रिया वाहन से सुरक्षा सहायता प्राप्त होगी।
- **विशेष प्रकोष्ठ:** वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित मुद्दों के समाधान में सहायता के लिये ज़िला स्तर पर तथा प्रत्येक पुलिस थाने में एक विशेष वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ (*Senior Citizen Cell*) का गठन किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

- यह दिवस हर साल **21 अगस्त** को वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मानित करने, वैश्विक स्तर पर उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सिल्वर अर्थव्यवस्था के बढ़ते महत्त्व को उजागर करने के लिये मनाया जाता है।
  - **सिल्वर अर्थव्यवस्था** से तात्पर्य वरिष्ठ नागरिकों के लिये सभी आर्थिक गतिविधियों, वस्तुओं और सेवाओं से है।
- विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस की शुरुआत वर्ष 1988 में हुई थी, जब अमेरिका के राष्ट्रपति **रोनाल्ड रीगन** ने 21 अगस्त को वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और समर्थक नीतियों को बढ़ावा देने हेतु समर्पित किया।
- यह अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस से अलग है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **1 अक्तूबर** को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया था, जिसे पहली बार वर्ष 1991 में मनाया गया था।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस उत्सव

चर्चा में क्यों ?

23 अगस्त, 2025 को मनाए गए राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर **लखनऊ** के सभी स्कूलों में अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की प्रगति का उत्सव मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- उत्सव के बारे में:
  - समारोह में NCERT द्वारा विकसित एक नया शैक्षिक मॉड्यूल '**भारत: एक उभरती हुई अंतरिक्ष शक्ति**' लॉन्च किया गया।
  - इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऑनलाइन/ऑफलाइन सत्रों के माध्यम से छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में करियर के लिये प्रेरित करना है।
  - छात्रों को अंतरिक्ष अन्वेषण से अवगत कराने के लिये दीक्षा, निष्ठा और इंडिया ऑन द मून पोर्टल जैसे संसाधनों का भी उपयोग किया गया।
- **राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस**
  - यह दिवस चंद्रयान-3 मिशन के **विक्रम लैंडर** की सफल लैंडिंग और 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा पर **प्रज्ञान रोवर** की **स्थापना** (deployment) की स्मृति में मनाया जाता है।
  - चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के साथ ही भारत चंद्रमा **पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश** और उसके **दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र तक पहुँचने वाला पहला देश** बन गया।
  - भारत ने अपना **पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त, 2024** को मनाया।
- **थीम 2025:**
  - आर्यभट्ट से गगनयान: प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक
- **आयोजन:**
  - **राष्ट्रीय सम्मेलन 2025**, जिसका विषय था *"विकसित भारत 2047 के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना"*, इसमें विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका पर विचार किया गया।
  - **भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL)** ने *"आर्यभट्ट से गगनयान: प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक"* विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

महत्त्व:

यह भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण **क्षमताओं पर प्रकाश डालता** है और इसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों को **विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM)** में करियर बनाने के लिये प्रेरित करना है, जिससे भारत के चल रहे अंतरिक्ष प्रयासों में योगदान मिलेगा।

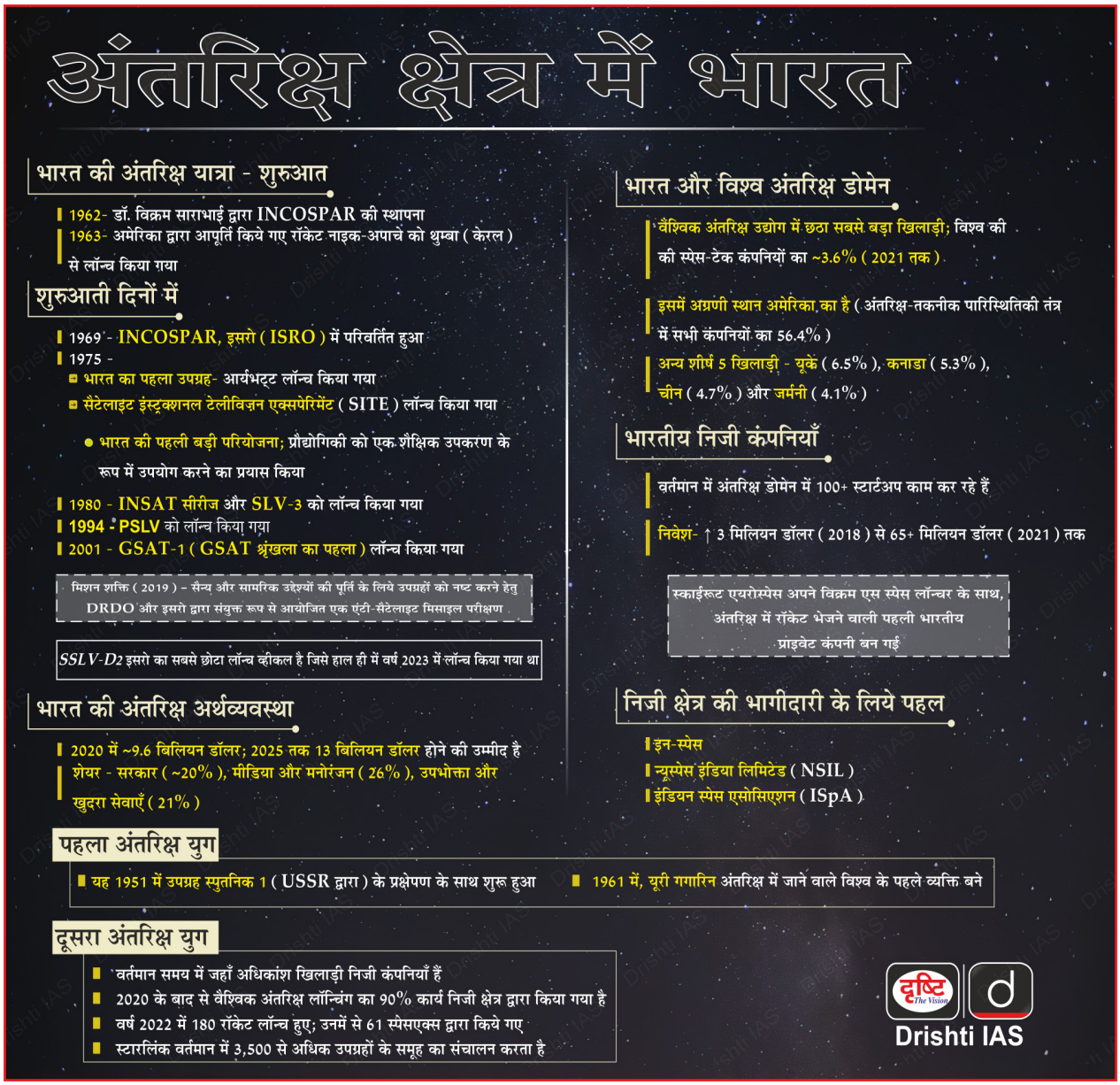

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

जीबी नगर और श्रावस्ती शिकायत निवारण में अग्रणी

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली** (Integrated Grievance Redressal System) के माध्यम से अपनी **शिकायत निवारण रिपोर्ट** जारी की, जिसमें उन ज़िलों को हाइलाइट किया गया जहाँ नागरिक संतुष्टि सबसे अधिक थी।

मुख्य बिंदु

- **पुलिस शिकायत निवारण: गौतम बुद्ध (जीबी) नगर 98.72% संतुष्ट प्रतिक्रिया दर** के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद पीलीभीत (98.23%), बलिया (96.04%), बस्ती (95.43%) और श्रावस्ती (95.14%) हैं।
- **ज़िला मजिस्ट्रेट शिकायत निवारण:** श्रावस्ती 90.2% संतुष्टि के साथ अग्रणी रहा, इसके बाद शाहजहाँपुर (89.08%), बलरामपुर (83.44%), हमीरपुर (82.15%) और बरेली (80.11%) हैं।
- **पारदर्शिता के लिये तंत्र:** जिन अधिकारियों के विरुद्ध शिकायत दर्ज की गई है, उनके द्वारा शिकायतों को बंद नहीं किया जा सकता; वरिष्ठ अधिकारी जैसे ADM, ASP, DCP या DCP-स्तरीय अधिकारी निवारण की समीक्षा करते हैं और सीधे शिकायतकर्त्ताओं के साथ संवाद करते हैं।

शुभांशु शुक्ला को लखनऊ में सम्मानित किया गया

चर्चा में क्यों ?

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय ग्रुप कैप्टन **शुभांशु शुक्ला** को अपने गृह नगर लखनऊ लौटने पर उत्तर प्रदेश सरकार ने लोकभवन में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया जहाँ मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने शुभांशु शुक्ला और उनके परिवार को सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **छात्रवृत्ति:** मुख्यमंत्री ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिये शुभांशु के नाम पर छात्रवृत्ति की स्थापना की घोषणा की तथा इस बात पर प्रकाश डाला कि चार दशक बाद किसी भारतीय को अंतरिक्ष की यात्रा करने का अवसर मिला है।
  - अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में राज्य की सक्रिय भागीदारी को भी रेखांकित किया गया जहाँ उत्तर प्रदेश में एक दर्जन से अधिक संस्थान अब इससे संबंधित पाठ्यक्रम चला रहे हैं।
- **डाक टिकट:** भारतीय डाक ने शुभांशु के अंतरिक्ष मिशन के सम्मान में एक डाक आवरण और टिकट भी जारी किया।
- **मोबाइल इनोवेशन प्रोग्राम:** सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (CMS), लखनऊ ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (AKTU) के सहयोग से शुभांशु शुक्ला इनोवेशन एक्सप्रेस नामक एक मोबाइल इनोवेशन प्रोग्राम की शुरुआत की।
- **आपदा प्रबंधन में भूमिका:** मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन में सुधार लाने में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की **महत्त्वपूर्ण** भूमिका पर भी ज़ोर दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

शुभांशु शुक्ला

- भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन **शुभांशु शुक्ला** वर्ष 2025 में निजी मिशन पर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) की यात्रा करने वाले पहले **भारतीय अंतरिक्ष यात्री** हैं।
  - इसका नेतृत्व NASA की अंतरिक्ष यात्री **पैगी व्हिटसन** ने किया और शुभांशु शुक्ला ने मिशन पायलट के रूप में कार्य किया।
  - वे भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम 'गगनयान' के लिये भी अंतरिक्ष यात्री-नामांकित (astronaut-designate) हैं।
- वे NASA और ISRO के बीच एक संयुक्त उद्यम **एक्सिओम मिशन**-4 (Ax-4) के हिस्से के रूप में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्षयान में सवार हुए।
- Ax-4 मिशन में भारत, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री शामिल थे तथा यह चार दशक बाद इस प्रकार का पहला बहु-देशीय सहयोग बना।
  - अंतरिक्ष यात्री दल ने ISS पर **14 दिन** व्यतीत किये और इस दौरान NASA तथा ISRO के साथ मिलकर वैज्ञानिक प्रयोगों, शैक्षिक गतिविधियों तथा वाणिज्यिक कार्यों का संचालन किया।
- उल्लेखनीय है कि **वर्ष 1984 में** राकेश शर्मा सोवियत संघ के सोयूज T-11 मिशन (इंटरकोस्मोस कार्यक्रम) के तहत अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय थे।

लोक संवर्द्धन पर्व

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा *लोक संवर्द्धन पर्व* का **पाँचवाँ संस्करण** 26 अगस्त से 4 सितंबर, 2025 तक **कोच्चि (केरल)** में आयोजित किया जा रहा है।

- यह केरल में आयोजित होने वाला पहला *लोक संवर्द्धन पर्व* होगा। इसमें देशभर से 100 से अधिक शिल्पकार तथा 15 खाद्य कला-विशेषज्ञ भाग लेंगे।

मुख्य बिंदु

- **लोक संवर्द्धन पर्व** अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों के कारीगरों, शिल्पकारों, बुनकरों, खाद्य कला विशेषज्ञों और उद्यमियों को बाज़ार संपर्क तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर उन्हें **सशक्त बनाना** है।
- **उद्देश्य:** इस महोत्सव का उद्देश्य भारत की **समृद्ध विविधता** का उत्सव मनाना तथा अल्पसंख्यक समुदायों को *अपने कला, शिल्प और पाक-कौशल को प्रदर्शित करने* के लिये एक मंच उपलब्ध कराना है। यह पहल अल्पसंख्यक समुदायों के बीच समावेशी विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- **शिल्प:** इस महोत्सव में विभिन्न प्रकार के पारंपरिक शिल्प प्रदर्शित किये जाएंगे, जिनमें सम्मिलित हैं:

शिल्प/कला	क्षेत्र	शिल्प/कला	क्षेत्र
ज़री और चिकनकारी	उत्तर प्रदेश	फूलकारी कढ़ाई	पंजाब
मधुबनी पेंटिंग	बिहार	ब्लू पॉटरी	राजस्थान

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

पश्मीना बुनाई	लद्दाख	बस्तर लौह शिल्प	छत्तीसगढ़
चन्नपटना लकड़ी के खिलौने	कर्नाटक	नेट्टिपट्टम निर्माण	केरल

भारत के अल्पसंख्यक समुदाय

- **अल्पसंख्यक समुदाय:**
  - केंद्र सरकार ***राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम (NCMA), 1992*** के तहत अल्पसंख्यक का दर्जा निर्धारित करती है।
  - इसके अंतर्गत **मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन** (वर्ष 2014 में जोड़े गए) और **पारसी** को आधिकारिक रूप से **अल्पसंख्यक समुदाय** के रूप में मान्यता दी जाती है।
    - जनगणना 2011 के अनुसार ये भारत की कुल जनसंख्या का लगभग **19.3%** हैं।
  - अधिकांश राज्य केंद्रीय सूची का पालन करते हैं, किंतु महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों की अपनी सूची भी हो सकती है (उदाहरणार्थ, महाराष्ट्र में यहूदी अधिसूचित अल्पसंख्यक हैं)।
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 29:** अल्पसंख्यकों को अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि और संस्कृति को संरक्षित रखने का अधिकार प्रदान करता है तथा **धर्म, वंश, जाति या भाषा** के आधार पर भेदभाव पर प्रतिबंध लगाता है।
  - **अनुच्छेद 30:** अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रबंधन करने का अधिकार देता है।
- **अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा हेतु संस्थाएँ:**
  - **अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय:** वर्ष 2006 में स्थापित, यह ***सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय*** से अलग होकर गठित हुआ। इसका उद्देश्य भारत में अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये कार्यक्रमों का समन्वय करना है।
  - **राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM):** *NCMA, 1992* के तहत गठित यह आयोग संविधान और संसद द्वारा अधिनियमित कानूनों के अनुरूप अल्पसंख्यक समूहों के हितों की रक्षा करता है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश से **मधुरिमा तिवारी (मिर्ज़ापुर)** और **रामलाल सिंह यादव (भदोही)** का चयन वर्ष 2025 में **राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार** हेतु किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें शिक्षक दिवस (5 सितंबर, 2025) के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।

- शिक्षक दिवस, **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन** (1888-1975) की जयंती के रूप में मनाया जाता है।

मुख्य बिंदु

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के बारे में:

- वर्ष 1958 में स्थापित ये पुरस्कार शिक्षा मंत्रालय (MoE) की देखरेख में भारत के राष्ट्रपति अथवा उपराष्ट्रपति द्वारा प्रतिवर्ष **शिक्षक दिवस** (5 सितंबर) पर प्रदान किये जाते हैं।
- यह पुरस्कार देश के **असाधारण शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता** तथा छात्र विकास में सुधार लाने में उनके **योगदान** के लिये प्रदान किये जाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसमें योग्यता प्रशस्ति-पत्र, **50,000 रुपये का नकद पुरस्कार** और एक रजत पदक प्रदान किया जाता है।

- **राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025:** भारत के 45 शिक्षकों को वर्ष 2025 में उनके समर्पण, नवाचार, छात्र नामांकन में सुधार, ड्रॉपआउट दर को कम करने तथा रचनात्मक शिक्षण विधियों की शुरुआत करने में योगदान हेतु सम्मानित किया जाएगा।
- **महत्त्व:** यह पुरस्कार प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के *उल्लेखनीय प्रयासों* को मान्यता देता है, जिनके माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में सुधार, विद्यार्थियों को प्रेरणा तथा समाज में सार्थक परिवर्तन संभव होता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

- **जन्म:**
  - इनका जन्म 5 सितंबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तनी नगर में एक तेलुगु परिवार में हुआ।
- **शैक्षणिक उपलब्धियाँ:**
  - इन्होंने कई प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया, जिनमें सम्मिलित हैं—कलकत्ता विश्वविद्यालय में *किंग जॉर्ज पंचम चेयर* (1921-1932), आंध्र विश्वविद्यालय के दूसरे कुलपति (1931-1936) और **बनारस हिंदू विश्वविद्यालय** के चौथे कुलपति (1939-1948)।
  - इसके अतिरिक्त, वर्ष 1936 से 1952 तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में *ईस्टर्न रिलीजन एंड एथिक्स* के प्रोफेसर रहे।
- **राजनीतिक जीवन:**
  - उन्होंने वर्ष 1952 से 1962 तक **भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति** और वर्ष 1962 से 1967 तक **भारत के दूसरे राष्ट्रपति** के रूप में कार्य किया।
- **दार्शनिक योगदान:**
  - दार्शनिक क्षेत्र में इन्हें भारत और पश्चिम के बीच *सेतु-निर्माता* के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **सम्मान:**
  - वर्ष 1984 में उन्हें मरणोपरांत (मृत्यु के बाद) **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।
  - वर्ष 1931 में ब्रिटेन के तत्कालीन सम्राट *किंग जॉर्ज पंचम* द्वारा उल्लेखनीय शैक्षणिक योगदान हेतु इन्हें ***नाइटहुड*** से सम्मानित किया गया।

भारत ने AIBD के कार्यकारी बोर्ड की अध्यक्षता की

चर्चा में क्यों ?

भारत को थाईलैंड के फुकेट में 19 से 21 अगस्त, 2025 तक आयोजित 23वें **AIBD महासम्मेलन** के दौरान **एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान (AIBD)** के कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष चुना गया। इससे पहले भारत ने वर्ष 2016 में AIBD कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष का पद संभाला था।

मुख्य बिंदु

- **AIBD सामान्य सम्मेलन (GC 2025) के बारे में:**
  - AIBD की 23वीं **GC 2025** और संबद्ध बैठकों ने **इलेक्ट्रॉनिक मीडिया** के वैश्विक हितधारकों को एकत्र किया, जिसका उद्देश्य नीतिगत चर्चाओं तथा संसाधन साझाकरण के माध्यम से **एशिया-प्रशांत क्षेत्र** में एक गतिशील और सहयोगात्मक मीडिया परिदृश्य को बढ़ावा देना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- भारत **AIBD GC** का अध्यक्ष है। प्रसार भारती के सीईओ **गौरव द्विवेदी** अगस्त, 2025 तक AIBD GC के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

विषय:

- इस वर्ष का विषय था ***"शांति, समृद्धि और जनता के लिये मीडिया"***।

महत्त्व:

- यह प्रसारण के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व में वैश्विक विश्वास को उजागर करता है तथा दुनिया भर में मीडिया विकास को आकार देने में भारत के लिये और भी अधिक रणनीतिक तथा प्रभावशाली भूमिका निभाने का मंच तैयार करता है।

एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (AIBD)

- **स्थापना:** AIBD की स्थापना वर्ष 1977 में UNESCO के मार्गदर्शन में हुई थी, जिसमें भारत एक **संस्थापक सदस्य** है।
- **संस्थापक संगठन:** इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (ITU), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और एशिया-पैसिफिक ब्रॉडकास्टिंग यूनियन (ABU) संस्थापक संगठन हैं, जो **सामान्य सम्मेलन के गैर-मतदान सदस्य** हैं।
- **भारत का प्रतिनिधित्व:** भारत का प्रतिनिधित्व प्रसार भारती, जो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सार्वजनिक सेवा प्रसारक संस्था है, द्वारा किया जाता है।
- **सदस्यता:** यह एक **विशिष्ट क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन** है, जिसमें 45 देशों के 92 से अधिक सदस्य संगठन हैं।
- **सचिवालय:** इसका सचिवालय कुआलालंपुर में स्थित है और इसे **मलेशिया सरकार द्वारा संचालित** किया जाता है।

अर्थ ओवरशूट डे 2025

चर्चा में क्यों ?

इस वर्ष **24 जुलाई, 2025** को अर्थ ओवरशूट डे मनाया गया। **यह अब तक की सबसे प्रारंभिक तिथि है,** जब मानवता की **पारिस्थितिकी संसाधनों की मांग,** पृथ्वी द्वारा एक वर्ष में पुनर्जीवित किये जाने वाले संसाधनों से अधिक हो गई।

- इसका अर्थ यह है कि मनुष्य ने **सात महीनों से भी कम समय में पूरे वर्ष के संसाधनों का उपभोग** कर लिया है।

मुख्य बिंदु

अर्थ ओवरशूट डे के बारे में:

परिभाषा:

- अर्थ ओवरशूट डे उस तिथि को चिह्नित करता है, जब मानवता की **पारिस्थितिकी संसाधनों एवं सेवाओं की मांग पृथ्वी की उस वर्ष की पुनर्जीवन क्षमता से अधिक हो जाती है।**

प्रारंभ:

- अर्थ ओवरशूट डे का विचार सबसे पहले यूके थिंक टैंक **न्यू इकोनॉमिक्स फाउंडेशन** के एंड्रयू सिम्स द्वारा प्रस्तावित किया गया था। न्यू इकोनॉमिक्स फाउंडेशन ने वर्ष 2006 में **ग्लोबल फुटप्रिंट नेटवर्क** के साथ मिलकर यह अभियान शुरू किया था। वर्ष 2007 से, वर्ल्ड वाइड फंड (WWF) इस पहल में सहयोग कर रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **आकलन:**
  - इस दिवस का आकलन ग्लोबल फुटप्रिंट नेटवर्क द्वारा **यॉर्क विश्वविद्यालय** के राष्ट्रीय फुटप्रिंट और बायोकैपेसिटी खातों के आधार पर किया जाता है।
  - वैश्विक उपभोग पैटर्न को अधिक सटीक एवं अद्यतन रूप में दर्शाने हेतु आँकड़ों को प्रतिवर्ष अद्यतन किया जाता है।
- **सूत्र:**

$$\text{Earth Overshoot Day} = \left(\frac{\text{Earth's Biocapacity}}{\text{Humanity's Ecological Footprint}} \right) \times 365$$

- **जैवक्षमता (Biocapacity) बनाम पारिस्थितिकी पदचिह्न (Ecological Footprint):**
  - **जैवक्षमता:** वह मात्रा जिसे पृथ्वी एक वर्ष में पुन: उत्पन्न कर सकती है, जैसे- वन, चराई भूमि, कृषि भूमि एवं मत्स्य क्षेत्र आदि।
    - यह पृथ्वी के **उत्पादक भूमि और समुद्री क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती है**, जिसमें वन, चरागाह भूमि, कृषि भूमि तथा मत्स्य शामिल हैं।
  - **पारिस्थितिकी पदचिह्न:** इन संसाधनों पर मानवता की कुल मांग (जिसमें भोजन, लकड़ी, शहरी बुनियादी ढाँचे के लिये स्थान और **कार्बन डाइऑक्साइड** अवशोषण शामिल हैं)।
    - यह जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न CO_2 उत्सर्जन को अवशोषित करने के लिये भोजन, फाइबर, लकड़ी और स्थान जैसे संसाधनों की जनसंख्या की मांग को मापता है।
- **वैश्विक प्रभाव**
  - **पारिस्थितिकी हानि:** जब किसी क्षेत्र की मांग उसकी पारिस्थितिकी आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो वहाँ **पारिस्थितिकी हानि** होती है। इस हानि को संसाधनों के आयात, स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्रों के अति-दोहन (जैसे अत्यधिक मछली पकड़ना) और वायुमंडल में CO_2 उत्सर्जन द्वारा पूरा किया जाता है।
  - **वैश्विक ओवरशूट:** वैश्विक स्तर पर, **पारिस्थितिकी हानि और ओवरशूट समानार्थी** हैं, क्योंकि ग्रह पर संसाधनों का कोई शुद्ध आयात नहीं है।

सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने युवाओं को सड़क सुरक्षा उपायों में सहभागी बनाने तथा दुर्घटनाओं तथा मृत्यु-दर को कम करने के लिये, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) द्वारा प्रारंभ किये गये **सड़क सुरक्षा मित्र (SSM) कार्यक्रम** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **सड़क सुरक्षा मित्र (SSM) कार्यक्रम के बारे में:**
  - यह पहल **युवा मामले और खेल मंत्रालय** के सहयोग से प्रारम्भ की गई है। इसके अंतर्गत MYBharat प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर तैनात किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **लक्ष्य:**
  - इस कार्यक्रम का लक्ष्य **18 से 28 वर्ष की आयु के ऐसे युवा हैं**, जिनका कोई यातायात चालान लंबित नहीं है। इसके **पहले चरण में** देशभर के **100 ज़िलों** को शामिल किया जाएगा।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम:**
  - **सामान्य स्वयंसेवक:** एक सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्राथमिक उपचार एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता सम्मिलित होगी।
  - **सिविल इंजीनियरिंग स्नातक:** 15-दिवसीय प्रशिक्षण, जिसमें रोड सेफ्टी ऑडिट, ब्लैक स्पॉट की पहचान, जागरूकता अभियान एवं फील्ड सर्वे शामिल होंगे।
- **सम्मान:**
  - उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को **प्रमाण-पत्र और गुड समेरिटन पुरस्कार** प्रदान किये जाएंगे।
- **कार्यान्वयन:**
  - यह पहल उत्तर प्रदेश के **28 ज़िलों** में लागू की जाएगी, जिनमें कानपुर नगर, बुलंदशहर, प्रयागराज और आगरा आदि शामिल हैं।
- **कार्यक्रम निरीक्षण:**
  - **ज़िला सड़क सुरक्षा समितियाँ (DRSC)**, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के 12-चरणीय रोडमैप के अनुरूप, स्वयंसेवकों को शामिल करने, प्रशिक्षण देने और मासिक निष्पादन समीक्षा सहित कार्यान्वयन सुनिश्चित करेंगी।
- **अपेक्षित परिणाम:**
  - सड़क दुर्घटनाओं एवं चोटों में कमी
  - आपातकालीन सेवाओं में सुधार
  - सड़क सुरक्षा में युवाओं की भागीदारी में वृद्धि
  - प्रशिक्षण, क्षेत्र अध्ययन और डाटा-आधारित रिपोर्टिंग के माध्यम से ज़िला-स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रणाली का सशक्तीकरण

आयुर्वेद दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

आयुर्वेद दिवस, जिसे पहली बार वर्ष 2016 में मनाया गया था, **अब प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को मनाया जाएगा** तथा पूर्व में धन्वंतरि जयंती (धनतेरस) **पर मनाने की प्रथा को समाप्त** कर दिया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **आयुर्वेद दिवस के बारे में:**
  - 23 सितंबर की **निश्चित तिथि** के साथ, आयुर्वेद दिवस वैश्विक कैलेंडर में एक स्थायी स्थान प्राप्त करने के लिये अग्रसर है, जो आयुर्वेद की **समृद्ध परंपरा** के माध्यम से विश्वव्यापी स्वास्थ्य, कल्याण तथा पारिस्थितिकीय स्थिरता में योगदान देगा।
  - आयुर्वेद **व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम** से विश्व स्तर पर फैल चुका है, जिसने **तिब्बत, चीन और अन्य क्षेत्रों में** पारंपरिक औषधि-प्रणालियों को प्रभावित किया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह एक **वैश्विक आंदोलन** के रूप में विकसित हो चुका है, जिसे 24 देशों में पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है तथा **100 से अधिक देश इसके उत्पादों का आयात** करते हैं।

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु-** चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि -** शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

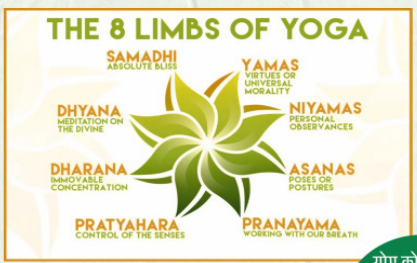

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्यूमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्यूमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- **आयुर्वेद दिवस 2025**
  - **विषय है- "लोगों और ग्रह के लिये आयुर्वेद"**, जिसमें वैश्विक कल्याण तथा पर्यावरणीय स्थिरता पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।
    - समारोह में **जीवनशैली संबंधी विकार, जलवायु संबंधी रोग और तनाव प्रबंधन** जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें आयुर्वेद को एक व्यवहार्य समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।
  - आयुष मंत्रालय जागरूकता अभियान, युवा सहभागिता कार्यक्रम, स्वास्थ्य परामर्श और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग सहित विभिन्न गतिविधियों का नेतृत्व करेगा।
- **आयुर्वेद दिवस 2024 की उपलब्धियाँ**
  - 9वें आयुर्वेद दिवस (2024) ने भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को चिह्नित किया:
  - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) के द्वितीय चरण का उद्घाटन।
  - आयुर्वेद में **चार उत्कृष्टता केंद्रों** का शुभारंभ।
  - **"देश का प्रकृति संरक्षण अभियान"** का परिचय।
- **महत्त्व**
  - प्रथम अखिल भारतीय NSSO सर्वेक्षण ने पुष्टि की है कि आयुर्वेद **भारत के ग्रामीण और शहरी,** दोनों ही क्षेत्रों में सर्वाधिक उपयोग की जाने वाली उपचार प्रणाली है।
- **आयुर्वेद के विकास के लिये की गई पहल**
  - राष्ट्रीय आयुष मिशन
  - आयुष क्षेत्र पर नए पोर्टल
  - ACCR पोर्टल और आयुष संजीवनी ऐप

अटल आवासीय विद्यालयों हेतु आईएमएस

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने लखनऊ के **इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान** में आयोजित **रोज़गार महाकुंभ 2025** में अटल आवासीय विद्यालयों के लिये **एकीकृत निगरानी प्रणाली (IMS)** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **IMS के बारे में:**
  - यह उत्तर प्रदेश के 18 **अटल आवासीय विद्यालयों** की निगरानी करेगी, जिससे लगभग **18,000 छात्रों** को लाभ मिलेगा।
  - चयनित छात्रों को **मुफ्त भोजन एवं आवास** मिलेगा तथा विद्यालयों की **डिजिटल निगरानी** भी की जाएगी।
    - इन विद्यालयों का उद्देश्य श्रमिकों के बच्चों, विशेषकर **भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक (BOC) बोर्ड** के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को **आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** प्रदान करना है।
    - पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्थापित ये विद्यालय कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को सेवा प्रदान करते हैं, जिसमें **बाल वाटिकाएँ** भी शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **उद्यम संसाधन योजना (ERP) प्रणाली:** अटल कमांड सेंटर, कमांड हब के रूप में कार्य करता है, जिससे विद्यालयों की **डिजिटल निगरानी** संभव होती है।
  - **वास्तविक समय उपस्थिति प्रबंधन:** छात्रों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का **दैनिक अद्यतन**।
  - **शैक्षणिक निगरानी:** छात्रों की **प्रोफाइल, शैक्षणिक प्रगति, परीक्षा परिणाम** एवं **रिपोर्ट कार्ड** की ऑनलाइन उपलब्धता।
  - **स्टाफ प्रोफाइल:** शिक्षकों एवं कर्मचारियों की जानकारी का एकीकृत भंडारण, जिससे **उत्तरदायित्व एवं अनुशासन** सुनिश्चित होता है।
  - **वित्तीय प्रबंधन:** ERP प्रणाली पर बजट, **व्यय एवं बिलिंग** का पारदर्शी रिकॉर्ड।
  - **CCTV एकीकरण:** विद्यालय परिसरों की **लाइव निगरानी**, जिससे सुरक्षा एवं अनुशासन में वृद्धि।
  - **छात्र प्रोफाइल:** प्रत्येक छात्र के **व्यक्तिगत विवरण एवं शैक्षणिक प्रगति** का विस्तृत मूल्यांकन।

रोज़गार महाकुंभ 2025

- **रोज़गार महाकुंभ 2025** उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी **एकीकृत रोज़गार और प्लेसमेंट पहल** है, जिसे **क्षमता** तथा **अवसर के बीच की खाई** को पाटने के लिये विकसित किया गया है।
- मुख्य पहल:
  - **श्रम न्याय सेतु पोर्टल:** इस पोर्टल का उद्देश्य श्रम विवादों के **ऑनलाइन निपटान** और **24/7 सेवाओं** के माध्यम से श्रमिकों को **त्वरित, पारदर्शी** तथा **समयबद्ध न्याय** प्रदान करना है।
  - **औद्योगिक न्यायाधिकरण वेबसाइट और ई-कोर्ट पोर्टल:** इन पोर्टलों को **कुशल कानूनी कार्यवाही** तथा **श्रमिक-संबंधित विवादों के समाधान** की सुविधा के लिये लॉन्च किया गया था।
  - **बेसिक शिक्षा:** IMS प्रणाली को बेसिक शिक्षा में लागू किया जाएगा, जिसके **प्रथम चरण** में **57 मुख्यमंत्री अभ्युदय और समग्र विद्यालयों** की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विश्व मुक्केबाज़ी कप की मेज़बानी करेगा उत्तर प्रदेश

चर्चा में क्यों ?

भारत पहली बार **उत्तर प्रदेश** के **ग्रेटर नोएडा** में 13 से 24 नवंबर, 2025 तक **विजय पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स** में विश्व मुक्केबाज़ी कप **(पुरुष और महिला)** की मेज़बानी करेगा।

- इस आयोजन में **80 से अधिक देशों** के लगभग **450 मुक्केबाज़ों** के साथ लगभग **150 अधिकारी** भाग लेंगे और यह **विश्व मुक्केबाज़ी कांग्रेस** के साथ **23 नवंबर, 2025** को आयोजित होगी।

मुख्य बिंदु

मुक्केबाज़ी विश्व कप के बारे में:

- **परिचय:**
  - यह एक **वार्षिक शृंखला** है जिसमें **शीर्ष मुक्केबाज़ पूरे वर्ष विभिन्न चरणों में प्रतिस्पर्द्धा** करते हैं और रैंकिंग अंक अर्जित करते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- साल का समापन एक फाइनल्स आयोजन के साथ होता है, जिसमें शीर्ष रैंक वाले मुक्केबाज़ **अंतिम ट्रॉफी** के लिये आमने-सामने होते हैं।

- **मुक्केबाज़ी विश्व कप (2023-2025):**
  - **पहली विश्व मुक्केबाज़ी कप प्रतियोगिता** अक्तूबर 2023 में **जर्मनी के कोलोन में** आयोजित की गई थी।
  - वर्ष 2024 की शृंखला इंग्लैंड, अमेरिका और मंगोलिया में आयोजित हुई तथा इसका समापन नवंबर 2024 में इंग्लैंड में फाइनल्स आयोजन के साथ हुआ।
  - वर्ष 2025 के आयोजन ब्राज़ील, जर्मनी और कज़ाकिस्तान में होंगे तथा फाइनल्स भारत में नवंबर 2025 में आयोजित होगा।
- **विश्व मुक्केबाज़ी कप 2025:**
  - भारत पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेज़बानी करेगा, जिसमें **भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ (BFI) निविदा** का प्रमुख दावेदार है।
  - भारत इससे पहले दो बार (2018 और 2023 में **दिल्ली**) में **महिला विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप** की मेज़बानी कर चुका है।
  - वर्ष 2017 में **विश्व मुक्केबाज़ी कांग्रेस** भी **ग्रेटर नोएडा** में आयोजित की गई थी।
- **अन्य प्रमुख मुक्केबाज़ी आयोजन:**
  - **U-19 विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप (अक्तूबर 2024):** अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में आयोजित, जिसमें 17 और 18 वर्ष की आयु के 180 से अधिक पुरुष और महिला **मुक्केबाज़ों** भाग लिया।
  - **एलीट विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप (सितंबर 2025):** पहला आयोजन इंग्लैंड के लिवरपूल में 4-14 **सितंबर**, 2025 को होगा।
  - **एलीट विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप (2027):** सफल निविदा प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2027 का आयोजन कज़ाकिस्तान के अस्ताना में किया जाएगा।

विश्व मुक्केबाज़ी

- विश्व मुक्केबाज़ी, वर्ष 2023 के उत्तरार्द्ध से, **मुक्केबाज़ों के विकास और प्रगति** में मदद करने हेतु **उच्च-गुणवत्ता वाली प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिये** प्रतिबद्ध है।
- यह संगठन विभिन्न स्तरों पर पुरुष और महिला मुक्केबाज़ों के लिये **प्रतिस्पर्द्धात्मक अवसर** प्रदान करने हेतु **राष्ट्रीय महासंघों** और **प्रमुख हितधारकों** के साथ सहयोग करता है।

भारतीय मुक्केबाज़ी महासंघ (BFI)

- यह देश में **शौकिया मुक्केबाज़ी** की निगरानी करने वाला **राष्ट्रीय संस्थान** है, जो खेल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करता है और **ओलंपिक** तथा **विश्व चैंपियनशिप** जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करता है।
- **नेतृत्व:** प्रमोद कुमार हाल ही में मुक्केबाज़ी महासंघ ऑफ इंडिया (BFI) के महासचिव चुने गए हैं और अजय सिंह इसके अध्यक्ष बने हैं।
  - प्रमोद कुमार ने वर्ष 1986 के एशियाई खेलों में सियोल में 5000 मीटर दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

प्रोजेक्ट आरोहण

चर्चा में क्यों ?

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने **वर्टिस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट** के सहयोग से **टोल प्लाज़ा कर्मचारियों** के बच्चों की **शैक्षिक आकांक्षाओं** का समर्थन करने के लिये 'प्रोजेक्ट आरोहण' का **शुभारंभ** किया, जिसका शुभारंभ **समारोह** नई दिल्ली स्थित **NHAI मुख्यालय** में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- यह कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों (EWS), प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों और अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) तथा अल्पसंख्यक समुदायों सहित हाशिये पर रहने वाले छात्रों के लिये गुणवत्ता शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित करने और वित्तीय बाधाओं को दूर करने का लक्ष्य रखता है।
- **उद्देश्य:** यह कार्यक्रम छात्रों के **समग्र शैक्षिक अनुभव** को बढ़ाने के लिये **संरचित मार्गदर्शन**, **कौशल निर्माण कार्यशालाएँ** और **करियर मार्गदर्शन** के साथ **वित्तीय सहायता** को जोड़ता है।
  - इस पहल का उद्देश्य छात्रों को न केवल उच्च शिक्षा के लिये बल्कि भविष्य में **रोज़गार** और **उद्यमिता** के लिये भी तैयार करना है।
- **वित्त पोषण:** परियोजना के पहले चरण के लिये वित्तीय वर्ष **2025-26 के लिये 1 करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया गया है**।
- यह परियोजना **कक्षा 11 से स्नातक के अंतिम वर्ष** तक के 500 छात्रों को **वित्तीय वर्ष 2025-26** के लिये **12,000 रुपये** की **वार्षिक छात्रवृत्ति** प्रदान करेगी।
- **स्नातकोत्तर** और **उच्च शिक्षा** के इच्छुक 50 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को **50,000 रुपये प्रति विद्यार्थी** की **छात्रवृत्ति** दी जाएगी।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI)

- इसकी स्थापना **NHAI अधिनियम, 1988** द्वारा **राष्ट्रीय राजमार्गों** के विकास, रखरखाव और **प्रबंधन** की निगरानी हेतु की गई थी।
- **NHAI** की प्रमुख ज़िम्मेदारी राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (NHDP) का **क्रियान्वयन** करना है, जिसमें **50,329 किमी** राजमार्ग शामिल हैं तथा **सुचारू यातायात प्रवाह** के लिये **सड़क अवसंरचना** में सुधार करना है।
- कुल 132,499 किमी लंबाई के साथ, राष्ट्रीय राजमार्ग भारत में **कुल सड़क यातायात का लगभग 40% वहन करते हैं**, जबकि वे **सड़क नेटवर्क का केवल 2%** ही हैं।

संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती

चर्चा में क्यों ?

संत मदर टेरेसा की 115वीं जयंती **26 अगस्त, 2025** को मदर्स हाउस, कोलकाता में मनाई गई।

मुख्य बिंदु

मदर टेरेसा के बारे में:

- मदर टेरेसा, जिनका जन्म वर्ष 1910 में स्कोप्जे, ओटोमन साम्राज्य (अब उत्तरी मैसेडोनिया) में **एग्नेस गोंक्सा बोजाक्सीहु** (Agnes Gonxha Bojaxhiu) के रूप में हुआ था, ने अपना जीवन गरीब लोगों की सेवा के लिये समर्पित कर दिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- उनकी यात्रा 12 वर्ष की आयु में शुरू हुई जब उन्हें मिशनरी के रूप में सेवा करने का आह्वान महसूस हुआ।
- वर्ष 1928 में, 18 वर्ष की आयु में, वह भारत गईं, जहाँ उन्होंने वर्ष 1931 में अपनी धार्मिक प्रतिज्ञा ली। 17 वर्षों तक उन्होंने कलकत्ता के सेंट मैरी हाई स्कूल में पढ़ाया।

- मदर टेरेसा ने वेटिकन से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद 7 अक्तूबर, 1950 को **मिशनरीज ऑफ चैरिटी** की स्थापना की।
  - उनका संगठन, जो विश्व स्तर पर विस्तारित था, शरणार्थियों, बुज़ुर्गों और एड्स से पीड़ित लोगों सहित निराश्रित लोगों की देखभाल पर ध्यान केंद्रित करता था।
- 1990 के दशक तक, मिशनरीज ऑफ चैरिटी के 40 देशों में दस लाख से अधिक स्वयंसेवक थे, जो मदर टेरेसा की करुणा की भावना का प्रसार कर रहे थे।
- **शांति और समझ** को बढ़ावा देने में उनके अथक कार्य के लिये उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए जिनमें पोप जॉन XXIII शांति पुरस्कार (1971), नेहरू पुरस्कार (1972) और वर्ष 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार शामिल हैं।
- मदर टेरेसा का निधन 5 सितंबर, 1997 को हुआ और वे अपने पीछे करुणा तथा सेवा की एक स्थायी विरासत छोड़ गईं।
- वर्ष 2016 में पोप फ्राँसिस ने उन्हें संत घोषित किया जिससे दुनिया में सबसे प्रिय मानवतावादी हस्तियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मज़बूत हो गई।

नोट: मदर टेरेसा भारत की एकमात्र प्राकृतिकीकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त नागरिक हैं, जिन्हें भारत का **सर्वोच्च नागरिक सम्मान** भारत रत्न **(1980) से सम्मानित किया गया।**

- वह भारत रत्न पाने वाले केवल दो विदेशियों में से एक हैं। दूसरे हैं खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें ***सीमांत गांधी*** के नाम से जाना जाता है, जिन्हें वर्ष 1987 में यह सम्मान दिया गया था।

भारत FIDE विश्व कप 2025 की मेज़बानी करेगा

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने FIDE विश्व कप 2025 की मेज़बानी मिलने पर भारत के गौरव को व्यक्त किया। क्योंकि लगभग 23 वर्षों के अंतराल के बाद यह प्रतियोगिता भारतीय धरती पर आयोजित होने जा रही है।

- यह टूर्नामेंट 30 अक्तूबर से 27 नवंबर, 2025 तक गोवा में आयोजित होगा। इसमें 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि और अगले वर्ष के **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** के लिये तीन स्थान निर्धारित किये जाएंगे।
- 206 खिलाड़ियों वाले इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन **डी. गुकेश**, मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारूआना और **भारत के आर. प्रज्ञानंदधा** जैसे **शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं।**

मुख्य बिंदु

- **भारत की पूर्व मेज़बानी:**
  - भारत ने वर्ष 2002 में हैदराबाद में अंतिम बार FIDE विश्व कप का आयोजन किया था।
  - इस प्रतियोगिता में विश्वनाथन आनंद विजेता तथा **रुस्तम कासिमदजानोव** उपविजेता रहे थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **शतरंज की उत्पत्ति:**
  - शतरंज की उत्पत्ति छठी शताब्दी ईस्वी में गुप्त साम्राज्य के दौरान *उत्तरी भारत* में हुई थी।
  - इसे प्रारम्भ में **'चतुरंग'** कहा जाता था, जो वास्तविक जीवन की युद्ध-रणनीति को दर्शाता था।
  - 8×8 बोर्ड पर खेले जाने वाले इस खेल में पैदल सेना, घुड़सवार सेना, हाथी और रथ का प्रतिनिधित्व करने वाले मोहरे होते थे।
  - यह खेल भारत से फारस पहुँचा और फिर यूरोप में फैला। 15वीं शताब्दी तक यह आधुनिक शतरंज के रूप में विकसित हुआ, जिसमें **रानी** तथा **ऊँट (बिशप)** की शक्तियों में महत्त्वपूर्ण वृद्धि की गई।
- **अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस:**
  - वर्ष 2019 में संयुक्त राष्ट्र ने **20 जुलाई** को *अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस* घोषित किया।
  - इस दिवस को शिक्षा, शांति और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में शतरंज की भूमिका को मान्यता देने हेतु घोषित किया गया।
  - साथ ही यह सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs)—SDG 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा), SDG 5 (लैंगिक समानता), SDG 11 (सतत् शहर एवं समुदाय) तथा SDG 16 (शांति, न्याय और सशक्त संस्थानों) का भी समर्थन करता है।
- **FIDE (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ):**
  - **FIDE** विश्व कप 2025 का आयोजन **FIDE** द्वारा किया जा रहा है, जो विश्व स्तर पर शतरंज का प्रमुख शासी निकाय है।
  - **अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) स्थानीय आयोजक के रूप में FIDE के सहयोग से कार्य कर रहा है।**
  - FIDE की स्थापना वर्ष **1924 में पेरिस** में की गई थी, जिसने शतरंज को औपचारिक रूप से *अंतर्राष्ट्रीय खेल* का दर्जा प्रदान किया।

उत्तर प्रदेश भारत की औद्योगिक वृद्धि में अग्रणी

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम-कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) **2023-24** के अनुसार, उत्तर प्रदेश ने औद्योगिक विकास में एक नया मानक स्थापित किया है।

- राज्य ने तीन प्रमुख मानकों- सकल मूल्य वर्द्धन (GVA), **कारखानों की संख्या और रोज़गार सृजन** पर सभी प्रमुख औद्योगिक राज्यों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

मुख्य बिंदु

- **सकल मूल्य वर्द्धन (GVA):**
  - राज्य का GVA वर्ष 2022-23 में 1.34 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1.67 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो **25.03% की वृद्धि** दर्शाता है।
  - यह **राष्ट्रीय औसत 11.9% से दोगुने से भी अधिक है**। परिणामस्वरूप, उत्तर प्रदेश ने GVA वृद्धि के मामले में भारतीय राज्यों में **शीर्ष स्थान** प्राप्त किया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कारखानों की संख्या:**
  - उत्तर प्रदेश में **कारखानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि** दर्ज की गई है। यह संख्या वर्ष 2022-23 में 19,102 से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 22,141 हो गई है, जो **15.91% की वृद्धि** है।
  - यह वृद्धि **राष्ट्रीय औसत 2.7% से लगभग सात गुना** अधिक है।
  - भारत में कुल कारखानों की संख्या में **उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 8.51% है**, जो तमिलनाडु (15.43%), गुजरात (12.81%) और महाराष्ट्र (10.20%) के बाद देश में **चौथे स्थान** पर है।
- **रोजगार सृजन:**
  - उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में रोज़गार वर्ष 2022-23 में 14.86 लाख से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 16.26 लाख हो गया, जो **9.37% की वृद्धि** दर्शाता है। यह वृद्धि अखिल भारतीय औसत 5.9% से कहीं अधिक है।
  - औद्योगिक रोज़गार के मामले में उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के साथ **शीर्ष पाँच राज्यों** में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय रोज़गार में राज्य की हिस्सेदारी **8%** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASI):

- **परिचय**
  - वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) भारत में **औद्योगिक आँकड़ों का प्राथमिक स्रोत** है।
  - इसकी **शुरुआत वर्ष 1960** में हुई थी, जिसमें वर्ष 1959 को आधार-वर्ष माना गया था, तब से यह प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है, वर्ष 1972 को छोड़कर। यह सर्वेक्षण ***सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 1953*** के अंतर्गत संचालित था।
  - वर्ष 2010-11 से, यह सर्वेक्षण ***सांख्यिकी संकलन अधिनियम, 2008*** के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जिसे वर्ष **2017 में संशोधित** किया गया था ताकि इसका कवरेज अखिल भारतीय स्तर तक बढ़ाया जा सके।
- **कार्यान्वयन एजेंसी:**
  - **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)**, जो *सांख्यिकी और कार्यक्रम-कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)* का अंग है, ASI का संचालन करता है।
  - यह मंत्रालय जारी किये गए **आँकड़ों की व्यापकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये** उत्तरदायी है।
- **क्षेत्र:**
  - ASI का विस्तार पूरे देश में है। इसके अंतर्गत ***कारखाना अधिनियम, 1948*** की धारा 2(m)(i) और 2(m)(ii) के अंतर्गत पंजीकृत सभी कारखाने आते हैं।

उत्तर प्रदेश के एनसीआर ज़िलों में पटाखों पर प्रतिबंध

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **राज्य के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) ज़िलों** में पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर **पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।**

मुख्य बिंदु

- **प्रतिबंध के बारे में:**
  - यह प्रतिबंध **दिल्ली-NCR क्षेत्र** के अंतर्गत आठ ज़िलों पर लागू होता है, जिनमें **मेरठ, गाज़ियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, हापुड़, बागपत, शामली और मुज़फ्फरनगर** शामिल हैं।
  - प्रतिबंध का क्रियान्वयन **दशहरा और दीपावली** जैसे त्योहारों से पूर्व **सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप** किया गया है, ताकि **NCR में प्रदूषण स्तर को नियंत्रित** किया जा सके।
  - **पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986** की धारा 15 के तहत उल्लंघन करने पर पाँच वर्ष तक का कारावास और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।
    - धारा 15 केंद्र सरकार को किसी भी प्राधिकरण या अधिकारी को पर्यावरण संरक्षण के लिये कार्य करने का निर्देश देने का अधिकार देती है।
  - बार-बार अपराध करने पर, अनुपालन होने तक **प्रतिदिन 5,000 रुपये का अतिरिक्त जुर्माना** लगाया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **प्रतिबंध के उद्देश्य:**
  - **वायु प्रदूषण नियंत्रण:** इस प्रतिबंध का उद्देश्य त्योहारों के समय **वायु प्रदूषण में होने वाली वृद्धि**, विशेष रूप से पटाखों के उपयोग के कारण होने वाली वृद्धि को रोकना है।
  - **सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण:** इस उपाय का उद्देश्य **सार्वजनिक स्वास्थ्य को वायु प्रदूषण** के हानिकारक प्रभावों से बचाना है, विशेष रूप से उच्च प्रदूषण वाले महीनों के दौरान।

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

- **पृष्ठभूमि:**
  - **संसद** ने इस अधिनियम को **भोपाल गैस त्रासदी** के बाद पारित किया, जिसने **पर्यावरण और जन-स्वास्थ्य संरक्षण** हेतु एक समग्र कानून की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित किया।
- **संवैधानिक आधार:**
  - यह अधिनियम **संविधान के अनुच्छेद 253** के अंतर्गत पारित किया गया, जो संसद को **अंतर्राष्ट्रीय समझौतों** को लागू करने हेतु कानून बनाने का अधिकार देता है। इसे **1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन** में भारत द्वारा की गई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये लागू किया गया।
  - यह अधिनियम केंद्र सरकार को **पर्यावरण प्रदूषण** को रोकने, **नियंत्रित करने** और उसका प्रत्युत्तर देने का अधिकार देता है।
    - इसके अंतर्गत केंद्र सरकार को मानक निर्धारित करने, उत्सर्जन विनियमित करने, प्रदूषणकारी उद्योगों को बंद करने तथा आवश्यक सेवाओं को नियंत्रित करने का अधिकार है।
- **संवैधानिक प्रावधान:**
  - **अनुच्छेद 48A** राज्य को पर्यावरण, वन और वन्य जीवन की रक्षा करने का निर्देश देता है।
  - **अनुच्छेद 51A (g)** प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य है कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करें और उसे सुधारने का प्रयास करें।

विश्व जल सप्ताह 2025

चर्चा में क्यों ?

24-28 अगस्त, 2025 को **स्वीडन की राजधानी** **स्टॉकहोम** में **विश्व जल सप्ताह** का आयोजन किया गया।

- इस कार्यक्रम के दौरान, **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) को** नदी पुनरुद्धार और समुदाय-संचालित प्रयासों के लिये एक वैश्विक प्रेरणा के रूप में मान्यता दी गई।

मुख्य बिंदु

- **विश्व जल सप्ताह के बारे में:**
  - **वर्ष 1991** में स्थापित, यह कार्यक्रम **स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय जल संस्थान (SIWI) द्वारा आयोजित किया जाता है** तथा जल प्रबंधन से संबंधित ज्ञान, समाधान और प्रतिबद्धताओं के आदान-प्रदान के लिये एक महत्त्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।
  - वर्ष 2025 संस्करण, जो अपने 35वें वर्ष को चिह्नित करता है, **' जलवायु कार्रवाई हेतु जल' विषय** पर केंद्रित था, जिसमें **जलवायु परिवर्तन** से निपटने और **सतत् विकास** प्राप्त करने में जल की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **भारत की भूमिका:**
  - विश्व जल सप्ताह 2025 के दौरान, NMCG ***'नदी शहरों की पुनर्कल्पना:*** *जलवायु-स्मार्ट और बेसिन-केंद्रित शहरी विकास'* सत्र का हिस्सा था, जिसमें जलवायु-लचीले शहरों को सुनिश्चित करने में **नदी-केंद्रित शहरी विकास** की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।
    - सत्र में सतत् शहरी नियोजन के लाभों और **बेसिन-केंद्रित दृष्टिकोण** की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया, जिसमें संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी तंत्र पर विचार किया गया।
    - सत्र का नेतृत्व NMCG, **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (NIUA)** और **डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल ज़ुसामेनरबीट (GIZ)** ने किया।

नमामि गंगे मिशन

- **यह गंगा नदी** और इसकी **सहायक नदियों के पुनर्जीवन** हेतु एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य **प्रदूषण को कम करना, जल की गुणवत्ता में सुधार करना तथा नदी के पारितंत्र** को पुनर्स्थापित करना है।
- **कार्यान्वयन:** हाइब्रिड-एन्यूटी-मॉडल (HAM) के तहत चयनित बोलीदाता द्वारा गठित विशेष प्रयोजन निकाय (SPV) शोधन संयंत्रों (STP) के विकास, संचालन और अनुरक्षण की ज़िम्मेदारी संभालता है।
  - लागत का **40% निर्माण के बाद तथा शेष 60% परियोजना की पूरी अवधि के दौरान** प्रदान किया जाता है।

भारत जल सप्ताह (IWW)

- भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने वर्ष 2012 में **भारत जल सप्ताह** की संकल्पना की और इसे प्रारंभ किया, जिसे अब प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य जल प्रबंधन **से संबंधित महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना** तथा जल-संबंधी प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं में नवाचार को प्रोत्साहित करना है।
- **IWW वैश्विक जल कूटनीति का एक महत्त्वपूर्ण मंच बन चुका** है, जो जल-संबंधी प्रमुख चुनौतियों पर संवाद, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है।

AI संचालित यूपी स्किल गैप डैशबोर्ड

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) ने राज्य में रोज़गार-क्षमता बढ़ाने हेतु **AI संचालित यूपी स्किल गैप डैशबोर्ड** नामक एक अभिनव उपकरण की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

- **डैशबोर्ड के बारे में:**
  - यह पहली बार है जब उत्तर प्रदेश में **ज़िलावार कौशल आवश्यकताओं का आकलन** करने के लिये AI का उपयोग किया जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर सृजित करने में सहायता मिलेगी।
- **विशेषताएँ:**
  - **AI और डेटा एनालिटिक्स एकीकरण:** डैशबोर्ड ज़िला-विशिष्ट क्षेत्रों और रोज़गार डेटा का विश्लेषण करने के लिये उन्नत मशीन लर्निंग एल्गोरिदम **तथा डेटा एनालिटिक्स** का उपयोग करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह प्रमुख क्षेत्रों और उद्योगों के लिये ज़िलावार आँकड़े प्राप्त करता है तथा प्रशिक्षण भागीदारों से व्यापार-विशिष्ट मांगे भी प्राप्त करता है।

- **ज़िला-विशिष्ट कौशल मूल्यांकन:** यह विभिन्न ज़िलों में कौशल **अंतराल की पहचान करने में** मदद करता है तथा एक व्यापक कौशल मूल्यांकन प्रदान करता है।
  - यह प्रत्येक ज़िले में क्षेत्र-विशिष्ट विकास और रोज़गार आवश्यकताओं के आधार पर आवश्यक प्रशिक्षण की सिफारिश करता है।

लाभ:

- **ज़िला स्तरीय कौशल विकास:** डैशबोर्ड वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से उन क्षेत्रों की पहचान करता है जहाँ प्रशिक्षित जनशक्ति की ज़रूरत है।
  - इससे स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर प्रशिक्षण लक्ष्यों का बेहतर आवंटन संभव होगा और प्रत्येक ज़िले में रोज़गार-क्षमता में वृद्धि होगी।
- **नौकरी छोड़ने की प्रवृत्ति में कमी:** स्थानीय रोज़गार बाज़ार से प्रशिक्षण को संरेखित कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि उम्मीदवारों को अन्य ज़िलों में नौकरी खोजने के लिये पलायन न करना पड़े।
- **प्रशिक्षण भागीदार के रूप में उद्योगों की भागीदारी:** पहली बार **कौशल विकास** प्रक्रिया में उद्योगों को प्रशिक्षण भागीदार के रूप में शामिल किया गया है।
  - अब 45 से अधिक उद्योग, उद्योग-विशिष्ट प्रशिक्षण प्रयासों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।
- **प्रशिक्षण साझेदार मूल्यांकन:** प्रशिक्षण साझेदारों का मूल्यांकन प्रशिक्षण और प्लेसमेंट में उनके पिछले प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है।
  - शीर्ष प्रदर्शन करने वाले भागीदारों को प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटित किये जाते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि अभ्यर्थियों को उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।
- **प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटन के लिये AI संचालित अंतर्दृष्टि:** डैशबोर्ड क्षेत्रवार प्रशिक्षण लक्ष्यों को प्रोजेक्ट करने के लिये वास्तविक समय डेटा स्क्रैपिंग और प्राथमिक अनुसंधान का उपयोग करता है।
  - यह प्रत्येक ज़िले में शीर्ष उद्योगों, नौकरी भूमिकाओं और कौशल अंतराल का मानचित्रण करता है जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये सटीक तथा अद्यतन जानकारी सुनिश्चित होती है।

एकीकरण:

- यह प्रणाली UPSDM के लिये **इंटरैक्टिव समर्थन** प्रदान करने के लिये **लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) संचालित** चैटबॉट के साथ एकीकृत किया गया है।
  - AI आधारित उपकरण वास्तविक समय सहायता प्रदान करता है, प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगकर्त्ताओं का मार्गदर्शन करता है और प्रशिक्षण व रोज़गार से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देता है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :